हिन्दी दैनिक
# प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • शनिवार • 17.01.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 173 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

## एक नजर

### प्रधानमंत्री आज देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का करेंगे शुभारंभ

**नयी दिल्ली :** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 एवं 18 जनवरी को पश्चिम बंगाल और असम के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह रेल, सड़क और जलमार्ग से जुड़ी 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री शनिवार को देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे, जो गुवाहाटी और हावड़ा के बीच चलेगी। असम में काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर का भूमि पूजन भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार प्रधानमंत्री शनिवार को पश्चिम बंगाल में 3,250 करोड़ रुपये की लागत वाली कई रेल और सड़क अवसंरचना परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। वह मालदा टाउन स्टेशन से हावड़ा-गुवाहाटी (कामाख्या) वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को वर्चुअल रूप से हरी झंडी दिखाएंगे। यह पूरी तरह वातानुकूलित ट्रेन लंबी दूरी की यात्रा को आरामदायक और किफायती बनाएगी, जिससे यात्रा के समय में लगभग 2.5 घंटे की बचत होगी।

### कठुआ में आतंकियों के तीन ठिकाने ध्वस्त सर्च ऑपरेशन जारी

**कठुआ :** कठुआ जिले के बिलावर क्षेत्र में पुलिस और अन्य सुरक्षाबलों की संयुक्त कार्रवाई में आतंकियों के तीन ठिकानों का भंडाफोड़ किया गया है। बीते 7 जनवरी 2026 को कामाड़ नाला, कलाबन और धनु परोल के जंगलों में आतंकियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना के आधार पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। इस दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग की, जिसके बाद रात भर मुठभेड़ चलती रही। सर्च के दौरान एक आतंकी ठिकाने से एम-4 राइफल के खाली कारतूस, खाने-पीने का सामान, कंबल, तिरपाल और अन्य उपयोगी वस्तुएं बरामद की गईं। इसके बाद 16 जनवरी 2026 को कलिखड़ और कलाबन इलाकों में दो और आतंकी ठिकानों का पता लगाकर गैस सिलेंडर, बर्तन, टॉर्च, कंबल और अन्य सामग्री जब्त की गई।
एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा ने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान जारी है और जिले में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है।

# स्टार्टअप को उत्पादन क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत : प्रधानमंत्री

एजेंसी

**नयी दिल्ली :** भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम पिछले एक दशक में एक सीमित विचार से निकलकर राष्ट्र निर्माण के सबसे बड़े स्तंभ के रूप में उभरा है। 'नेशनल स्टार्टअप डे' के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विकास यात्रा को नए और विकसित होते भारत के भविष्य का आधार बताया है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि आज के स्टार्टअप फाउंडर्स और इनोवेटर्स का समूह वास्तव में भारत के उज्ज्वल भविष्य की तस्वीर पेश कर रहा है।
प्रधानमंत्री ने स्टार्टअप आंदोलन की विनम्र शुरूआत को याद करते हुए बताया कि लगभग 10 साल पहले, इस कार्यक्रम की नींव विज्ञान भवन में रखी गई थी। उस समय यह पहल बहुत छोटी थी और इसमें भाग लेने वाले नौजवानों की संख्या महज 500 से 700 के बीच थी।
पीएम मोदी ने कहा, आज इस परिदृश्य में आया बदलाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। स्टार्टअप्स की बढ़ती संख्या और उनके विस्तार ने आयोजन स्थल को विज्ञान भवन से भारत मंडपम तक पहुँचा दिया है। प्रधानमंत्री के अनुसार, आज स्थिति यह है कि भारत मंडपम जैसे विशाल आधुनिक केंद्र में भी स्टार्टअप उत्साहियों के लिए जगह कम पड़ने लगी है। यह बदलाव केवल स्थान का नहीं, बल्कि भारत की नवाचार क्षमता और वैश्विक स्तर पर स्टार्टअप्स की स्वीकार्यता का प्रतीक है।
पीएम मोदी ने कहा कि हमारे यंग इनोवेटर्स, जिन्होंने नए सपने देखने का साहस दिखाया, मैं उन सभी की बहुत-बहुत सराहना करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत में स्टार्टअप को लेकर समाज और परिवारों के दृष्टिकोण में आए बदलाव पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने 10 साल पहले की एक घटना का उदाहरण साझा किया, जिसमें एक युवती ने कॉरपोरेट जगत की सुरक्षित नौकरी छोड़कर स्टार्टअप शुरू करने का फैसला लिया था।
जब वह अपनी मां को यह जानकारी देने कोलकाता गई, तो उसकी मां की प्रतिक्रिया थी, सर्वनाश... तुम बर्बादी की राह पर क्यों जा रही हो!। यह वाकया उस समय स्टार्टअप को लेकर देश में व्याप्त गहरी असुरक्षा और संशय की भावना को दर्शाता है। स्टार्टअप को तब करियर के एक अस्थिर विकल्प और आर्थिक 'विनाश' के रूप में देखा जाता था।
आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। प्रधानमंत्री ने गर्व के साथ बताया कि जिस स्टार्टअप को कभी 'बर्बादी की राह' माना जाता था, आज वही देश के विकास की मुख्यधारा है। स्टार्टअप इंडिया की सफलता ने न केवल आर्थिक अवसर पैदा किए हैं, बल्कि समाज में 'नौकरी चाहने वाले' से 'नौकरी देने वाले' की संस्कृति विकसित की है। प्रधानमंत्री मोदी ने वर्तमान स्टार्टअप इकोसिस्टम को 'विकसित भारत' के लक्ष्य से जोड़ते हुए कहा कि वह स्टार्टअप फाउंडर्स और इनोवेटर्स के इस समूह में नए भारत का उदय देख रहे हैं। उनका मानना है कि नेशनल स्टार्टअप डे केवल एक आयोजन नहीं है, बल्कि यह उन लोगों का उत्सव है जो अपनी नई सोच से भारत की तस्वीर बदल रहे हैं।
भारत की स्टार्टअप यात्रा विज्ञान भवन के सीमित दायरे से शुरू होकर भारत मंडपम की वैश्विक भव्यता तक पहुंच गई है। प्रधानमंत्री के संबोधन साफ है कि सरकार इस क्षेत्र को नए भारत के भविष्य के रूप में देख रही है।

### स्टार्टअप डे पर और क्या-क्या बोले पीएम मोदी

- आज हम स्टार्टअप इंडिया के 10 साल पूरे होने का माइलस्टोन सेलिब्रेट कर रहे हैं। 10 साल की ये जर्नी सिर्फ एक सरकारी योजना के सफल होने की कहानी नहीं है, ये आप जैसे हजारों-लाखों सपनों की जर्नी है। ये कितने ही सपनों के साकार होने की यात्रा है।
- आप याद कीजिए, 10 साल पहले हालत क्या थे... इंडिविजुअल एफर्ट और इनोवेशन के लिए गुंजाइश ही नहीं थी। हमने उन परिस्थितियों को चैलेंज किया, हमने स्टार्टअप इंडिया लॉन्च किया और हमने युवाओं को खुला आसमान दिया, और आज नतीजा हमारे सामने है।
- सिर्फ 10 साल में स्टार्टअप इंडिया मिशन क्रांति बन चुका है। भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है।

हेमन्त सोरेन से ज्यूरिख में भारतीय राजदूत की मुलाकात

# 25 साल बाद झारखंड की ऐतिहासिक वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में एंट्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** झारखंड की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में विश्व आर्थिक सम्मेलन में झारखंड की पहली आधिकारिक भागीदारी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सीएम ने कहा है कि प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण विकास के आदर्शों से प्रेरित होकर, झारखंड दावोस में वैश्विक साझेदारों के साथ जुड़ने के लिए उत्सुक है।
स्विटजरलैंड में भारत के राजदूत मृदुल कुमार ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को विश्व आर्थिक सम्मेलन 2026 में उनकी भागीदारी के बारे में जानकारी दी। यह झारखंड का दावोस में पहला आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल है, जो राज्य की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है।
दावोस में झारखंड की भागीदारी 'प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण विकास' के विषय पर आधारित है, जो सतत विकास, लचीलापन, विश्वास और दीर्घकालिक आर्थिक परिवर्तन पर केंद्रित विश्व आर्थिक सम्मेलन 2026 के उद्देश्य से पूरी तरह मेल खाता है।

### सीएम ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में देंगे व्याख्यान

**रांची :** मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन यूनाइटेड किंगडम की आगामी आधिकारिक यात्रा के क्रम में 23 जनवरी को शाम पांच बजे विश्व विख्यात ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के ब्लावटनिक स्कूल ऑफ गवर्नमेंट में एक विशेष सत्र को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर वे 'आदिवासी बहुल, संसाधन-समृद्ध राज्य टिकाऊ और हरित औद्योगीकरण, जिम्मेदार खनिज आधारित विनिर्माण तथा समावेशी, निवेश-आधारित विकास को कैसे आगे बढ़ा सकता है' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। इस विषय पर आयोजित चर्चा में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में सामाजिक मानवशास्त्र की प्रोफेसर एवं ऑल सोल्स कॉलेज की फेलो प्रो. अल्पा शाह तथा ब्लावटनिक स्कूल ऑफ गवर्नमेंट में राजनीति और लोक नीति की प्रोफेसर प्रो. माया ट्यूडर भी अपने विचार साझा करेंगी।

# मुंबई में पहली बार बनेगा भाजपा का मेयर, ठाकरे बंधुओं का किला ढहा

एजेंसी

**मुंबई :** महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों में भाजपा और उसकी सहयोगी शिवसेना बड़ी जीत की ओर आगे बढ़ रही हैं। मुंबई महानगर पालिका में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभर रही है। वहीं उद्धव ठाकरे की शिवसेना पीछे हो गई है। बीजेपी के मेयर का रास्ता साफ हो गया है। इसके साथ ही बृहन्मुंबई महानगर पालिका में ठाकरे परिवार का 25 साल का वर्चस्व टूटता नजर आ रहा है।
आजादी के बाद 77 सालों से मुंबई नगर निगम पर कांग्रेस और शिवसेना का ही कब्जा रहा है। 1947 से 1967 तक यानी 20 साल तक कांग्रेस का मेयर रहा। वहीं 1992 से लेकर 2022 यानी 30 सालों तक मेयर की कुर्सी पर शिवसेना काबिज रही। भाजपा 45 साल के इतिहास में पहली बार मुंबई में अपना मेयर बनाने की स्थिति में पहुंची है। दरअसल 1980 में पार्टी के गठन के बाद भाजपा ने 1992 से 2017 तक मुंबई में शिवसेना को सपोर्ट दिया था।

### किशोरी पेडनेकर थी आखिरी बार मेयर

मुंबई के मेयर का पद संभालने वाली आखिरी शख्स शिवसेना की किशोरी पेडनेकर थीं, जिन्होंने 22 नवंबर 2019 से 8 मार्च 2022 तक यह पद संभाला था। हालांकि तब शिवसेना में बंटवारा नहीं हुआ था। उसके बाद से यह पद खाली था। तब से, इटउ के प्रशासन की जिम्मेदारी नगर आयुक्त संभाल रहे हैं।

### 45 साल बाद बनेगा बीजेपी का मेयर

बीएमसी चुनाव में भाजपा ने जीत का परचम लहरा दिया है। बीजेपी पहली बार मुंबई में अपना मेयर बनाने की स्थिति में पहुंच गई है। बीएमएसी के इतिहास में अभी तक बीजेपी का कोई नेता मेयर नहीं बना सका है। बीजेपी ने अपने गठन के 45 साल के बाद जाकर मुंबई में मेयर बनाने की पॉजिशन हासिल कर ली है।
बीएमसी में अलग-अलग वार्डों से चुनकर कुल 227 पार्षद आते हैं, जिन्हें मुंबई में नगर सेवक या फिर कॉरपोरेटर कहा जाता है। जिस पार्टी का बहुमत होता है, उसी की मेयर पद की उम्मीदवारी में सबसे बड़ी दावेदार होती है। नगर निकाय चुनाव में जीतकर आने वाले पार्षद ही मेयर का चुनाव करते हैं।

रक्षा राज्यमंत्री ने सरायकेला में एमएसएमई डिफेंस कॉन्क्लेव-2026 का किया शुभारंभ

# झारखंड में भी बन सकता है डिफेंस कॉरिडोर : संजय सेठ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**सरायकेला :** आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूती देने और झारखंड के लघु, मध्यम एवं सूक्ष्म उद्योगों (एमएसएमई) को रक्षा उत्पादन से जोड़ने की दिशा में शुक्रवार को सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर ऑटो क्लस्टर में 'एमएसएमई डिफेंस कॉन्क्लेव-2026' का भव्य शुभारंभ हुआ। दो दिवसीय इस राज्य स्तरीय सम्मेलन का उद्घाटन रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने दीप प्रज्वलित कर किया। यह झारखंड में अपनी तरह का पहला डिफेंस कॉन्क्लेव है, जिसका उद्देश्य उद्योग, रक्षा क्षेत्र और सरकार के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है।
उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि झारखंड खनिज संसाधनों, मजबूत औद्योगिक आधार और कुशल मानव संसाधन से समृद्ध राज्य है। ऐसे में यहां डिफेंस कॉरिडोर की स्थापना की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में डिफेंस कॉरिडोर सफलतापूर्वक विकसित हुए हैं, वहां राज्य सरकार की इच्छाशक्ति और केंद्र सरकार के साथ बेहतर समन्वय निर्णायक साबित हुआ है। यदि झारखंड सरकार केंद्र के साथ मिलकर आगे बढ़े, तो राज्य रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में नई पहचान बना सकता है।
संजय सेठ ने रांची में आयोजित एस्टेक कार्यक्रम और अन्य रक्षा संबंधी आयोजनों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन आयोजनों में बड़ी संख्या में स्टॉल और उद्योगों की भागीदारी झारखंड की औद्योगिक क्षमता को दर्शाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि डिफेंस कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री को आमंत्रित करना किसी प्रकार का राजनीतिक संकेत नहीं, बल्कि राज्य के औद्योगिक विकास के लिए साझा प्रयास का प्रतीक है।
रक्षा उत्पादन में भारत की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि आजादी के बाद कई दशकों तक भारत रक्षा उपकरणों के लिए आयात पर निर्भर रहा, लेकिन बीते कुछ वर्षों में स्थिति तेजी से बदली है। आज भारत 92 से अधिक देशों को रक्षा उपकरणों का निर्यात कर रहा है। सरकार ने रक्षा उत्पादन के लिए तीन लाख करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया है, जबकि चालू वित्त वर्ष में रक्षा बजट लगभग दो लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि इस बजट का सबसे बड़ा लाभ एमएसएमई और स्टार्टअप सेक्टर को मिल सकता है। एमएसएमई और स्टार्टअप की भूमिका पर जोर देते हुए संजय सेठ ने कहा कि भारत युवाओं का देश है और वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करना है। देश में करीब चार करोड़ एमएसएमई हैं, जो लगभग 14 करोड़ लोगों को रोजगार दे रहे हैं, लेकिन इनमें से केवल 16 हजार एमएसएमई ही सीधे तौर पर डिफेंस सेक्टर से जुड़े हैं। इस संख्या को बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि स्टार्टअप के मामले में भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंच चुका है, जो देश की नवाचार क्षमता को दर्शाता है।
रक्षा राज्य मंत्री ने आदित्यपुर को डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित करने की अपील करते हुए कहा कि यहां मौजूद ऑटोमोबाइल और रेलवे सेक्टर से जुड़े उद्योग रक्षा क्षेत्र में भी आसानी से प्रवेश कर सकते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि देश के अन्य हिस्सों में छोटे उद्यमियों ने ड्रोन और आधुनिक रक्षा उपकरणों के निर्माण में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

# झारखंड ग्रीन इकोनॉमी की दिशा में दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाने को तैयार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम और यूके की यात्रा के क्रम में विश्व स्तर पर ऊर्जा क्षेत्र के अग्रणी निवेशकों, प्रौद्योगिकी प्रदाताओं और ऊर्जा के क्षेत्र में नीति-निर्माण करने वाले संस्थानों के साथ झारखण्ड राज्य का संवाद कायम होगा। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल प्राकृतिक स्त्रोतों से उत्पादित की जाने वाली ऊर्जा, ग्रिड आधुनिकीकरण, ऊर्जा भंडारण, स्वच्छ ईंधन और औद्योगिक डीकार्बोनाईजेशन से जुड़े निवेश अवसरों को रेखांकित करेगा। दावोस और यूनाइटेड किंगडम में अपनी सहभागिता के माध्यम से, झारखण्ड एक मॉडल प्रस्तुत कर रहा है जो विश्वसनीय, समावेशी और वैश्विक स्तर पर प्रासंगिक है। एक ऐसा मॉडल जो आर्थिक विकास को गति देता है और साथ ही प्रकृति की सीमाओं तथा आने वाली पीढ़ियों की आकांक्षाओं का सम्मान भी करता है।

### प्राकृतिक संसाधन राज्य को एनर्जी ट्रांजिशन की दिशा में अग्रणी बनाएंगे

झारखण्ड में प्राकृतिक स्त्रोतों से उत्पादित की जाने वाली ऊर्जा की व्यापक संभावना है। यहां के प्रचुर प्राकृतिक संसाधन राज्य को एनर्जी ट्रांजिशन की दिशा में अग्रणी बनाएंगे। प्रतिनिधिमंडल बताएगा कि

भारत ने जो नेट-जीरो टारगेट और ग्रीन इकोनॉमी की दिशा में दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाने का जो संकल्प लिया है उसे झारखण्ड दोहराएगा। झारखण्ड 'प्रकृति के साथ सामंजस्य में विकास' की बात को अपने इस पहल से पुख्ता भी करेगा। यह दृष्टिकोण न सिर्फ भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं में झारखण्ड की ऐतिहासिक भूमिका को रेखांकित करता है, बल्कि एक टिकाऊ वैश्विक भविष्य के प्रति राज्य की जिम्मेदारी को भी दशार्ता है। झारखण्ड की यह पहल भारत-यूके के साझा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने, उनसे निपटने के लिए नीतियों और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को भी प्रतिबिंबित करेगा।

### विजन 2050 के अनुरूप चल रहा झारखण्ड

युवा झारखण्ड विजन 2050 के लक्ष्य को साधने के लिए राज्य के समृद्ध विरासत के साथ तेजी से बदलते वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य के अनुरूप स्वयं को ढाल रहा है। जैसे-जैसे विश्व स्वच्छ ऊर्जा प्रणालियों की ओर अग्रसर हो रहा है, वैसे-वैसे झारखण्ड एक संतुलित मार्ग अपना रहा है। एक ऐसा मार्ग जो ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और रोजगार सृजन को सुनिश्चित करते हुए नवीकरणीय एवं कम-कार्बन ऊर्जा के विस्तार को बढ़ावा देता है। झारखण्ड सरकार का मानना है कि प्राकृतिक संसाधनों से उत्पादित ऊर्जा न्यायसंगत और समावेशी होनी चाहिए, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां आजीविका और स्थानीय अर्थव्यवस्था पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों पर निर्भर रही है। झारखण्ड सरकार का मॉडल श्रमिकों के कौशल विकास, सामुदायिक भागीदारी और सभी को समान अवसर पर विशेष बल देता है।

# हाई कोर्ट ने ईडी अधिकारियों पर दर्ज एफआईआर की जांच पर लगाई रोक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** ईडी और झारखंड पुलिस के बीच उत्पन्न टकराव की पृष्ठभूमि में झारखंड उच्च न्यायालय ने पेयजल घोटाले के आरोपित संतोष कुमार की ओर से ईडी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज कराई गई प्राथमिकी पर की जा रही पुलिस कार्रवाई पर रोक लगा दी है। साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को ईडी अधिकारियों और उनके कार्यालय को पूर्ण सुरक्षा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई नौ फरवरी को निर्धारित की गई है।
झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एस.के. द्विवेदी की अदालत में शुक्रवार को इस मामले की सुनवाई हुई। ईडी की ओर से दाखिल रिट याचिका पर विचार करते हुए अदालत ने स्पष्ट किया कि फिलहाल ईडी अधिकारियों के विरुद्ध किसी भी प्रकार की दंडात्मक या जांच संबंधी कार्रवाई नहीं की जाएगी। अदालत के इस आदेश से उन ईडी अधिकारियों को बड़ी राहत मिली है, जिनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले के आरोपित संतोष कुमार ने नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। अदालत के निर्देश के बाद ईडी अधिकारियों और कार्यालय की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाएगा। न्यायालय ने राज्य सरकार को ईडी कार्यालय की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। इसके तहत अर्धसैनिक बलों की तैनाती की जाएगी और सुरक्षा की निगरानी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी करेंगे।

# सरोज सिंह चौधरी की मुस्तैदी से चौपारण में नशे के नेटवर्क पर बड़ा वार, 40 एकड़ फसल नष्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**चौपारण :** मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चौपारण पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। शुक्रवार को प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर चौपारण थाना क्षेत्र के ग्राम सिलोदर में पुलिस एवं वन विभाग की संयुक्त टीम ने ड्रोन कैमरे की सहायता से व्यापक छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान लगभग 40 एकड़ भूमि में अवैध रूप से की जा रही अफीम की खेती को चिन्हित कर मौके पर ही पूर्ण रूप से विनष्ट कर दिया गया।अभियान के दौरान अफीम की खेती में उपयोग किए जा रहे तीन डिलीवरी पाइप बरामद किए गए, जिन्हें तत्काल नष्ट कर दिया गया। पुलिस द्वारा अवैध खेती में

संलिप्त व्यक्तियों की पहचान एवं नाम-पते का सत्यापन किया जा रहा है। दोषियों की पहचान होते ही उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले में अग्रतर कार्रवाई जारी है। इस संयुक्त अभियान का नेतृत्व बरही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजित कुमार बिमल ने किया। अभियान में बरही अंचल के पुलिस निरीक्षक चंद्रशेखर कुमार, चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी, पुलिस अवर निरीक्षक सुबिन्दर राम, सरवन कुमार पासवान, एएसआई बदल महतो सहित सशस्त्र बल के जवान एवं वन विभाग की ओर से बनपाल सरवन कुमार शामिल थे। उल्लेखनीय है कि हजारीबाग पुलिस द्वारा अवैध अफीम की खेती पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य से चौपारण थाना क्षेत्र में पूर्व से ही व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। खेती के मौसम से पूर्व किसानों को अफीम की अवैध खेती से होने वाले सामाजिक, आर्थिक एवं कानूनी दुष्परिणामों की जानकारी दी गई थी। जागरूकता अभियान का सकारात्मक असर भी देखने को मिला है। शुक्रवार को ग्राम अहरी में चलाए गए विनष्टीकरण अभियान के दौरान पाया गया कि जिन क्षेत्रों में पूर्व में अफीम की खेती होती थी, वहां अब सरसों एवं मूंगफली जैसी वैध फसलों की खेती की जा रही है।

## एक नजर

### पूजा के नाम पर चंदा वसूली पर पुलिस सख्त, दोषियों पर होगी कठोर कार्रवाई

**चौपारण :** प्रखंड के जीटी में सरस्वती पूजा के नाम पर अवैध रूप से चंदा वसूली करने वालों के खिलाफ पुलिस प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। इस संबंध में थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने प्रखंड के सभी अभिभावकों से अपने बच्चों को स्पष्ट रूप से समझाने की अपील की है। थाना प्रभारी ने कहा कि जीटी रोड सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर यदि कोई भी व्यक्ति या किशोर सरस्वती पूजा के नाम पर चंदा वसूली करते हुए पाया गया, तो उसे चिन्हित कर उसके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि पुलिस की पेट्रोलिंग टीम द्वारा यदि कोई व्यक्ति रंगे हाथ वसूली करते पकड़ा गया, तो उसे सीधे जेल या सुधारगृह भेजा जाएगा। सरोज सिंह चौधरी ने स्पष्ट किया कि पूजा जैसे पवित्र अवसर पर कानून व्यवस्था भंग करने या आम लोगों को परेशान करने की किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस प्रशासन शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह मुस्तैद है। उन्होंने अभिभावकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि समय रहते बच्चों को समझाकर ऐसे कृत्यों से दूर रखें, ताकि किसी को कानूनी परेशानी का सामना न करना पड़े।

### 16 सालों से लगातार चूड़ा गुड के साथ खिचड़ी प्रसाद का वितरण करते रहे है : डोमन पांडेय

**बरही :** बरही में गुरुवार को मकर संक्रांति की धूम रही। कई सामाजिक एवं राजनीतिक संगठन के लोग चूड़ा गुड तिलकुट खिलाकर एक दूसरे को मकर संक्रांति की बधाई दी। वहीं करियातपुर में समाजसेवी एवं भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष डोमन पांडेय अपनी परंपरा को निभाते हुए इस वर्ष भी चूड़ा गुड तिलकुट के साथ खिचड़ी प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें उन्होंने अपने स्वयं के खर्चे से सैकड़ों लोगों को चूड़ा गुड तिलकुट के साथ साथ प्रसाद के रूप में खिचड़ी भी खिलाई। पिछले 16 सालों से डोमन पांडेय खिचड़ी एवं चूड़ा गुड तिलकुट सार्वजनिक रूप से खिलाते आ रहे हैं। समाज के प्रति इनके समर्पण का सभी लोग कायल हैं। उन्होंने बताया कि आज से 16 साल पहले बिपिन बिहारी पांडेय एवं रंजीत पांडेय के साथ इस कार्यक्रम की शुरूआत की गई थी।

## प्रजापिता ब्रह्मा कुमारीज संस्थान ने मनाई श्री ब्रह्मा बाबा की 57 वीं पुण्य तिथि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**बरही :** प्रजापिता ब्रह्मा कुमारीज ईश्वरीय विश्व विद्यालय पटना रोड ,बरही धोबी टोला में पिता श्री ब्रह्मा बाबा का 57वां पुण्य स्मृति दिवस मनाया गया। इस अवसर सभी ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। बरही सेवा केंद्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी रीना बहन ने बताया कि पिताश्री ब्रह्मा बाबा 1936 में 60 वर्ष की आयु में अपने जीवन को ईश्वरीय कार्य में समर्पित कर शिव बाब के राह पर चले। उनका अनुसरण करते हुए हम सभी को शिव बाब के राह पर चलना चाहिए। कहा कि सुबह-शाम शिवबाबा का महावाक्यों को सुन हर कार्य करना चाहिए। इससे जीवन श्रेष्ठ बनता है । जीवन में सुख - शांति, घर-परिवार ,गांव, समाज, देश सब खुशियों से भरपूर होती है। पिताश्री ब्रह्मा बाबा रहम दिल, सहनशील, परोपकारी , उच्चा सोच वाले थे। अपने जीवन में हर तरह से कार्य कर 1969 में पिताश्री ब्रह्मा बाबा देह त्याग किया। उन्होंने विनती करते हुए कहा कि पिता श्री ब्रह्माबाबा सभी ब्रह्मा-वत्सों, भाई-बहनों का श्रद्धांजलि स्वीकार करें। सुबह-शाम निकाल कर नजदीकी सेवा केंद्र अवश्य आना चाहिए। सेवा केंद्र में पहुंचे सभी भाई-बहनें ब्रह्मा बाबा का महा वाक्य सुन दिल से श्रद्धांजलि अर्पित किए।

## वीबी-जी राम जी योजना को लेकर हजारीबाग में मनीष जायसवाल ने की प्रेस वार्ता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**हजारीबाग :** प्रोवेश रिसॉर्ट में सांसद मनीष जायसवाल जी द्वारा ,वीबी जी राम जी, विषय पर प्रेस वार्ता की गई। प्रेस वार्ता में विषय प्रवेश जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह द्वारा कराई गई। प्रेस को संबोधित करते हुए सांसद मनीष जयसवाल ने कहा की वीबी-जी राम जी, विकसित भारत रोजगार गारंटी आजीविका मिशन है। जो मनरेगा की जगह लेने वाला एक नया सरकारी कानून है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में 125 दिन के रोजगार की गारंटी देना, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना ,वर्ष 2047 तक विकसित भारत के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप तैयार करने का एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है । गांवों में सड़क निर्माण, जल संरक्षण, ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विकास और

आजीविका से संबंधित संसाधनों को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इससे रोजगार सृजन के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता और अस्थाई विकास को बढ़ावा मिलेगी। विधेयक में मजदूरी भुगतान को साप्ताहिक या अधिकतम 15 दिनों के भीतर अनिवार्य किया गया है। भुगतान में देरी होने पर श्रमिकों को मुआवजा देने का भी प्रावधान है। आगे इन्होंने कहा की कृषि मौसम को ध्यान में रखते हुए राज्यों को 60 दिनों की विराम अवधि का विकल्प दिया गया है। ताकि श्रमिक बुवाई और कटाई के दौरान कृषि कार्यों के लिए उपलब्ध रह सके। केंद्र और राज्यों के बीच 60:40 अनुपात की साझेदारी होगी। जबकि पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों के लिए यह अनुपात 90 :10 निर्धारित किया गया है। प्रशासनिक व्यय की सीमा को 6% से बढ़कर 9% किया गया है।

## सार्वजनिक वितरण प्रणाली को पारदर्शी बनाने का संकल्प, नए एमओ का स्वागत समारोह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**चौपारण :** प्रखण्ड के ब्लॉक मैदान में शुक्रवार को डीलर संघ द्वारा एक गरिमामय स्वागत, विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम डीलर संघ अध्यक्ष भोला सिंह के नेतृत्व में आयोजित हुआ, जिसमें प्रखण्ड के नवनियुक्त एमओ विक्रम पांडेय का गर्मजोशी से स्वागत किया गया, जबकि निवर्तमान एमओ मुकेश कुमार को उनके सफल कार्यकाल के लिए सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोदाम प्रबंधक भूपनाथ महतो ने की। इस अवसर पर नए एमओ विक्रम पांडेय ने सभी राशन डीलरों से औपचारिक परिचय प्राप्त किया और सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और अधिक पारदर्शी एवं जनहितकारी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्येक राशन दुकान में राशनकार्डधारियों के नाम, आवंटन विवरण, वितरण तिथि एवं अन्य

आवश्यक सूचनाएं सूचना-पट्ट पर नियमित रूप से अपडेट रहनी चाहिए। नए एमओ ने कहा कि राशन वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही की शिकायत नहीं मिले। उन्होंने डीलरों से नियमों का सख्ती से पालन करने और पात्र लाभुकों को समय पर एवं सही मात्रा में राशन उपलब्ध कराने की अपील की। साथ ही यह भी कहा कि शिकायत मिलने पर त्वरित जांच कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। समारोह के दौरान डीलर संघ की ओर से निवर्तमान एमओ मुकेश कुमार के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम में सुजाता महिला मंडल, जावेद खान, पप्पू केशरी, रामलखन केशरी, राजेश कुमार सिंह, सुरेंद्र कुमार रजक, सकलदेव दांगी, बिरेन्द्र प्रसाद, अर्जुन सिंह, लालचंद केशरी, देवलाल साव, रणधीर कुमार, अरुण प्रसाद केशरी, राकेश कुमार यादव, ब्रजेश्वर सिंह, बिशेश्वर यादव, राधेश्याम सिंह, सियाराम सिंह, शंकर साव, गिरिजा राम, नौशाद खान सहित बड़ी संख्या में राशन दुकानों के डीलर एवं उनके प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## प्रज्ञा केंद्र संचालकों की हड़ताल से पंचायतों में ठप पड़ी ऑनलाइन व सरकारी सेवाएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**चौपारण :** प्रखंड के सभी पंचायतों में शिफ्टेड पंचायत प्रज्ञा केंद्र संचालकों द्वारा 16 जनवरी से रांची में चल रहे अनिश्चितकालीन हड़ताल का व्यापक असर दिखने लगा है। संचालकों के कार्यकेंदों के बंद होने से पंचायत स्तर पर होने वाली लगभग सभी ऑनलाइन व सरकारी सेवाएँ बाधित हो गई हैं। इससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि प्रमाण पत्र, पेंशन, दाखिल खारिज, आय जाति निवास, पीएम किसान से जुड़ी सेवाएँ, मनरेगा से संबंधित कार्य, बैंकिंग सुविधा,आधार अपडेट सहित अनेक जरूरी कार्य प्रज्ञा केंद्रों के माध्यम से ही संपन्न होते थे। हड़ताल के कारण लोग पंचायत सचिवालय का चक्कर लगा लगाकर परेशान हैं, लेकिन निर्धारित सेवाएँ संचालक उपलब्ध नहीं होने की वजह से पूरी तरह रुकी हुई हैं। प्रज्ञा केंद्र संचालकों का कहना है

कि वे अपनी विभिन्न मांगों को लेकर रांची में अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे हैं और जब तक सरकार उनकी समस्याओं का समाधान नहीं करती, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। उनका आरोप है कि वर्षों से उन्हें उचित मानदेय और कार्यस्थल पर आवश्यक संसाधन उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं। उधर, हड़ताल से प्रभावित ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है, ताकि आवश्यक सेवाओं को फिर से सुचारु किया जा सके। लगातार परेशानी झेल रहे ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला, तो आम लोगों के लिए मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

## चलकुशा थाना परिसर में आगामी सरस्वती पूजा को लेकर की गई शान्ति समिति की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**चलकुशा :** थाना परिसर में शुक्रवार को शांति समिति की बैठक की गई बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी अमृता सिंह ने की जबकि संचालन थाना प्रभारी सूर्यकांत कुमार ने किया बैठक में मुख्य रूप से जिला परिषद सदस्य सविता सिंह, प्रमुख प्रतिनिधि दीपक चौधरी, मुखिया संघ अध्यक्ष आलोक सिंह बीस सूत्री अध्यक्ष सलीम अंसारी शामिल हुए, बैठक में बीडीओ अमृता और थाना प्रभारी सूर्यकांत कुमार ने लोगों से शान्ति ढंग से त्यौहार मनाने की अपील किया और पूजा पंडालों में किसी भी तरह की अश्लील गानों या किसी भी तरह के समुदाय विशेष और जाती सूचक गानों को न बजाने का निर्देश दिया साथ ही रोड बह बह रहे गंदे पानी को बंद करने को कहा गया और जुलूस में शराब पर पूरी तरह प्रतिबन्ध लगाया गया` मौके पर मुखिया प्रतिनिधि केदार यादव मुखिया प्रतिनिधि रामजीत रजक, मुखिया रामदेव यादव, पसंस प्रतिनिधि उमेश साव, सूर्यदेव सिंह, मनोज सिंह, बसंत पाण्डेय सुखदेव यादव कुमार अंशु लखन साव और विभिन्न पूजा पंडालों के अध्यक्ष सचिव व अन्य लोग मौजूद थे

## सदर अस्पताल में टेस्ट ट्यूब बेबी के जनक डॉ सुभाष मुखोपाध्याय की जयंती समारोह का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**हजारीबाग :** प्रख्यात चिकित्सक तथा टेस्ट ट्यूब बेबी के जनक डॉ सुभाष मुखोपाध्याय की जयंती के अवसर पर हजारीबाग सदर अस्पताल में अवस्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धा पूर्वक माल्यार्पण तथा पुष्पार्पण किया गया। सदर अस्पताल प्रबंधन, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की हजारीबाग इकाई एवं बेंगॉली एसोसिएशन, हजारीबाग ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर बेंगॉली एसोसिएशन के सचिव सोमनाथ कुनार तथा सदस्य प्रसन्न चंद्र ने संयुक्त रूप से प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। हजारीबाग के

सिविल सर्जन डॉ अशोक कुमार बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम को सुशोभित किए तथा पुष्प अर्पित किए। मौके पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन हजारीबाग इकाई के अध्यक्ष तथा चक्षु रोग विशेषज्ञ डॉ सुजय सामंता, सचिव तथा युवा चिकित्सक डॉ तीथोर्जीत मैत्रा, आईएमए के पूर्व अध्यक्ष डॉ रजत चक्रवर्ती तथा युवा चिकित्सक डॉ नीलाशीष दे ने पुष्प अर्पण किया। इसके बाद हजारीबाग बेंगॉली एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ सजल मुखर्जी एवं पूर्व सचिव सौभिक भट्टाचार्य ने पुष्प अर्पण किया। ज्ञात हो कि इन्हीं के प्रयासों से तथा हजारीबाग के आम आवाम की मांग पर तत्कालीन उपायुक्त रविशंकर शुक्ल ने प्रतिमा को स्थापित किया था । उस समय पहले टेस्ट ट्यूब बेबी जिसको डॉ सुभाष मुखोपाध्याय 'दुर्गा' नाम दिए थे, उनके पिता एवं डॉ सुभाष मुखोपाध्याय के सहयोगी डॉ सुनीत मल्लिक हजारीबाग आए थे। सौभिक भट्टाचार्य ही उन्हें कोलकाता से हजारीबाग लाए थे।

## संक्षिप्त खबरें

### सांसद द्वारा 101 जोड़ी सामूहिक विवाह कार्यक्रम की तैयारी को लेकर भाजपा पुर्वी मंडल ने की बैठक

**बड़कागांव :** हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल के नेतृत्व में प्रस्तावित 101 जोड़ी सामूहिक विवाह कार्यक्रम की तैयारी को लेकर भारतीय जनता पार्टी की बड़कागांव विधानसभा स्तरीय बैठक स्वामी विवेकानंद सरस्वती विद्या मंदिर खरांटी के प्रांगण में की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष विजय यादव ने की, जबकि संचालन भगीरथ ठाकुर ने किया। कार्यक्रम का समापन सुमन गिरी ने धन्यवाद ज्ञापन से किया। बैठक में सामूहिक विवाह कार्यक्रम की रूपरेखा, तैयारियां और आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान बड़कागांव पूर्वी मंडल अध्यक्ष विजय यादव ने कार्यक्रम से जुड़ी विशेष जानकारी साझा करते हुए इसे सफल बनाने के लिए सभी कार्यकताओं से सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की। तथा हाल मे ही नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष आदित्य साहू तथा जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह को बधाई तथा शुभकामना दी गई । बैठक में मंडल क्षेत्र के प्रत्येक पंचायत स्तर पर जिम्मेदारियों का निर्धारण किया गया। विशेष रूप से पंचायतों से वाहनों की उपलब्धता, कार्यकताओं की उपस्थिति और विवाह स्थल तक आवागमन की व्यवस्था को लेकर गहन मंथन हुआ। सभी उपस्थित कार्यकताओं ने एकजुट होकर कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया।

### शहीद महेंद्र सिंह को भाकपा कार्यालय सरिया में दी गई श्रद्धांजलि

**सरिया :** शुक्रवार को भाकपा माले सरिया पार्टी कार्यालय में कॉ महेंद्र सिंह के शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में मुख्य वक्ता भाकपा माले के राज्य कमिटी सदस्य भोला मंडल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महेंद्र सिंह सिर्फ बगोदर ही नहीं बल्कि पूरे झारखंड, बिहार राज्य के गरीब , असहाय, शोषित, छात्र, नौजवानों की आवाज थे। वे आम लोगों की लड़ाई में लोगों के साथ रहना पसंद करते थे। उनके हक और अधिकार की लड़ाई के लिए लड़ना पसंद करते थे .उन्हें जेल जाना व गोली खाना पसंद था। लेकिन जनता के सवालों को अधूरा छोड़ कर भगाना पसंद नहीं था। यही कारण है कि 16 जनवरी 2005 ई को चुनावी सभा में भी अपराधियों के समक्ष झुकना पसंद नहीं किया और जनता के सवालों पर सीने में गोली खाना पसंद किया और दिवंगत हो गए। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता विजय सिंह और संचालन सोनू पाण्डेय ने किया। उपस्थित सैकड़ों लोगों ने महेंद्र सिंह के चित्र पर बारी-बारी से पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिए। पश्चात हजारों कार्यकर्ता के साथ बगोदर मुख्य कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रस्थान कर गए .इस बीच कॉ महेंद्र सिंह तुम जिंदा हो खेतों में खलिहानों में जनता के अरमानों में,महेंद्र सिंह के अरमानों को मंजिल तक पहुंचाएंगे,महेंद्र सिंह अमर रहे सरीखे नारे लगाए जा रहे थे।

### हजरत दाता कुनकुनी शाह बड़कागांव के 79 वें उर्स मुबारक पर कुरान खानी व चादरपोशी आज

**बड़कागांव :** थाना रोड स्थित हजरत दाता बाबा कुनकुनी शाह रहमतुल्लाह अलैहि के 79 वें उर्स मुबारक के मौके पर आज कुरान खानी, चादरपोशी की जाऐगी। वहीं उर्स के इस मुबारक मौके पर दाता बाबा मजार शरीफ बड़कागांव के प्रांगण में दोपहर 3 :00 बजे से शानदार कव्वाली कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर नागपुर के मशहूर कव्वाल वाहिद चिश्ती साहब अपनी सूफियाना कव्वाली से समां बांधेंगे। कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। आयोजकों ने बड़कागांव प्रखंड के तमाम लोगों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस रूहानी महफिल में शिरकत करें और कार्यक्रम को सफल बनाएं इस उर्स एवं कव्वाली कार्यक्रम के आयोजन कर्ता में पूर्व मुखिया नईम अली, मोहम्मद सलीम, मोहम्मद इब्राहिम, सोनू इराकी, जानिसार आलम एवं मोहम्मद तारिक शामिल हैं।

### प्लस टू उच्च विद्यालय बरही में अभिभावक-शिक्षक बैठक संपन्न, शिक्षा की गुणवत्ता और अनुशासन पर हुआ चर्चा

**बरही :** प्लस टू उच्च विद्यालय बरही में अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बरही विधायक मनोज कुमार यादव, जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, जिला उपाध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, जिला परिषद सदस्य प्रीति कुमारी, मुखिया समशेर आलम एवं राजदेव यादव आदि अतिथि के रूप में शामिल हुए। बैठक का संचालन दिलीप कुमार ने किया। बैठक की शुरूआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर की गई। इसके पश्चात सभी अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं शॉल ओढ़ाकर किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के उत्कृष्ट शिक्षकों तथा मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, जिससे पूरे विद्यालय परिसर में उत्साह और प्रेरणा का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर विधायक मनोज कुमार यादव ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज के सर्वांगीण विकास की आधारशिला है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से ही बच्चे अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार विद्यालयों में आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ करने, शिक्षकों की कमी दूर करने और छात्रों को बेहतर शैक्षणिक माहौल उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। अभिभावकों से उन्होंने अपील की कि वे बच्चों की पढ़ाई के साथ-साथ उनके नैतिक एवं सामाजिक विकास पर भी विशेष ध्यान दें।

### मजदूरी मांगने आए मजदूर के साथ दुकानदार ने की मारपीट, घायल

**बरही :** धनबाद रोड बरही में संचालित खुशबू ड्रेसेस के प्रोपराइटर उदय गुप्ता एवं उनके पुत्र विवेक गुप्ता पर उसी दुकान में काम करने वाले अशोक प्रसाद गुप्ता के साथ मारपीट का आरोप लगा है। मारपीट में घायल अशोक गुप्ता को बरही अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसका प्राथमिक उपचार किया गया। इस बाबत उन्होंने बरही थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि वह खुशबू ड्रेसेस में पिछले 14 सालों से काम करते आ रहे थे। लेकिन कभी भी समय पर मजदूरी नहीं मिली। इस कारण 15 दिन पहले ही काम छोड़ दिया। काम किए हुए बकाया मजदूरी 10 हजार की मांग करने लगा तो टाल मटोल किया जाने लगा। गुरुवार देर शाम पुनः मांग किया तो उदय गुप्ता के पुत्र विवेक गुप्ता लोहे के इंच टेप से जान लेवा हमला किया। जिससे सर फट गया।

## एक नजर

### फरार हुआ शराब घोटाले का आरोपी नवीन केडिया

**रांची :** झारखंड के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा गिरफ्तार किए गए नवीन केडिया ने अपनी ट्रांजिट बेल की शर्तों को दरकिनार करते हुए और कोर्ट के आदेश को ठेंगा दिखा कर फरार हो गया है। नवीन केडिया को एसीबी ने 8 जनवरी 2026 को गोवा के एक स्पा सेंटर से पकड़ा था। गिरफ्तारी के बाद उसे पणजी (गोवा) की अदालत में पेश किया गया। जहां कोर्ट ने उसे 5 दिनों की ट्रांजिट बेल दी है ताकि वह छत्तीसगढ़ वापस जा सके और उसके बाद रांची में एसीबी के समक्ष सरेंडर कर सके। लेकिन वह तय तिथि बीत जाने के बाद भी एसीबी के सामने उपस्थित नहीं हुआ, जिसके बाद अब एसीबी ने नवीन केडिया की गिरफ्तारी के लिए लिए एसीबी ने प्रयास शुरू कर दिया है। एसीबी ने नवीन केडिया को गिरफ्तार करने के लिए कई जगहों पर रेड की है, लेकिन वह अब तक एजेंसी के हाथ नहीं लगा है। नवीन केडिया छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध कंपनी छत्तीसगढ़ डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड का संचालक है।

### कुआं में नहाने के क्रम में पैर फिसलने से व्यक्ति की मौत

**सिल्ली :** राहें थाना अंतर्गत बसाहातू गांव में शुक्रवार के दिन बहुत ही दुखद घटना घटी बसाहातू गांव के यादगाम महतो पिता वैता महतो उम्र 56 साल का कुआं में नहाने के दौरान पैर फिसलने से गिर गया। जिसको तुरंत सिंगपुर नर्सिंग होम में ले जाया गया जहां डॉक्टर ने जांच कर मृत घोषित कर दिया। पार्थिव शरीर को पोस्टमार्टम के लिए रांची रिम्स भेज दिया गया। घर का ये अकेला काम करने वाला आदमी था और पिछले दिनों ही 11 जनवरी को इनकी माता की मृत्यु हो गई थी। जिसका अभी दशकर्म भी नहीं हो पाया था। घर में 3 बेटियाँ और पत्नी को छोड़ के चले गए जिनको संभालने वाला अब कोई नहीं रहा। इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है और सबकी आंखे नम हो गई।

### श्री महावीर मंडल की केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

**रांची :** राजधानी रांची में श्री महावीर मंडल, केंद्रीय समिति की कार्यकारिणी की बैठक शुक्रवार को मंडल के अध्यक्ष जय सिंह यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में वर्ष 2025-26 में आयोजित श्री रामनवमी महोत्सव की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष जय सिंह यादव ने कहा कि सभी के सहयोग से वर्ष 2025 में श्री रामनवमी महोत्सव पूरे राज्य में भव्य, अनुशासित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। आयोजन को सफल बनाने में राज्यभर के अखाड़ाधारियों की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही। उन्होंने इस सफलता का श्रेय श्री महावीर मंडल के सभी अखाड़ाधारियों, पदाधिकारियों, भगवान श्रीराम के भक्तों के साथ-साथ जिला प्रशासन एवं नगर प्रशासन को देते हुए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। मंत्री सुभाष साहू ने रामनवमी महोत्सव के दौरान किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी दी और आगामी वर्षों में आयोजन को और अधिक भव्य, सुव्यवस्थित एवं आकर्षक बनाने के लिए सदस्यों से सुझाव आमंत्रित किए। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव रखे, जिन पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में नए सत्र 2026-27 के लिए श्री महावीर मंडल के चुनाव को लेकर भी चर्चा की गई। इसके साथ ही संस्था के आय-व्यय से संबंधित विषयों पर भी विचार किया गया। अध्यक्ष ने सुझाव दिया कि संस्था से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ा जाए और पुराने सदस्य भी श्री रामनवमी महोत्सव के दौरान मंडल को अपना भरपूर सहयोग दें, जिससे आयोजन को और अधिक भव्य बनाया जा सके।

# अबुआ दिशोम बजट 2026-27ः स्वास्थ्य व पोषण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने अबुआ दिशोम बजट 2026-27 को लेकर आयोजित बजट पूर्व गोष्ठी में राज्य की जनता के स्वास्थ्य और पोषण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह बजट मजबूत, दूरदर्शी और जनहितकारी होना चाहिए, ताकि इसका सीधा लाभ आम लोगों तक पहुंचे। गोष्ठी में अपने सुझाव रखते हुए डॉ. अंसारी ने स्वास्थ्य विभाग के बजट को वर्तमान 5500 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 11000 करोड़ रुपये किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि बजट में पर्याप्त वृद्धि होने से राज्य में बेहतर अस्पतालों की स्थापना, नए मेडिकल कॉलेज, हाईटेक लैब, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक तकनीक का

उपयोग व सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों का विकास संभव हो सकेगा। इससे झारखंड के मरीजों को बेहतर और आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं राज्य के भीतर ही उपलब्ध हो सकेंगी। स्वास्थ्य मंत्री ने खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के बजट में भी वृद्धि की मांग की। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से आम जनता को प्रोटीन युक्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाना जरूरी है। साथ ही पाम ऑयल के स्थान पर सरसों तेल को पीडीएस में शामिल करने पर जोर दिया, ताकि लोगों के पोषण स्तर में सुधार हो सके। डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि स्वस्थ झारखंड ही समृद्ध झारखंड की नींव है। सरकार का उद्देश्य केवल वादे करना नहीं, बल्कि योजनाओं को धरातल पर उतारकर जनता को वास्तविक लाभ पहुंचाना है। उन्होंने विश्वास जताया कि अबुआ दिशोम बजट 2026-27 राज्य के विकास और जनकल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

### बजट पूर्व कार्यशाला में आए सुझाव बजट में होंगे शामिल : सुदिव्य

**रांची :** वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए आयोजित दो दिवसीय बजट-पूर्व कार्यशाला के दूसरे दिन नगर विकास एवं आवास विभाग, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार ने अपराह्न सत्र में सहभागिता की। यह कार्यशाला वित्त, योजना एवं विकास, वाणिज्य कर तथा संसदीय कार्य विभाग के मंत्री राधाकृष्ण किशोर की अध्यक्षता में प्रोजेक्ट भवन स्थित एनेक्सी सभागार में आयोजित की गई। अपराह्न सत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, जनजातीय कल्याण एवं विकास सहित अन्य विषयों पर सुझाव, इनपुट एवं विचार-विमर्श किया गया। विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञों, अधिकारियों एवं प्रतिभागियों ने अपने अनुभव और दृष्टिकोण साझा किए। बैठक के दौरान संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई और उपस्थित प्रतिभागियों के सुझावों को दर्ज किया गया।

## संक्षिप्त खबरें

### ठंड से जल्द मिलेगी राहत, अगले चार दिनों में चढ़ेगा पारा

**रांची :** झारखंड वासियों को ठंड से जल्द ही राहत मिलेगी। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों के अंदर न्यूनतम तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी की संभावना जताई है। वहीं 24 घंटे तक न्यूनतम तापमान में कोई बदलाव होगा। हालांकि अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है। फिलहाल अधिकतम तापमान 22 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। शुक्रवार को चाईबासा में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि खूंटी में सबसे कम न्यूनतम तापमान 2.6 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं कांके का न्यूनतम तापमान तीन डिग्री सेल्सियस रहा। रांची के आसपास के क्षेत्रों की बात करें तो यहां 17 जनवरी को अधिकतम तापमान 24 और न्यूनतम 10 डिग्री सेल्सियस, 18 जनवरी को अधिकतम 25 और न्यूनतम 12 डिग्री सेल्सियस, 19 जनवरी को अधिकतम 26 और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस और 20 जनवरी को अधिकतम 26 और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना जताई गई है।

### ईडी की कार्यशैली से देश में अराजकता की स्थिति : पंकज मिश्र

**रांची :** जयप्रकाश जनता दल के राष्ट्रीय सचिव पंकज मिश्र ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्यशैली की वजह से देश में अराजक स्थिति उत्पन्न हो गई है। राज्य और केन्द्र में सीधा टकराव हो रहा है। केंद्र और राज्यों के अधिकारी एक-दूसरे को चुनौती दे रहे हैं। लोकतंत्र के लिए यह शुभ संकेत नहीं है। यह स्थिति संघीय ढांचे को ध्वस्त कर देगी। आनेवाली पीढ़ी को हम अच्छी विरासत नहीं दे पाएंगे। उन्होंने कहा महात्मा गांधी, जयप्रकाश नारायण, लोहिया की आत्मा वर्तमान स्थिति से दुखी होगी। सबने संविधान में भरोसा जताते हुए समरस समाज की स्थापना की सोच रखा था। जो आज ध्वस्त होता दिख रहा है। सत्ता और विपक्ष में शामिल सभी दलों को गांधी, जेपी, लोहिया के आदर्शों को बचाने के लिए आगे आना चाहिए। जयप्रकाश जनता दल के राष्ट्रीय सचिव ने केंद्र सरकार से सीबीआई, इनकम टैक्स, और राज्य सरकारों से एसीबी, सीआईडी सहित सभी थाना को बंद कर ईडी के हवाले कर देने का आग्रह किया। राज्य पुलिस और थाना का गठन संघीय प्रणाली के तहत किया गया था। मगर पश्चिम बंगाल और झारखंड में जिस तरह ईडी और राज्य पुलिस के बीच जंग छिड़ गई है, उसको देखकर लोकतंत्र पर भरोसा करनेवाले भी दुखी हैं। यहां तक कि अब सुप्रीम कोर्ट भी दुविधा की स्थिति में है।

### बसंत पंचमी 23 को, मां सरस्वती की होगी दिनभर पूजा

**रांची :** इस वर्ष वसंत पंचमी 23 जनवरी को है। उसी दिन विद्यादायिनी मां सरस्वती की आराधना होगी। इस दिन लक्ष्मी नारायण योग, बुधादित्य योग, परिघ योग बन रहे हैं। पूरे दिन बुध, सूर्य और शुक्र का युति गुरुदीक्षा और विद्यारंभ मुहूर्त रहेगा। 23 जनवरी को सुबह से शाम तक माता की स्थापना और पूजा होगी। पंडित मनोज पांडेय ने शुक्रवार को बताया कि मां सरस्वती की पूजा के लिए ये तीन योग बहुत ही शुभ और दुर्लभ और फलदायी योग होते हैं। इस योग में किए जाने वाले हर एक कार्य सिद्ध होते हैं। विद्यार्थियों के लिए और इससे जुड़े लोगों के लिए वसंत पंचमी का त्योहार बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। इस दिन विद्या की देवी मां सरस्वती की विशेष रूप से पूजा आराधना करने का विधान होता है। वसंत पंचमी का पर्व माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। इसी तिथि पर विद्या और सद्गुण प्रदान करने वाले देवी मां सरस्वती का जन्म हुआ था। वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती की पूजा-अर्चना विशेष रूप से की जाती है। इस दिन मां सरस्वती को सफेद और पीले रंग के वस्त्रों, फूल रोली, धूप और दीप से पूजा की जाती है। इस शुभ संयोग में विद्या आरंभ, नई वस्तु और वाहन का क्रय किया जाना अति शुभ माना गया है। पुरोहित ने बताया कि ऋषिकेश पंचांग के अनुसार वसंत पंचमी 22 जनवरी 2026 की रात्रि 01.16 बजे से शुरू हो जाएगी। इस पंचमी तिथि का समापन 23 जनवरी को रात्रि 12.08 बजे पर होगा। उदयातिथि के चलते पंचमी का त्योहार 23 को मनाया जाएगा। सुबह से शाम तक माता की पूजा की जाएगी। पूजा का शुभ समय 23 जनवरी को सुबह 09.27 से दोपहर 02.34 बजे तक शुभ मुहूर्त में माता की पूजा-अर्चना की जाएगी।

### कानून के शिकंजे से कोई नहीं बच पाएगा सबका जेल जाना तय है : बाबूलाल

**रांची :** झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के विरुद्ध रांची पुलिस की कार्रवाई पर रोक लगाने और ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय की सुरक्षा केंद्रीय सुरक्षा बलों को सौंपने के आदेश को लेकर राज्य के नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इस आदेश को जांच एजेंसियों की कार्रवाई को प्रभावित करने की कोशिश करने वालों के लिए 'करारा तमाचा' बताया है। बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि पुलिस के सहारे जांच एजेंसियों को डराने-धमकाने की चाहे जितनी भी कोशिश कर ली जाए, भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई रुकने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि घोटालों और षड्यंत्रों में शामिल पूरा कुनबा कानून के शिकंजे से बच नहीं पाएगा और सभी का जेल जाना तय है। मरांडी ने लोगों से धैर्य रखने की अपील करते हुए कहा कि समय आने पर सच्चाई सबके सामने होगी। नेता प्रतिपक्ष ने राज्य सरकार की ओर से पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की नियुक्ति को लेकर नियमावली में किए गए संशोधन पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए यह तर्क दिया कि कई वरिष्ठ आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा) के अधिकारी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर होने के कारण उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए नियमावली में संशोधन जरूरी था। मरांडी ने इस तर्क को पूरी तरह भ्रामक बताया। उन्होंने कहा कि वरिष्ठता क्रम में शामिल आईपीएस अधिकारी अनिल पालटा, प्रशांत सिंह और एम.एस. भाटिया में से कोई भी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर नहीं है। इन अधिकारियों की सेवा अवधि भी क्रमशः एक वर्ष, दो वर्ष और तीन वर्ष शेष है। इसके बावजूद सेवानिवृत्ति से ठीक एक दिन पहले वरीयता क्रम में कनिष्ठ अधिकारी को डीजीपी नियुक्त कर दिया गया। मरांडी ने आरोप लगाया कि यह नियुक्ति प्रक्रिया उच्चतम न्यायालय के प्रकाश सिंह बनाम भारत संघ फैसले का सीधा उल्लंघन है, क्योंकि डीजीपी की नियुक्ति संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के पैनल से नहीं की गई।

### राजद नेता दिवाकर यादव का निधन

**रांची :** राजद के प्रदेश महासचिव दिवाकर यादव के आकस्मिक निधन से पार्टी में शोक की लहर है। प्रदेश राजद के प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार ने बताया कि दिवाकर यादव वर्ष 1990 से पार्टी से जुड़े थे। राजद के सच्चे सिपाही के रूप में पार्टी को मजबूत करने में लगे रहे। उनके निधन से पार्टी के कार्यकर्ता काफी दुखी हैं। उन्होंने कहा कि दिवाकर यादव पार्टी के कर्मठ, सहनशील, जुझारू और प्रयत्नशील नेता थे। उनका योगदान पार्टी के प्रति बहुत महत्वपूर्ण था। वहीं पार्टी के रांची स्थित हरमू रोड स्थित प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को दिवाकर यादव श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर पार्टी के पदाधिकारियों ने ईश्वर से प्रार्थना किया कि उनकी आत्मा को शांति मिले और इस दुख की घड़ी में उनके परिजनों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। मौके पर पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष अनीता यादव, प्रदेश प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार, प्रदेश सचिव राम कुमार यादव, रांची जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र महतो, कमलेश यादव, राम भजन सिंह, संतोष यादव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# 'मारवाड़ महोत्सव-2026' सांस्कृतिक विरासत को जीवंत करने का सराहनीय प्रयास : राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** मारवाड़ महोत्सव केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि राजस्थान एवं मारवाड़ी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक, सामाजिक और पारंपरिक विरासत को झारखंड की पावन धरती पर जीवंत रूप में प्रस्तुत करने का सराहनीय प्रयास है। ऐसे आयोजन देश की विविधतापूर्ण सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शुक्रवार को रांची में आयोजित त्रि-दिवसीय 'मारवाड़ महोत्सव-2026' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए ये बातें कही। रांची के हरमू रोड स्थित मारवाड़ी भवन में झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं मारवाड़ी सहायक समिति की ओर से आयोजित महोत्सव को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि महोत्सव के

दौरान जो पारंपरिक लोकनृत्य, लोकसंगीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, पारंपरिक व्यंजन, हस्तशिल्प प्रदर्शनी और विभिन्न प्रतिस्पर्धात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया है। ये सभी कार्यक्रम सामाजिक समरसता, आपसी सौहार्द और सांस्कृतिक विविधता का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन प्रधानमंत्री के 'विकास के साथ विरासत' और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की अवधारणा को साकार करता है। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी विविधता में एकता है और ऐसे सांस्कृतिक महोत्सव इस भावना को और मजबूत करते हैं। राज्यपाल ने मारवाड़ी समाज के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि परोपकार, सेवा-भावना, अनुशासन, श्रम, ईमानदारी और उद्यमशीलता इस समाज की विशिष्ट पहचान रही है। व्यापार, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सेवा के क्षेत्रों में मारवाड़ी समाज ने देश के सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि जहां भी मारवाड़ी समाज ने निवास किया है, वहां उसने स्थानीय संस्कृति के साथ आत्मीय समन्वय स्थापित करते हुए, सामाजिक सौहार्द को मजबूत किया है। अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि वे उत्तर प्रदेश के बरेली से आते हैं और वहां उन्होंने मारवाड़ी समाज द्वारा किए जा रहे सामाजिक, शैक्षणिक और परोपकारी कार्यों को निकटता से देखा है। यह समाज निरंतर राष्ट्र निर्माण में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाता आ रहा है। राज्यपाल ने विश्वास जताया कि झारखंड राज्य विकास के क्षेत्र में अग्रणी बनेगा और इसमें मारवाड़ी समाज का योगदान महत्वपूर्ण रहेगा। उद्घाटन समारोह के बाद राज्यपाल ने महोत्सव परिसर में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया और पारंपरिक हस्तशिल्प, व्यंजनों व सांस्कृतिक प्रदर्शनों की सराहना की।

# सफलता के लिए सोच और अनुशासन जरूरी : मुकुल विश्वास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** टाटीसिलवे स्थित टूल रूम में उषा मार्टिन फाउंडेशन द्वारा संचालित प्लंबिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रमाण पत्र वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उषा मार्टिन के सीनियर जनरल मैनेजर मुकुल विश्वास रहे, जबकि सीएसआर सचिव डॉ. मयंक मुरारी अतिथि सम्मान के रूप में उपस्थित थे। मुख्य अतिथि मुकुल विश्वास ने अपने संबोधन में कहा कि जीवन में सफलता के लिए सही सोच और अनुशासन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण को व्यवहारिक अनुभव से जोड़कर ही युवा अपने कौशल को सशक्त बना सकते हैं और आत्मनिर्भर बन सकते हैं। इस अवसर पर टूल रूम के प्राचार्य एम.के. गुप्ता भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया तथा उषा मार्टिन फाउंडेशन द्वारा संचालित ब्यूटीशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम की भी समीक्षा की गई। प्रशिक्षणार्थियों से फीडबैक लेकर प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर चर्चा की गई। डॉ. मयंक मुरारी ने कहा कि उषा मार्टिन फाउंडेशन का उद्देश्य केवल प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाना है। उन्होंने कहा कि कौशल विकास के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ना फाउंडेशन की प्राथमिकता है। कार्यक्रम में टूल रूम से आशुतोष मिश्रा, देबाशीष घोष तथा उषा मार्टिन फाउंडेशन से सचिंद्र कुमार, बरुण कुमार, मेवालाल महतो, संगीता कुमारी, मोनित भूतकुमार एवं भुवनेश्वर महतो उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में आशुतोष मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

# मेडिको ऑनलाइन हेल्थ केयर सर्विस का हुआ उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** दक्ष इमरजेंसी मेडिकल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के तत्वावधान में शुक्रवार को मेडिको ऑनलाइन हेल्थ केयर सर्विस का उद्घाटन प्रेस क्लब रांची के सभागार में किया गया। इस सेवा का उद्देश्य हर घर तक सुलभ, आधुनिक और डिजिटल स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना है। यह एक व्यापक ऑनलाइन स्वास्थ्य सेवा मंच की शुरुआत है। मेडिको ऑनलाइन हेल्थ केयर सर्विस के माध्यम से प्राथमिक चिकित्सा, डे केयर, होम केयर, डॉक्टर परामर्श, लैब टेस्ट के साथ-साथ भूमि एवं वायु एम्बुलेंस जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यह सेवा स्वास्थ्य के क्षेत्र में जरूरतमंदों के लिए, एक महत्वपूर्ण सहयोग सिद्ध होगी। सेवा के संचालक मृत्युंजय कुमार एवं निखिलेश कुमार ने बताया कि निकट भविष्य में इस सुविधा के लिए मोबाइल एप भी लॉन्च किया जाएगा। फिलहाल वेबसाइट के अलावा फेसबुक, ट्विटर एवं इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी इस सेवा से जुड़ा जा सकता है।

# एसबीयू के छात्रों को यूएई की कंपनी में मिला इंटर्नशिप और पीपीओ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** सरला बिरला विश्वविद्यालय के दो छात्रों ने यूएई स्थित प्रतिष्ठित कंपनी यूरूसिस में अंतरराष्ट्रीय इंटर्नशिप के साथ प्री-प्लेसमेंट ऑफर प्राप्त किया है। चयनित अभिराज आर्यन एवं शशांक पांडेय बी.टेक कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग (2026 बैच) के छात्र हैं। इस सफलता में सी-नियर टीम के संस्थापक मोहित कादयान के सहयोग और मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनके प्रयासों से छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवसर प्राप्त हुआ। विवि के प्लेसमेंट विभाग द्वारा लगातार ऑनलाइन, ऑन-कैंपस एवं पूल कैंपस मोड में प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्रों

को व्यापक करियर अवसर प्राप्त हो रहे हैं। इन अभियानों में कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने भी भाग ले रही हैं। हाल ही में बी.टेक सीएसई, बीसीए, एमबीए एवं एमसीए छात्रों के लिए आर्टेक के साथ वर्चुअल कैंपस ड्राइव आयोजित किया गया। मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स शाखा के छात्रों के लिए विशाखा ग्रुप द्वारा ऑनलाइन मूल्यांकन प्रक्रिया अपनाई गई। साथ ही एक और कंपनी मेचलिन टेक्नोलॉजीज के साथ एमसीए, बी.टेक सीएसई एवं बीसीए के विद्यार्थियों के लिए वर्चुअल ग्रुप डिस्कशन राउंड आयोजित किया गया। प्लेसमेंट गतिविधियों का प्रमुख आकर्षण यूएई स्थित यूरूसिस के साथ आयोजित अंतरराष्ट्रीय वर्चुअल हायरिंग ड्राइव रहा, जो सी-नियर टीम के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसके अतिरिक्त, बीबीए एवं बीसीए छात्रों के लिए क्यूएसएस ग्लोबल के साथ वर्चुअल प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किया गया। एमबीए एवं एम.कॉम छात्रों के लिए जना स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड तथा मैकेनिकल व इलेक्ट्रिकल छात्रों के लिए एमआरएस बेयरिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ ऑन-कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव भी संपन्न हुआ। पूल कैंपस ड्राइव के अंतर्गत विक्टोरा इंडस्ट्रीज के साथ बी.टेक एवं डिप्लोमा छात्रों तथा डीमार्ट के साथ ही एमबीए छात्रों के लिए चयन प्रक्रिया आयोजित की गई, जिसमें 2026 बैच के 16 एमबीए छात्रों का चयन हुआ। इसके अलावा, क्यूएसपाइडर्स के साथ बीसीए, बी.टेक सीएसई एवं एमसीए छात्रों के लिए ऑनलाइन प्लेसमेंट ड्राइव का भी आयोजन किया गया। विवि के प्लेसमेंट विभाग के अनुसार, टीसीएस स्मार्ट एवं इन्फ्राट, डेलॉइट, कोडयंग, टर्टलमिंट, पिक्योरटेल तथा बजाज ऑटो क्रेडिट लिमिटेड जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ भी प्लेसमेंट प्रक्रियाएं शुरू करने के लिए विवि प्रयासरत है। इससे विद्यार्थियों को प्लेसमेंट के दौरान प्रतिष्ठित कंपनियों में अवसर मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा। एसबीयू के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक, कुलपति प्रो सी जगनाथन एवं राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने अंतर्राष्ट्रीय कंपनी में विवि के छात्रों के चयन पर हर्ष व्यक्त कर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

# गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक हुई संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**सिमडेगा :** उपायुक्त, सिमडेगा श्रीमती कंचन सिंह की अध्यक्षता में 26 जनवरी 2026 को आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर जिला स्तरीय/प्रखंड के पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त महोदया ने गणतंत्र दिवस समारोह को विधिवत, सुव्यवस्थित एवं आकर्षक ढंग से आयोजित करने पर विशेष बल दिया। बैठक में निर्णय लिया गया कि 26 जनवरी को प्रातः 6:00 बजे जिला मुख्यालय में प्रभात फेरी का आयोजन किया जाएगा। प्रभात फेरी का संचालन जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक द्वारा विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के साथ समन्वय स्थापित कर किया जाएगा। मुख्य राष्ट्रीय झण्डोत्तोलन समारोह परमवीर अल्बर्ट एक्का मैदान, सिमडेगा में प्रातः 8:50 बजे आयोजित होगा। इस अवसर पर जिला सशस्त्र बल की चार टुकड़ियाँ, होमगार्ड, एनसीसी की दो टुकड़ियाँ तथा विद्यालयों की चार टुकड़ियाँ परेड में भाग लेंगी। परेड में शामिल होने वाले बैण्ड पार्टी का चयन जिला शिक्षा विभाग द्वारा किया जाएगा। उसुर्लाइन कॉन्वेंट बालिका उच्च विद्यालय, सामटोली की छात्राओं द्वारा राष्ट्रीय गान का संचालन जाएगा, जिसके लिए पूर्वाभ्यास सुनिश्चित किया जाएगा। जिला नजारत उप समाहर्ता सिमड़ेगा पूर्वाभ्यास के दिनों में ध्वनि विस्तारक यंत्र एवं गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह के दिन भी ध्वनि विस्तारक यंत्र की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। परेड निरीक्षण की जिप्सी को निदेशानुसार सजाने के कार्य करेंगे। परेड का पूर्वाभ्यास 20 जनवरी से 24 जनवरी 2026 तक प्रतिदिन सुबह 9:30 से 11:00 बजे तक परमवीर अल्बर्ट एक्का मैदान में किया जाएगा। 24 जनवरी को उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा फूल ड्रेस परेड रिहर्शल का निरीक्षण 10 बजे पूर्वाह्न किया जाएगा। विधि-व्यवस्था को लेकर पुलिस अधीक्षक को आवश्यक पुलिस बल, महिला पुलिस एवं अग्निशमन वाहन की तैनाती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बस स्टैंड, पर्यटन स्थल केलाघाघ डैम सहित अन्य संवेदनशील स्थलों पर भी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा अपनी-अपनी योजनाओं की थीम पर आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन किया जाएगा। झांकी को आकर्षक एवं अनुशासित रूप देने के लिए एक विशेष समिति का गठन किया गया है। सभी विभागों को निर्देश दिया गया कि झांकी किसी भी प्रकार से सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक या सांस्कृतिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने वाली न हो।

## एक नजर

### धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत मत्स्य हितग्राहियों के बीच सामग्री वितरण

**सिमडेगा :** जिला मत्स्य कार्यालय, सिमडेगा में केन्द्र प्रायोजित योजना धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत मत्स्य क्षेत्र से जुड़े लाभुकों के बीच विभिन्न आवश्यक सामग्रियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर जिला मत्स्य पदाधिकारी सीमा टोप्पो भी उपस्थित थीं। योजना के तहत आईस बॉक्स के साथ साइकिल 05 लाभुकों को, आईस बॉक्स के साथ मोटरसाइकिल 05 लाभुकों को तथा आईस बॉक्स के साथ तीन पहिया वाहन 01 लाभुक को प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त विभागीय योजना मत्स्य विपणन के अंतर्गत खुदरा मछली विक्रेताओं को मछली बिक्री किट योजना के 11 लाभुकों के बीच वितरण किया गया। वहीं मत्स्य कृषकों को नया ग्रो-आउट नेट एवं इनपुट के रूप में मत्स्य आहार भी उपलब्ध कराया गया। उपायुक्त महोदया ने लाभुकों से कहा कि इन योजनाओं का उद्देश्य मत्स्य पालकों एवं मछली विक्रेताओं की आजीविका को सुदृढ़ करना तथा उन्हें स्वरोजगार से जोड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने लाभुकों से प्राप्त सामग्रियों का समुचित उपयोग करते हुए अपनी आय में वृद्धि करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के पश्चात उपायुक्त महोदया ने जिला मत्स्य कार्यालय का भ्रमण कर कार्यालय की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

### तेज रफ्तार ट्रेलर ने ऑटो को मारी टक्कर, दो घायल

**ठेठईटांगर :** सिमडेगा से ठेठईटांगर की ओर जा रही एक ऑटो को पीछे से तेज रफ्तार ट्रेलर वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि उसमें सवार दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना कसडेगा के समीप हुई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और दोनों घायल व्यक्तियों को इलाज के लिए अपने साथ ले गया। वहीं, दुर्घटना के बाद ट्रेलर वाहन मौके से फरार हो गया, जिसकी पहचान अब तक नहीं हो सकी है। स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन से इस मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों पर सख्ती से नियंत्रण करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि इसी स्थान पर पहले भी कई बार दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, बावजूद इसके अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की है।

## मॉडर्न पब्लिक स्कूल के छात्र सिद्धार्थ का चयन राष्ट्रीय खो-खो प्रतियोगिता के लिए

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**कोडरमा :** झुमरी तिलैया स्थित मॉडर्न पब्लिक स्कूल के कक्षा नवमी के छात्र सिद्धार्थ कुमार का चयन झारखंड राज्य की ओर से 35वें सब-जूनियर नेशनल खो-खो चैंपियनशिप 2025-26 में भाग लेने के लिए हुआ है। यह चैंपियनशिप हरियाणा में 30 जनवरी से 4 फरवरी 2026 तक आयोजित की जाएगी। सिद्धार्थ के चयन पर, केंद्रीय मंत्री महिला और बाल विकास विभाग सह कोडरमा की सांसद अन्नपूर्णा देवी ने उन्हें अपने आवास पर आमंत्रित किया और उनकी सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। गौरतलब हो कि सिद्धार्थ का चयन 19वीं झारखंड राज्य सब जूनियर खो-खो प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के आधार पर हुआ है। सिद्धार्थ कुमार के चयन पर स्कूल के प्राचार्य गुरु चरण वर्मा ने कहा, सिद्धार्थ की इस उपलब्धि पर हमें गर्व है। उसने अपनी मेहनत और समर्पण से झारखंड राज्य का नाम रोशन किया है। हमें विश्वास है कि वह राष्ट्रीय स्तर पर भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा। वहीं स्कूल की निर्देशिका संगीता शर्मा ने कहा, सिद्धार्थ की इस उपलब्धि पर हम बहुत खुश हैं। उसने अपनी प्रतिभा और मेहनत से यह साबित किया है कि कुछ भी असंभव नहीं है। हम उसे राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए प्रेरित करते हैं। सिद्धार्थ के राष्ट्रीय प्रतियोगिता के चयन पर पूरे विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है तथा सभी ने छात्र सिद्धार्थ और उसके कोच अमित कुमार को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

## मंत्री अन्नपूर्णा देवी सतगावां पहुंचकर पीड़ित परिवार से मिलकर ढांढस बंधाया, कार्यों का भी लिया जायजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**सतगावां :** प्रखंड के मरचोई निवासी एवं भाजपा के पूर्व प्रखंड मंडल अध्यक्ष बालमुकुंद सिंह का बीते सोमवार की रात हृदय गति रुकने से निधन हो गया। उनके असामयिक निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। पार्टी कार्यकताओं सहित आम लोगों ने इसे संगठन के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि बालमुकुंद सिंह के निधन से पार्टी को गहरा झटका लगा है। उनके जाने से संगठन में एक बड़ी रिक्तता उत्पन्न हो गई है, जिसकी भरपाई आसान नहीं है।केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने उन्हें एक नेक और समर्पित कार्यकर्ता बताते हुए कहा कि पार्टी के लिए दी गई उनकी सेवाएं सदैव याद रखी जाएंगी। शोक संवेदना व्यक्त करने के क्रम में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने क्षेत्र का दौरा भी किया।

### केंद्रीय मंत्री महिला एवं बाल विकास विभाग सह सांसद ने विभिन्न विकास योजनाओं का किया शिलान्यास

**कोडरमा :** अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय मंत्री महिला एवं बाल विकास विभाग, भारत सरकार सह सांसद, कोडरमा द्वारा समाहरणालय परिसर में झुमरी तिलैया नगर परिषद, कोडरमा नगर पंचायत एवं डोमचांच नगर पंचायत समेत अन्य विभागों की विभिन्न विकास योजनाओं का संयुक्त रूप से शिलान्यास किया गया। झुमरी तिलैया नगर परिषद की विभिन्न विकास योजनाओं, जिनकी कुल लागत 1 करोड़ 51 लाख है, कोडरमा नगर पंचायत की योजनाओं, जिनकी कुल लागत 3 करोड़ 61 लाख है तथा डोमचांच नगर पंचायत की योजनाओं, जिनकी कुल लागत 3 करोड़ 26 लाख 98 हजार है, का शिलान्यास किया गया।

## इमारत खड़ी कर देने से नहीं गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई से बनता है स्कूल : विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**सिमडेगा :** सीएम एक्सेलेंस स्कूल सिमडेगा में शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर शिक्षक अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपायुक्त कंचन सिंह शामिल हुए। मौके पर विधायक भूषण बाड़ा ने कहा कि राज्य का भविष्य सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के हाथ में है। इसी सोच के साथ महागठबंधन सरकार ने शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। सरकारी विद्यालयों में बच्चों को पोशाक, स्कूल किट, छात्रवृत्ति, मध्याह्न भोजन, इंग्लिश मीडियम स्कूल, साइकिल योजना जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। ताकि कोई भी बच्चा गरीबी के कारण पढ़ाई से वंचित न रहे। विधायक ने कहा कि राज्य में सीएम एक्सेलेंस विद्यालय, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, आवासीय बालिका विद्यालय खोले गए हैं और बड़ी संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। जिससे शिक्षा की पहुंच गांव-गांव तक हुई है। उन्होंने कहा कि सुविधाएं बढ़ी हैं लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आज भी सबसे बड़ी चुनौती है। इसके लिए केवल सरकार नहीं, समाज की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। विधायक भूषण बाड़ा ने अभिभावकों से सवाल करते हुए कहा कि सरकार किताब दे रही है, साइकिल दे रही है, पोशाक दे रही है, लेकिन क्या बच्चे सच में पढ़ भी रहे हैं। बच्चों के हाथ में मोबाइल है, किताब क्यों नहीं। बच्चा स्कूल क्यों नहीं जा रहा। नहीं जा रहा है तो गलती स्कूल की है या हमारी। उन्होंने कहा कि अगर आज समाज नहीं जागा तो यही बच्चे कल बेरोजगारी की लंबी लाइन में खड़े नजर आएंगे। शिक्षकों को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि सरकारी नौकरी सिर्फ वेतन के लिए नहीं है, यह झारखंड के भविष्य की जिम्मेदारी है। जो शिक्षक ईमानदारी से पढ़ा रहे हैं सरकार और विधायक उनके साथ हैं।

## मानवता, करुणा और सेवा का जीवंत उदाहरण हैं करुणा भवन : अनिल कंडुलना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**सिमडेगा :** झारखंड मुक्ति मोर्चा के सिमडेगा जिला अध्यक्ष अनिल कंडुलना शुक्रवार को कसडेगा स्थित एसडी धर्म समाज द्वारा संचालित करुणा भवन पहुंचे। जहां उन्होंने आश्रम में रह रहे बुजुर्गों से मुलाकात की। इस अवसर पर अनिल कंडुलना ने बुजुर्गों को बेटे जैसा स्नेह देते हुए उनका हालचाल जाना और उनकी छोटी-बड़ी समस्याओं को गंभीरता से सुना। साथ ही उनकी समस्याओं को दूर करने का भरोसा भी दिया। अनिल कंडुलना ने कहा कि बुजुर्ग समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनका अनुभव ही हमारी असली पूंजी है। जिस तरह माता-पिता अपने बच्चों को जीवन का रास्ता दिखाते हैं, उसी तरह बुजुर्गों का आशीर्वाद समाज को सही दिशा देता है। उनकी सेवा करना केवल जिम्मेदारी नहीं, हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि एसडी धर्म समाज के द्वारा निस्वार्थ भाव से संचालित करुणा भवन मानवता, करुणा और सेवा का जीवंत उदाहरण हैं। यहां रह रहे बुजुर्गों को धर्मबाहनों के द्वारा जो सम्मान, सुरक्षा और अपनापन का प्यार दिया जा रहा है वह समाज के लिए मिशाल है। अनिल कंडुलना ने कहा कि झामुमो हमेशा बुजुर्गों के हित में हर संभव सहयोग करता रहेगा। अनिल कंडुलना ने आश्रम में रह रहे सभी बुजुर्गों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। मौके पर सुप्रियर सिस्टर रॉस मेरिन एसडी, सिस्टर अंजना एसडी, सिस्टर रिया एसडी, सिस्टर नीतू कुजूर एसडी, झामुमो उपाध्यक्ष रितेश बड़ाईक, तारसियुस केरकेट्टा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

## तिलैया डैम के तट पर बचपन लौटा, 34 वर्षों की दोस्ती ने भावनाओं का सजीव उत्सव रच दिया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**झुमरी तिलैया :** नब्बे के दशक की यादों में डूबे मित्र, सामूहिक भोज में फिर से जिए सुनहरे पल कुछ लम्हे ऐसे होते हैं, जब समय ठहर जाता है और दिल बचपन की गलियों में भटकने लगता है। 13 जनवरी को तिलैया डैम की मनोरम वादियों में कुछ ऐसा ही दृश्य देखने को मिला, जहां दोस्ती, यादें और भावनाएं एक-दूसरे से गले लगती नजर आईं।अभ्रक नगरी झुमरी तिलैया के समीप तिलैया डैम के सुरम्य तट पर 13 जनवरी को भावनाओं का ऐसा ज्वार उमड़ा, जिसने नब्बे के दशक की मधुर स्मृतियों को फिर से जीवंत कर दिया। स्कूल जीवन के दिन, बेफिक्र बचपन, और खुले आकाश में उड़ते आजाद परिंदों जैसे सपने–सब कुछ मानो एक पल में लौट आया।कहते हैं, बचपन की दोस्ती जीवन भर साथ चलती है। समय बदल जाता है, रास्ते अलग हो जाते हैं, लेकिन सच्ची मित्रता कभी धूमिल नहीं होती। झुमरी तिलैया का ह्र92 लायनह्न नामक मित्र समूह इसका जीवंत उदाहरण है, जहां दोस्ती आज भी उतनी ही मजबूत है जितनी तीन दशक पहले थी। इस समूह की खासियत यह है कि सुख हो या दुख, एक आवाज पर सभी मित्र बिना किसी स्वार्थ के साथ खड़े हो जाते हैं। दोस्त ही नहीं, उनके परिवार और बच्चे भी एक-दूसरे के अपने बन चुके हैं।13 जनवरी को आयोजित इस सामूहिक भोज में झुमरी तिलैया ही नहीं, बल्कि झारखंड के विभिन्न जिलों और मुंबई, जयपुर, भीलवाड़ा, दरभंगा, रांची समेत देश के अन्य शहरों से भी मित्र पहुंचे। सभी ने 34 वर्ष पुरानी यादों को साझा किया और भावुक होकर बचपन के उन सुनहरे पलों को फिर से जिया।

### संयुक्त किसान मोर्चा ने मनाया अखिल भारतीय प्रतिरोध दिवस

## शहादत दिवस पर कॉमरेड महेन्द्र सिंह को दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**डोमचांच :** मोदी सरकार द्वारा थोपी जा रही कॉरपोरेट पक्षीय किसान मजदूर विरोधी विकसित भारत जीराम जी अधिनियम, बीज विधेयक 2025, बिजली संशोधन बिल 2025 एवं चार लेबर कोड के खिलाफ और एमएसपी, कर्ज माफी तथा भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन के क्रियान्वयन के लिए देशव्यापी आह्वान पर संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले डोमचांच बाजार में जुलूस निकालकर अखिल भारतीय प्रतिरोध दिवस मनाया गया. सांस्कृतिक भवन परिसर में एक सभा का भी आयोजन किया गया. जहां प्रखर वामपंथी नेता और पूर्व विधायक कॉमरेड महेन्द्र सिंह के शहादत दिवस पर उनके तस्वीर पर माल्यार्पण कर दो मिनट मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई और महेन्द्र सिंह के अधुरे सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया गया। झारखंड राज्य किसान सभा के राज्य संयुक्त सचिव असीम सरकार की अध्यक्षता में हुई सभा को सीटू के राज्य सचिव संजय पासवान, जिप सदस्य महादेव राम, अखिल भारतीय किसान महासभा के राजेन्द्र मेहता, बबन मेहता, राजेन्द्र साव, भागीरथ सिहं, सीटू के जिलाध्यक्ष प्रेम प्रकाश, जिला सचिव रमेश प्रजापति आदि ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय किसानों के एक वर्ष से अधिक चले ऐतिहासिक आंदोलन जिसमें 736 किसानों की शहादत हुई थी। केन्द्र सरकार को मजबूरन काला कानून को वापस लेना पड़ा। अब बिजली बिजली विधेयक 2025 ले आई है, जो महंगी और एक सामान बिजली दर अनिवार्य करता है, कृषि सहित सभी कमजोर वर्गों के लिए दी जाने वाली क्रॉस-सब्सिडी को समाप्त करता है और प्री-पेड स्मार्ट मीटर थोपता है। इसके साथ बीज विधेयक 2025 के माध्यम से बीज आपूर्ति पर कॉरपोरेट और बहुराष्ट्रीय कंपनियों का पूर्ण बाजार नियंत्रण थोप दिया है। वहीं मनरेगा को समाप्त कर उसकी जगह वीबी ग्राम जी अधिनियम 2025 लागू कर दिया है। यह कानून काम के अधिकार और माँग आधारित काम के अधिकार को समाप्त करता है, 125 दिनों के काम के झूठे दावे के विपरीत, बजटीय आवंटन में भारी कटौती के साथ ही यह राज्यों पर 40 प्रतिशत अतिरिक्त वित्तीय बोझ डालता है। केन्द्र सरकार लेबर कोड के जरिये मजदूर वर्ग द्वारा दशकों के संघर्ष से हासिल यूनियन बनाने का अधिकार, न्यूनतम जीविका योग्य मजदूरी, सुरक्षित रोजगार, 8 घंटे का कार्य दिवस, सामाजिक सुरक्षा जैसे अधिकारों को छीनता हैं।

## संक्षिप्त खबरें

### सदर अस्पताल सिमडेगा में अल्ट्रासाउंड सेवा शुरू, आजाद समाज पार्टी ने जताया आभार

**सिमडेगा :** आजाद समाज पार्टी सिमडेगा की टीम द्वारा बीते वर्ष 07 अगस्त 2025 को सदर अस्पताल सिमडेगा में व्याप्त समस्याओं को लेकर सिविल सर्जन डॉ. सुंदर मोहन आनंद से मुलाकात कर स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने की मांग की गई थी। पार्टी की ओर से सौंपे गए मांगपत्र में मुख्य रूप से 108 एंबुलेंस की समय पर उपलब्धता और अल्ट्रासाउंड व्यवस्था को दुरुस्त कराने की मांग शामिल थी। उस समय सिविल सर्जन ने समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया था। इसी कड़ी में आज 15 जनवरी, गुरुवार को सिमडेगा उपायुक्त कंचन सिंह एवं उपविकास आयुक्त दीपांकर चौधरी ने सिविल सर्जन डॉ. सुंदर मोहन आनंद, उपाधीक्षक, महिला चिकित्सक, ऑपरेटर तथा स्वास्थ्य विभाग की टीम की उपस्थिति में सदर अस्पताल में नई अल्ट्रासाउंड मशीन का फीता काटकर एवं स्विच ऑन कर उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह के दौरान उपायुक्त कंचन सिंह ने कहा कि सरकार का लक्ष्य जन-जन तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए सदर अस्पताल में अल्ट्रासाउंड मशीन की शुरूआत की गई है। उन्होंने कहा कि अब जिले के सुदूरवर्ती ग्रामीणों को इसका सीधा लाभ मिलेगा और अल्ट्रासाउंड जांच के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। इस मशीन से आंतरिक गर्भवती महिलाओं की भी जांच संभव हो सकेगी। उद्घाटन के पश्चात उपायुक्त महोदया ने सदर अस्पताल परिसर का निरीक्षण किया और स्वास्थ्य व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। अल्ट्रासाउंड मशीन के उद्घाटन के बाद आजाद समाज पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने सिविल सर्जन से मुलाकात कर उन्हें उनका स्वागत किया गया।

### कोरोमियां पंचायत में आयुष्मान कार्ड से गरीबों को मिली स्वास्थ्य सुविधा

**सिमडेगा :** जिले के ठेठईटांगर प्रखंड अंतर्गत कोरोमियां पंचायत में पूर्व उप मुखिया सह समाजसेवी दीपक लकड़ा के द्वारा आयुष्मान कार्ड के माध्यम से गरीब एवं असहाय लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की गईं। इस अवसर पर उपस्थित डॉक्टरों का बुके देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान मोतियाबिंद की जांच कराई गई तथा आवश्यकता के अनुसार लोगों के बीच चश्मा का वितरण भी किया गया। इस मौके पर श्री दीपक लकड़ा ने कहा कि पहले मोतियाबिंद की जांच एवं इलाज के लिए लोगों को दूर-दराज जाना पड़ता था, लेकिन अब पंचायत स्तर पर ही यह सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के जनहितकारी कार्य आगे भी लगातार जारी रहेंगे। कार्यक्रम में कोरोमियां पंचायत की मुखिया रेणुका सोरेंग उपस्थित रहीं।

### तजवीद अल-कुरआन मदरसा सिमडेगा में बच्चों की प्रतिभा को मिला मंच

**सिमडेगा :** अंजुमन इस्लाह अल-लिसन मदारिसा अल-इस्लामिया तजवीद अल-कुरआन, सिमडेगा मदरसा में एक भव्य प्रतिभा सम्मान एवं शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मदरसा के उपाधीक्षक हजरत मौलाना मुहम्मद अयाज साहब कासमी ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में हजरत मौलाना मुहम्मद शरीफ साहब कासमी उपस्थित रहे। वहीं सेंट्रल अंजुमन के सदर मास्टर गियास साहब, मौलाना मिन्हाज साहब, मौलाना मुख्तार अहमद कासमी, मोहम्मद शफी तथा मौलाना शाकिब साहब की गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ी। कार्यक्रम के दौरान मदरसा के बच्चों ने अपनी-अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। किसी ने नात शरीफ पढ़ी तो किसी ने प्रभावशाली बयान प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों की प्रस्तुति की सभी अतिथियों ने सराहना की। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी बच्चों को अवॉर्ड, स्कूल बैग एवं किताबें देकर सम्मानित किया गया, जिससे बच्चों में उत्साह और आत्मविश्वास का संचार हुआ। अंत में सामूहिक दुआ के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

### प्रखंड मे केसीसी ऋण जागरूकता एवं संवीकरण अभियान चलाया गया

**मरकच्चो :** प्रखंड मुख्यालय मरकच्चो में केसीसी ऋण जागरूकता एवं संवीकरण अभियान का आयोजन किया गया। अभियान में किसानों को के सी सी योजना से शत प्रतिशत आच्छादित कराने एवं केसीसी के तहत मिलने वाले लाभ के प्रति किसानों को जागरूक किया गया। वहीं अग्रणी जिला प्रबंधक विमल कांत झा एवं प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी सियाराम सिंह एवं शाखा प्रबंधकों की उपस्थिति में किसानों के बीच केसीसी ऋण का स्वीकृति पत्र दिया गया। कार्यक्रम में शाखा प्रबंधक बैंक ऑफ इंडिया मरकच्चो सुशील कुमार, झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक बरियारडीह के शाखा प्रबंधक मनीष भारती एवं प्रखंड के सभी कर्मी उपस्थित थे।

### कोटपा एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत कई प्रतिष्ठानों में छापेमारी, जुर्माना वसूला गया

**कोडरमा :** उपायुक्त, कोडरमा के निदेर्शानुसार आज टोबैको कंट्रोल सेल एवं कोडरमा थाना प्रभारी की संयुक्त टीम द्वारा लोकई एवं जयनगर रोड, कोडरमा क्षेत्र में कोटपा अधिनियम, 2003 तथा कोटपा अधिनियम, 2021 की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत कई प्रतिष्ठानों में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान कई प्रतिष्ठान तंबाकू एवं तंबाकू उत्पादों की बिक्री करते हुए पाए गए। कुल 12 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया, जिसमें कोटपा अधिनियम, 2021 की धारा 6(a) एवं 6(b) के अंतर्गत 05 प्रतिष्ठानों से कुल 5,000/- का जुमार्ना वसूला गया।साथ ही संबंधित प्रतिष्ठानों को यह जानकारी दी गई कि कोटपा अधिनियम की धारा 6(b) के तहत शिक्षण संस्थान, स्वास्थ्य संस्थान, न्यायालय परिसर एवं सार्वजनिक कार्यालयों के 100 मीटर की परिधि में किसी भी प्रकार के तंबाकू उत्पाद की बिक्री एवं सेवन पूर्णत: प्रतिबंधित है। इस अवसर पर थाना प्रभारी द्वारा सभी प्रतिष्ठान संचालकों को कड़ी चेतावनी देते हुए निर्देशित किया गया कि कोटपा अधिनियम के सभी प्रावधानों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करें।

## एक नजर

### अजय श्रीवास्तव हत्याकांड का 24 घंटे में खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

**सरायकेला :** रामकृष्ण मिशन स्कूल के पीछे अजय श्रीवास्तव की निर्मम हत्या के मामले में टेल्को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर कांड का उद्भेदन कर लिया है। घटना में शामिल दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच में खुलासा मृतक और अभियुक्तों के बीच पैसे व नशे के कारोबार को लेकर विवाद पुरानी रंजिश और अपमान बना हत्या की वजह पूर्व नियोजित साजिश के तहत गला रेतकर हत्या पुलिस की कार्रवाई हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद छीने गए 11,580 नकद बरामद मोटरसाइकिल व मोबाइल फोन जब्त गिरफ्तार अभियुक्त सिद्धार्थ कुमार (20 वर्ष) राहुल कुमार सिंह उर्फ चीकू (20 वर्ष) वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित विशेष टीम को बड़ी सफलता।

### हाइवा और बलेरो के आमने-सामने टक्कर में बलेरो पूरी तरह क्षतिग्रस्त

**साहिबगंज:** राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत जामनगर फोर लेन सड़क पर शुक्रवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। तेज रफ्तार हाईवा और बोलेरो के आमने-सामने टक्कर में बोलेरो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो के आगे का हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। हादसे में बोलेरो चालक को हल्की चोटें आई हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल चालक को सुरक्षित बाहर निकाला गया और प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया।

# चौका आदारडीह में दो दिवसीय टुसू मेला का आयोजन, चुमकी रानी ने जमाया रंग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**ईचागढ़ :** कुकड़ू प्रखंड क्षेत्र के चौका आदारडीह गांव में मकर पर्व के अवसर पर दो दिवसीय टुसू मेला सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक साव ने फीता काटकर किया।मेले के अंतिम दिन बंगला एल्बम की मशहूर गायिका चुमकी रानी ने अपने लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति देकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उनके साथ आई झूमर टीम ने एक से बढ़कर एक गीत और नृत्य प्रस्तुत कर माहौल को पूरी तरह उत्सवमय बना दिया। कार्यक्रम के दौरान हजारों की संख्या में मौजूद दर्शकों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का जमकर आनंद उठाया।हालांकि इस वर्ष मेले में टुसू की संख्या अपेक्षाकृत कम देखने को मिली। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अशोक साव ने कहा कि टुसू मेला हमारी पारंपरिक संस्कृति का अहम हिस्सा है, जिसे सहेजकर रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि संस्कृति ही हमारी पहचान है और इसे आगे की पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है।मेले में ग्राम प्रधान रघुबर कुमार, अभिराम बनर्जी, कालोबरन सिंह मुंडा, पंचायत समिति सदस्य मंगल सिंह मुंडा, डॉ. दिलीप कुमार, रमेश गोप, गणेश महतो, राहिन महतो सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व दर्शक उपस्थित हुए।

## साप्ताहिक जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनीं जनसमस्याएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**सरायकेला :** शुक्रवार को समाहरणालय भवन स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त, सरायकेला-खरसावां की अध्यक्षता में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार के दौरान जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं नगर क्षेत्रों से आए नागरिकों द्वारा प्रस्तुत जनसमस्याओं से संबंधित आवेदनों की उपायुक्त द्वारा क्रमवार सुनवाई की गई। आज जनता दरबार में प्रस्तुत प्रमुख प्रकरणों में सरायकेला नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत गुद्दुसाई तालाब के ऊपर से गुजर रहे 33,000 वोल्ट विद्युत तार को यथासंभव हटाने अथवा जन-धन की सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक सुरक्षा गार्ड/सुरक्षा मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करने, जिला परिषद द्वारा कम भूमि क्षेत्र में हेंसाहुड़ी में प्रस्तावित बस स्टैंड निर्माण को लेकर नगरवासियों द्वारा दर्ज आपत्ति के आलोक में कार्य पर रोक लगाने, बड़ा गम्हरिया, आदित्यपुर वार्ड संख्या-6 एवं 7 में कुम्हार एवं वैष्णव जाति को अनुसूचित जाति सूची में सम्मिलित किए जाने में हुई त्रुटि के सुधार कराने , आयुष्मान भारत कार्ड निर्गत करने सहित विभिन्न विभागों से जुड़े अन्य आवेदन भी शामिल रहे। उपायुक्त द्वारा संबंधित विभागीय, अंचल तथा नगर निकाय स्तर के पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जनता दरबार में प्राप्त सभी प्रकरणों की नियमों के अनुरूप त्वरित जांच करते हुए समयबद्ध, पारदर्शी एवं निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि जिन मामलों में स्थल निरीक्षण आवश्यक है, वहां शीघ्र निरीक्षण कर तथ्यात्मक प्रतिवेदन उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।

## सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत ड्राइवर-कंडक्टरों की आंखों की जांच हेतु निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**सरायकेला :** जिला सरायकेला खरसावां में 01 जनवरी से प्रारंभ सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत आज दिनांक 16 जनवरी, 2026 को कांद्रा-सरायकेला मार्ग के दुगनी क्षेत्र में ड्राइवर एवं कंडक्टरों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान आम नागरिकों के साथ-साथ भारी एवं छोटे वाहन चालकों तथा कंडक्टरों का शुगर, ब्लड प्रेशर एवं नेत्र परीक्षण किया गया। इस अवसर पर गिरजा शंकर महतो ने बताया कि चालकों एवं सभी कंडक्टर का नियमित स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि लंबे समय तक वाहन चलाने के कारण उनकी दृष्टि पूर्णतः स्वस्थ रहना सड़क सुरक्षा की दृष्टि से अनिवार्य है। अभियान के दौरान क्षमता से अधिक यात्रियों को ढोने वाले छोटे वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए यात्रियों को सुरक्षित रूप से उतारकर संबंधित वाहनों पर जुमार्ना भी अधिरोपित किया गया। साथ ही,चांडिल क्षेत्र अंतर्गत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके अतिरिक्त जिले के विभिन्न पेट्रोल पंपों पर नो हेलमेट-नो फ्यूल अभियान संचालित किया गया, जिसके तहत बिना हेलमेट एवं बिना सीट बेल्ट वाहन चलाने वाले चालकों को नियमों के प्रति जागरूक किया गया। उक्त कार्यक्रम में दिलीप कुमार,रवि प्रसाद,ट्रैफिक विभाग के पदाधिकारी, कर्मी एवं सड़क सुरक्षा टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

## खरसावां में बस परिचालकों के लिए सख्त सुरक्षा निर्देश जारी, मानकों का पालन अनिवार्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**सरायकेला :** खरसावां जिला अंतर्गत जनसाधारण की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा बस स्वामियों एवं बस परिचालकों के लिए एक महत्वपूर्ण आधिकारिक सूचना जारी की गई है। उक्त सूचना के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया है कि Central Institute of Road Transport (CIRT) द्वारा निर्धारित सुरक्षा अनुशंसाओं का अक्षरशः अनुपालन सभी बस ऑपरेटरों के लिए अनिवार्य होगा। जारी निदेशों के अनुसार बस परिचालन से संबंधित प्रमुख सुरक्षा मानक निम्नलिखित हैं

स्लीपर कोच सुरक्षा मानक सभी स्लीपर कोचों में स्थापित ड्राइवर पार्टीशन डोर को तत्काल प्रभाव से हटाना अनिवार्य होगा। इसके अतिरिक्त, स्लीपर बर्थ में लगाए गए सभी प्रकार के स्लाइडर्स को भी अविलंब हटाया जाना सुनिश्चित किया जाए।

अग्नि सुरक्षा व्यवस्था (FDSS) : सभी स्लीपर कोचों में Fire Detection and

Suppression System (FDSS) एक माह की अवधि के भीतर अनिवार्य रूप से स्थापित किया जाना होगा। साथ ही, प्रत्येक बस में न्यूनतम 10 किलोग्राम क्षमता का अग्निशामक यंत्र निर्धारित ग्रीन जोन में उपलब्ध रहना अनिवार्य होगा।

**वाहन संरचना एवं पंजीकरण संबंधी प्रावधान**

चेसिस के अनधिकृत विस्तार के आधार पर निर्मित बस बॉडी को तत्काल प्रभाव से परिचालन से बाहर किया जाएगा। किसी भी बस का पंजीकरण केवल फॉर्म 22/22अ एवं अनुमोदित परीक्षण एजेंसी की वैध स्वीकृति प्राप्त होने के उपरांत ही किया जाएगा।

## गरेवाटांड़ में श्री श्री 1008 रूद्र महायज्ञ का भव्य आगाज, विधायक ने फहराई ध्वजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रामगढ़ :** ग्रामपंचायत कटिया बस्ती के गरेवाटांड़ में आयोजित हो रहे भव्य 'श्री श्री 1008 रूद्र महायज्ञ एवं शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा' महोत्सव के अंतर्गत आज 'ध्वजा रोहण' के साथ नगर भ्रमण करते हुए ग्राम कटिया के सभी देवी देवताओं को भी निमंत्रण दिया गया। कार्यक्रम अत्यंत श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। यह सप्त दिवसीय रुद्र महायज्ञ दिनांक 23/2/2026 से 1/3/2026 तक चलेगा। इस पावन अवसर पर क्षेत्रीय माननीय विधायक रोशन लाल चौधरी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच ध्वजा पूजन से हुआ। मुख्य अतिथि विधायक जी ने आयोजन समिति के सदस्यों के साथ मिलकर विधि-विधान से धर्म ध्वजा फहराई। इस दौरान पूरा क्षेत्र 'हर-हर महादेव' और 'जय श्री राम' के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। जनसभा को संबोधित करते हुए विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि महायज्ञ और प्राण प्रतिष्ठा जैसे धार्मिक आयोजनों से न केवल वातावरण शुद्ध होता है, बल्कि समाज में आपसी प्रेम और भाईचारे की भावना भी सुदृढ़ होती है। उन्होंने कहा, श्यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे इस पुण्य कार्य का हिस्सा बनने का अवसर मिला। मैं भगवान शिव से प्रार्थना करता हूँ कि हमारे क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे। यज्ञ समिति द्वारा विधायक को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। आयोजन समिति के संरक्षक सह मुखिया किशोर कुमार महतो ने बताया कि ध्वजा रोहण के साथ ही महायज्ञ की औपचारिक शुरूआत हो गई है, जिसमें आगामी दिनों में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान और भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

# राष्ट्रीय प्रगतिशील वर्कर्स यूनियन का 32वां स्थापना दिवस समारोह, एक ऐतिहासिक आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रामगढ़ :** राष्ट्रीय प्रगतिशील वर्कर्स यूनियन (रा.प्र.व.यू.) का 32वां स्थापना दिवस समारोह 16 जनवरी 2026 को सुभाष चौक, रामगढ़ में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सीटू के राज्य महासचिव कॉमरेड विश्वजीत देव उपस्थित थे। समारोह की शुरूआत राष्ट्र निर्माण और महान स्वतंत्रता सेनानियों को पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद रोड शो के माध्यम से सैकड़ों राष्ट्रीय प्रगतिशील वर्कर्स यूनियन कार्यकताओं ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने मोटर साईकिल से काफिला को स्काउट करते सभा स्थल सेंट्रल सौन्दा फुटबॉल मैदान पर पहुंचे, जहां राष्ट्रीय प्रगतिशील वर्कर्स यूनियन का झण्डा तोलन और लाल फिता काटकर सभा स्थल में प्रवेश किया। सभा स्थल में मुख्य अतिथि को मंचासीन किया गया, जहां उन्हें बेच और पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। संगठन के संस्थापक और महामंत्री ओमप्रकाश सिन्हा ने राष्ट्रीय प्रगतिशील वर्कर्स यूनियन का संक्षिप्त परिचय दिया और दस सूत्री प्रस्ताव लाया। इस प्रस्ताव का समर्थन केंद्रीय उपाध्यक्षा नूतन बाला सहाय, केंद्रीय संगठन सचिव वीणा सिन्हा, सहायक महामंत्री विशेश्वर ठाकुर, केंद्रीय सचिव मनोज कुमार गुप्ता, क्षेत्रीय सचिव सुरेश प्रसाद सिन्हा और केंद्रीय सचिव रोहित प्रकाश ने किया। समारोह के दौरान आशिष गुप्ता के नेतृत्व में चंदन साय, उपेंद्र गुप्ता और राजन करमाली ने सीटू से संबंद्ध राष्ट्रीय प्रगतिशील वर्कर्स यूनियन में शामिल हुए। इन्हें संगठन के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा फूलमाला पहनाकर संगठन में शामिल किया गया। इसके बाद पूर्व केंद्रीय कमिटि को भंग कर वर्ष 2026-30 के लिए केंद्रीय कमिटि की घोषणा की गई। नवनिर्वाचित केंद्रीय कमिटि की कॉपी संलग्न है।

## संक्षिप्त खबरें

### पेरेंट्स-टीचर मीटिंग में बेहतर शिक्षा के साथ छात्राओं के सर्वांगीण विकास पर दिया गया जोर

**ईचागढ़ :** सरायकेला-खरसावां जिले के कुकड़ू प्रखंड स्थित झारखंड आवासीय विद्यालय में शुक्रवार को विशेष पेरेंट्स – टीचर मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं की शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन, उपस्थिति, स्वास्थ्य एवं सर्वांगीण विकास को लेकर अभिभावकों और शिक्षकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना रहा। कार्यक्रम में जिला परिषद उपाध्यक्ष मधुश्री महतो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में अभिभावकों की सक्रिय भूमिका अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल विद्यालय की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि अभिभावक और शिक्षक मिलकर ही बच्चों को सही दिशा दे सकते हैं। बैठक के दौरान शिक्षकों ने छात्राओं की पढ़ाई, व्यवहार, अनुशासन, उपस्थिति एवं स्वास्थ्य से संबंधित विस्तृत जानकारी अभिभावकों के साथ साझा की। वहीं अभिभावकों ने भी बच्चों से जुड़ी समस्याएं और सुझाव रखे, जिनके समाधान करने और सुझाव पर अमल करने का आश्वासन विद्यालय प्रशासन की ओर से दिया गया।इस अवसर पर अन्य वक्ताओं ने कहा कि झारखंड आवासीय विद्यालय ग्रामीण एवं वंचित वर्ग की बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

### तीन सीमाना में लगा विशाल टुसू मेला, ग्रामीणों की उमड़ी भीड़, लच्छीपुर गांव की टुसू को मिला पहला पुरस्कार

**पटमदा :** पटमदा प्रखंड की चौरास्ता मोड़ में शुक्रवार को चौरास्ता मोड़ टुसू मेला कमेटी की ओर से हर साल की भांति इस साल भी एक दिवसीय विशाल टुसू मेला सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मेला में लोक संस्कृति की झलक देखने को मिली। दूरदराज से हजारों की संख्या में लोग परिजनों व मित्रो के साथ मेला में घूमने पहुंचे थे। मेले में विभिन्न गांवों से एक दर्जन छोटे बड़े टुसू प्रतिमा को लेकर महिलाएं पहुंची थी। पारंपरिक टुसू गीतों पर युवक युवतियों ने जमकर नृत्य किया। नाच गाने का दौर देर शाम तक चलता रहा, जो दर्शकों के बीच आकर्षक का केंद्र बना रहा। मेले में पहुंचे लोग काफी उत्साहित नजर आए। मेले में लच्छीपुर गांव की टुसू प्रतिमा को पहला पुरस्कार के रूप में 3 हजार रुपए, द्वितीय पुरस्कार नहचीबेड़ा गांव की टुसू दल को 2 हजार रुपए व तीसरे स्थान आगुईडांगरा टुसू दल को डेढ़ हजार रुपए व चौथा पुरस्कार बेंझाम टुसू दल को एक हजार रुपए देकर व अन्य दलों को स्वांतना पुरस्कार कमेटी की ओर से पुरस्कृत किया गया। इस दौरान झाड़ग्राम जिले से आए हुए वनलता झुमुर टीम के द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। देर शाम तक चले सांस्कृतिक कार्यक्रम में एक से बढ़कर एक गीत व नृत्य प्रस्तुत कर कलाकारों ने दर्शकों को खूब झुमाया।

**JHARKHAND URBAN INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT COMPANY LIMITED**
(Govt. of Jharkhand Undertaking)
JUIDCO Bhawan, Kutchery Road, Ranchi-834001, Jharkhand. Ph No.: +91-651-2225878,
CIN: U45200JH2013SGC001752, e-mail ld-juidcolimited@gmail.com

**Project Name**: Request for Proposal (RFP) for Selection of Consultant for Preparation of Alternative Analysis Report (AAR) & Detailed Project Report (DPR) for Transit Corridors in Ranchi, Jharkhand
**NIT No.**: JUIDCO/ NIT/ AAR/ RNC/ 2025- 681
**PR No.**: 368649
**Tender ID**: 2025_UDD_107917_1
This is for information of all the bidders that following Corrigendum is being made in the subjected tender.
The bidders are advised to take into account the following Corrigendum before submission of their bids against this tender.

Corrigendum - 2

| Sl. No. | Bid Document Ref. | Description | As per Corrigendum 1 | As per Corrigendum 2 |
|---|---|---|---|---|
| 1. | NIT | Last Date & Time of submission of Bid, Tender Fee and EMD online | 15.01.2026 at 17:00 Hrs | 21.01.2026 at 17:00 Hrs |
| 2. | | Date & Time of Bid Opening | 16.01.2026 at 17:00 Hrs | 22.01.2026 at 17:00 Hrs |

Note: Other terms and conditions remain unchanged.
Sd/-
Project Director (Technical)
JUIDCO Ltd.
PR 370841 Urban Development and Housing(25-26)#D

**कार्यालय, जिला पशुपालन पदाधिकारी, सिमडेगा**
**आम सूचना**

राज्यान्तर्गत गो एवं भैंस जाति के नस्ल में अपेक्षित सुधार लाने, कृत्रिम गर्भाधान आच्छादन दर में वृद्धि करने तथा नस्ल सुधार कार्यक्रम के संबंध में पशुपालकों को जागरूक करने हेतु सिमडेगा जिला में दो जगहों पर बछड़ा प्रदर्शनी का आयोजन किया जाना है –

(1) दिनांक –19.01.2026 को 11.00 बजे पूर्वाह्न से प्रखण्ड कोलेबिरा के लचरागढ़ पंचायत में बछड़ा प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।
(2) दिनांक –21.01.2026 को 11.00 बजे पूर्वाह्न से प्रखण्ड सिमडेगा में प्रान्तीयकृत पशु चिकित्सालय, सिमडेगा के कार्यालय परिसर में बछड़ा प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।
(3) सभी पशुपालकों से आग्रह है कि उक्त निर्धारित तिथि में आयोजित बछड़ा प्रदर्शनी में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर योजना संबंधी जानकारी प्राप्त कर लाभान्वित बने।
(4) आयोजित बछड़ा प्रदर्शनी में भाग लेने वाले एक से दस तक के अच्छे नश्ल के बछड़ा लाये पशुपालकों को पुरस्कार प्रदान किया जाएगा साथ ही रैली में आये हुए सभी पशुओं के लिए मिनिरल मिक्सचर, विटामिन एवं अन्य सामग्री दी जाएगी।

निवेदक
जिला पशुपालन पदाधिकारी, सिमडेगा।
PR.NO.370760 Simdega(25-26):D

**झारखण्ड बिजली वितरण निगम लिमिटेड**
(CIN:U40108JH2013SGC001702)
विद्युत आपूर्ति अंचल, रामगढ, रामगढ कैन्टोमेन्ट,रामगढ,पिन कोड– 829122+
ई–मेलः–ese.ramgarh@gmail.com ]Phone no:- 06553-231987

**सूचना**

विद्युत आपूर्ति अंचल, रामगढ़ के अन्तर्गत सम्मानित उपभोक्तागण की सुविधा हेतु विभिन्न क्षेत्रों में राजस्व वसूली कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें उपभोक्तागण कैम्प में जाकर अपना बिजली बिल आसानी से जमा कर सकते है। कैम्प की तिथि निम्नवत है:–

| क्र0 सं0 | स्थान | प्रखण्ड | कैम्प आयोजन की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1 | नियर दुर्गामंडप, छत्तरमाण्डु | रामगढ | 20.01.2026 |
| 2 | दोहाकातु, पंचायत भवन | रामगढ़ | 21.01.2026 |
| 3 | कोडी बाजार टांड | मांडू | 22.01.2026 |
| 4 | उत्क्रमित मध्य विद्यालय उसरा | दुलमी | 22.01.2026 |
| 5 | चितरपुर | दुलमी | 23.01.2026 |
| 6 | चिकोर गाँधी चौक | पतरातु | 23.01.2026 |
| 7 | घाटो | दुलमी | 23.01.2026 |
| 8 | चरही | माण्डु | 27.01.2026 |
| 9 | हेसला, ईल्सा गैस एंजेसी | पतरातु | 27.01.2026 |
| 10 | पालू | पतरातु | 27.01.2026 |
| 11 | महेश होटल लारी | माण्डु | 28.01.2026 |
| 12 | टेरपा | पतरातु | 28.01.2026 |
| 13 | करमा | माण्डु | 29.01.2026 |
| 14 | संग्रामपुर | दुलमी | 29.01.2026 |
| 15 | मांडू | मांडू | 30.01.2026 |
| 16 | कुल्ही चौक | माण्डु | 30.01.2026 |

स्वहित एवं राष्ट्र हित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।
ह०/–
विद्युत अधीक्षण अभियन्ता,
विद्युत आपूर्ति अंचल, रामगढ
PR 370852 Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd(25-26)#D

# इस्लामिक साम्राज्यवाद के विरुद्ध उठ खड़ी हुई सभ्यता

ईरान में आज जो घट रहा है, वह किसी एक मुल्क की सियासी हलचल नहीं, यह इतिहास की छाती पर उठती हुई एक सभ्यतागत बगावत है। यह उस पूरी दुनिया के लिए चेतावनी है, जिसे यह समझा दिया गया था कि मजहबी सत्ता ढांचे हमेशा के लिए समाजों की आत्मा पर कब्जा कर सकते हैं। नहीं, जब किसी कौम की तारीख, तहजीब और इंसानी आजादी को कुचला जाता है, तो इन्कलाब लाजिमी हो जाता है। ईरान आज इस इन्कलाब की अग्रिम चौकी है। दशकों तक जिस इस्लामवादी सत्ता-व्यवस्था ने शरीयत, डर और वैचारिक निगरानी से जिंदगियों को जकड़े रखा, वही आज अपने ही अवाम की जागी हुई चेतना से घिर चुकी है। यह बगावत हमें यह याद दिलाती है कि किसी भी कौम का डीएनए मिटाया नहीं जा सकता। ईरान का डीएनए पर्शिया है। साइरस की सहिष्णुता, जरतुस्त्र की नैतिक ज्वाला और अवेस्ता की रूह हर कोने में समाई है। अरब से आई इस्लामवादी सत्ता-रचना ने इस पहचान पर परदे डाले, प्रतीकों को बदला, स्मृतियों को हाशिए पर धकेला मगर उसे बुझा नहीं सकी। आज वही भूली-बिसरी स्मृति फिर दहक रही है। अफगानिस्तान से लेकर मिस्त्र और यूरोप तक सवाल गूंज रहा है कि क्या मजहबी पहचान सभ्यतागत पहचान से बड़ी हो सकती है? इस्लामवादी साम्राज्यवाद ने पर्शिया को ईरान बनाया और इस बदलाव में केवल नाम नहीं बदला, एक सभ्यता को परदे के पीछे धकेल दिया गया। पर्शिया वह धरती थी जहां नैतिकता, सहिष्णुता और मानवीय गरिमा राज्य-दृष्टि का आधार थीं। सत्ता-रूप में उभरी मजहबी विचारधारा ने इस प्राचीन पहचान को पूर्व-इस्लामी कहकर संदिग्ध बनाया। भाषा बदली, प्रतीक बदले, इतिहास की किताबों से स्मृति छीनी गई। आज ईरान की सड़कों पर उठती आग उसी दबाई गई पर्शियन आत्मा की पुकार है कि हम वही हैं जो थे। हमारी रूह को नाम बदल कर मिटाया नहीं जा सकता। दरअसल, इस्लामी साम्राज्यवाद की बर्बरता उसकी आस्था, उसके सत्ता-रूप में दिखाई देती है। इतिहास गवाह है कि जब 'मजहब' तलवार बनकर सभ्यताओं पर टूटा, तब नगर उजड़े, पुस्तकालय जले, मंदिर-प्रतिमाएं तोड़ी गईं, भाषाएं हाशिये पर डाली गईं और स्त्रियों की देह को नियंत्रण का मैदान बनाया गया। इनके द्वारा विविधता को 'कुफ्र', स्मृति को 'जाहिलियत' और असहमति को 'बगावत' कहकर कुचला गया। इस साम्राज्यवादी विस्तार ने संवाद नहीं, दहशत रची, आस्था नहीं, आज्ञाकारिता मांगी और न्याय नहीं, अधीनता थोपी। इतिहास गवाह है कि 'मजहबी' अंधड़ ने इंसान से उसकी जड़ें, उसकी भाषा, उसकी कला और उसकी गरिमा छीनने की कोशिश की और वहीं से प्रतिरोध की नैतिक जरूरत जन्मी। यहां यह समझना जरूरी है कि इस्लामवाद यानी मजहब का सत्ता-रूप अक्सर सभ्यता से टकराता है। उसकी भाषा द्वैत रचती है 'काफि र' और 'मोमिन', 'दारुल-इस्लाम' और 'दारुल-हरब'। इस दृष्टि में स्थानीय परंपराएं, स्त्री की स्वतंत्रता, कला, स्मृति और विविधता संदेह के घेरे में आ जाती हैं। जहां यह वैचारिक कठोरता सत्ता बनती है, वहां इंसान अपनी जड़ों से काटा जाता है। यह धर्म नहीं विचारधारा का कब्जा है। इसीलिए जब ईरान की बेटियां सरे-आम बुर्का जलाती हैं, तो वे कपड़ा नहीं डर और नियंत्रण को आग लगाती हैं। वस्तुतः यह केवल स्त्री-अधिकार का एलान नहीं, यह उस देह पर थोपे गए मजहबी पहरे के खिलाफ खुली बगावत है। तेहरान की यह लपटें काबुल, कराची और गाजा तक जमीरों को झकझोर रही हैं। और जब शेर और अग्नि वाला पुराना फारसी झंडा फिर से उठता है, तो वह अरब-केंद्रित इस्लामवादी पहचान के विरुद्ध सभ्यता की चुनौती बन जाता है। वह तुर्की, मध्य एशिया और उत्तर अफ्रीका तक फैले समाजों को उनकी-उनकी भूली हुई सभ्यताओं की याद दिला रहा है। यह जंग किसी आस्था से नहीं इस्लामवादी अधिनायकवाद से है। यह ऐलान है कि मजहब निजी है, मगर सभ्यता जनता की। और जब कोई मजहबी सत्ता सभ्यता को निगलने बढ़े, तो रहम नहीं बगावत उसका जवाब होती है।

## सूडोकु नवताल- 7677

मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 8 | 1 | | | | 2 | 5 | |
| 2 | | | | | | | | 9 |
| 5 | | | 1 | | 7 | 4 | | |
| 9 | 5 | | | 4 | | | 2 | |
| | | 3 | 9 | | 6 | 7 | | |
| | 7 | | | 8 | | | 1 | 5 |
| | | 7 | 2 | | 5 | | | 1 |
| 6 | | | | | | | | 7 |
| | 1 | 5 | | | | 6 | 9 | |

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु नवताल -7676 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 9 | 4 | 2 | 3 | 6 | 1 | 8 | 7 |
| 8 | 7 | 3 | 1 | 4 | 5 | 2 | 9 | 6 |
| 6 | 1 | 2 | 8 | 7 | 9 | 3 | 5 | 4 |
| 1 | 6 | 7 | 9 | 8 | 2 | 4 | 3 | 5 |
| 3 | 8 | 5 | 4 | 1 | 7 | 6 | 2 | 9 |
| 2 | 4 | 9 | 6 | 5 | 3 | 7 | 1 | 8 |
| 7 | 5 | 6 | 3 | 9 | 1 | 8 | 4 | 2 |
| 4 | 2 | 1 | 5 | 6 | 8 | 9 | 7 | 3 |
| 9 | 3 | 8 | 7 | 2 | 4 | 5 | 6 | 1 |

# रांगेय राघव सामान्य जन के एक रचनाकार थे

रांगेय राघव सामान्य जन के एक रचनाकार थे। हिंदी भाषी नहीं होने के बावजूद उन्होंने हिंदी साहित्य के क्षेत्र में जो काम किया, सदा हिंदी साहित्य को गौरवान्वित करता रहेगा। उनका विपुल साहित्य देश के आमजन की आवाज को गूंजीत करता रहेगा। उनका संपूर्ण जीवन हिंदी साहित्य को समर्पित रहा था। वे हिंदी के उन विशिष्ट और बहुमुखी प्रतिभाशाली रचनाकारों में से रहे थे। वे मात्र इस धरा पर 39 वर्ष ही रह पाए थे । इतने कम समय में उन्होंने जो सृजन का काम किया अपने आप में एक रिकॉर्ड सा बन गया। उन्होंने एक सफल उपन्यासकार, कहानीकार निबंधकार, आलोचक, नाटककार, कवि एवं रिपोर्ताज लेखक के रूप में स्वयं को प्रतिस्थापित कर दिया था। उन्होंने अपने रचनात्मक कौशल से हिंदी की महान सृजनशीलता के दर्शन करा दिया।

उन्होंने हिंदी साहित्य के विभिन्न धरातलों पर युगीन सत्य से उपजा महत्त्वपूर्ण साहित्य उपलब्ध कराया। ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर जीवनी परक उपन्यासों का ढेर लगा दिया। कहानी के पारंपरिक ढांचे में बदलाव लाते हुए नवीन कथा प्रयोगों द्वारा उसे मौलिक कलेवर में विस्तृत आयाम दिया। उन्होंने रिपोर्ताज लेखन, जीवन चरितात्मक उपन्यास और महायात्रा गाथा की परंपरा डाली। विशिष्ट कथाकार के रूप में उनकी सृजनात्मक संपन्नता प्रेमचंदोत्तर रचनाकारों के लिए बड़ी चुनौती बनी। इन तमाम उपलब्धियों के बावजूद हिंदी क्षेत्र में जो नाम उनकी कृतियां का होना चाहिए, नहीं हो पाया। यह बात समझ से परे है। जहां तक मेरी वैचारिक दृष्टि जाती है, हिंदी आलोचकों ने उन्हें अपनी आलोचना से दूरी रखा। अन्यथा उनकी रचनाएं हिंदी पाठकों से इतनी दूरी बनाकर नहीं रह पाती।

रांगेय राघव का मूल नाम तिरूमल्लै नंबाकम वीर राघव आचार्य है, लेकिन उन्होंने अपना साहित्यिक नाम रांगेय राघव रखा। इनका जन्म 17 जनवरी, 1923 को श्री रंगाचार्य के घर हुआ। इनकी माता श्रीमती कनक वल्ली और पत्नी श्रीमती सुलोचना है इनका परिवार मूलरूप से तिरुपति, आंध्र प्रदेश का निवासी था। 'वैर' गांव के सहज, सादे ग्रामीण परिवेश में उनका रचनात्मक साहित्य ने अपना आकार गढ़ना शुरू किया। जब उनकी सृजन-शक्ति अपने प्रकाशन का मार्ग ढूंढ़ रही थी, तब देश स्वाधीनता आंदोलन के अंतिम चरण में था। देश आजादी की ओर बहुत तेजी के साथ पढ़ रहा था। ऐसे वातावरण में उन्होंने अनुभव किया कि अपनी मातृभाषा हिंदी से ही देशवासियों के मन में देश के प्रति निष्ठा और स्वतंत्रता का संकल्प जगाया जा सकता है। इस संकल्प के साथ उन्होंने हिंदी के क्षेत्र में प्रवेश किया। उनकी सृजन-यात्रा सर्वप्रथम चित्रकला में प्रस्फुटित हुई। 1936 - 37 के आस-पास जब वे साहित्य की ओर उन्मुख हुए तो उन्होंने सबसे पहले कविता के क्षेत्र में कदम रखा। वे मूलतः एक संवेदनशील कवि थे। उनकी कविताएं मर्म को छूती हैं। मेरा ऐसा मानना है कि अगर वे कविता के क्षेत्र में ही अग्रसर होते तो निश्चित तौर पर एक जन कवि के रूप में अपनी पहचान बनाने में सफल होते। लेकिन स्वाधीनता आंदोलन, राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर उन्होंने कथा के माध्यम से समाज को जागृत करने के लिए संकल्प लिया। इसे संयोग ही कहा जाएगा कि उनकी रचनात्मक अभिव्यक्ति का अंत भी मृत्यु पूर्व लिखी गई उनकी एक कविता से ही हुआ। उनका साहित्य सृजन भले ही कविता से शुरू हुआ हो, लेकिन उन्हें प्रतिष्ठा मिली एक गद्य लेखक के रूप में।

रांगेय राघव का एक उपन्यास घरौंदा नाम से 1946 में प्रकाशित हुआ था। यह उपन्यास देश भर में चर्चित हुआ। वे इस उपन्यास के जरिए एक प्रगतिशील कथाकार के रूप में चर्चित हुए। इसके बाद तो उन्होंने राजा की उत्पत्ति, चंद्रमा, पार्वती, शुंभ-निशुंभ, मधु-कैटभ, मार्तंड, दक्ष प्रजापति, स्वरोविष, शनैश्चर, सुंद और उपसुंद, नारद और पर्वत, काव्य, सोम, केसरी, दशाश्वमेधिक तीर्थ, सुधा तीर्थ, अहल्या तीर्थ, जाबालि-गोवर्धन तीर्थ, गरुड़ तीर्थ, श्वेत तीर्थ, शुक्र तीर्थ, इंद्र तीर्थ, पौलस्त्य तीर्थ, अग्नि तीर्थ, ऋणमोचन तीर्थ, पुरुरवस् तीर्थ, वृद्धा-संगम तीर्थ, इलातीर्थ, नागतीर्थ, मातृतीर्थ, शेषतीर्थ ), दस प्रतिनिधि कहानियां, गदल तथा अन्य कहानियां, प्राचीन यूनानी कहानियाँ, प्राचीन ब्राह्मण कहानियां, प्राचीन ट्यूटन कहानियां, प्राचीन प्रेम और नीति की कहानियाँ, संसार की प्राचीन कहानियां आदि रच कर हिंदी साहित्य को गौरवान्वित कर दिया। उनका विपुल साहित्य उनकी अभूतपूर्व लेखन क्षमता को दशार्ता है। वे एक विलक्षण प्रतिभा के लेखक की श्रेणी में आते थे। उनके संदर्भ में कहा जाता रहा है कि 'जितने समय में कोई पुस्तक पढ़ेगा उतने में वे लिख सकते थे।' वस्तुतः उन्हें कृति की रूपरेखा बनाने में समय लगता था, लिखने में नहीं। रांगेय राघव सामान्य जन के ऐसे रचनाकार रहें, जो प्रगतिवाद का लेबल चिपकाकर सामान्य जन का दूर बैठे चित्रण नहीं करते, बल्कि उनमें बसकर करते हैं। समाज और इतिहास की यात्रा में वे स्वयं सामान्य जन बन जाते हैं। रांगेय राघव ने वादों के चौखटे से बाहर रहकर सही मायने में प्रगतिशील रवैया अपनाते हुए अपनी रचनाधर्मिता से समाज संपृक्ति का बोध कराया। समाज के अंतरंग भावों से अपने रिश्तों की पहचान करवाई।

1942 में वे मार्क्सवादी विचारधारा से प्रभावित दिखे थे। इसके बावजूद उन्हें वादग्रस्तता से चिढ़ थी। उनकी चिंतन प्रक्रिया गत्यात्मक थी। उन्होंने प्रगतिशील लेखक संघ की सदस्यता ग्रहण करने से इनकार कर दिया, क्योंकि उन्हें उसकी शक्ति और सामर्थ्य पर भरोसा नहीं था। साहित्य में वे न किसी वाद से बंधे, न विधा से। उन्होंने अपने ऊपर मढ़े जा रहे मार्क्सवाद, प्रगतिवाद और यथार्थवाद का विरोध किया। उन्होंने प्रयोगवाद और प्रगतिवाद का कभी भी आश्रय नहीं लिया और न प्रगतिवाद के चोले में अपने को यांत्रिक बनाया। उन्होंने केवल इतिहास को, जीवन को, मनुष्य की पीड़ा को और मनुष्य की उस चेतना को, जो अंधकार से जूझने की शक्ति रखती है, उसे ही सत्य माना। उन्होंने जीवन की जटिलताओं में खोए हुए मनुष्य की, मनुष्यत्व की पुनर्रचना का प्रयत्न किया, क्योंकि मनुष्यत्व के छीजने की व्यथा उन्हें बराबर सालती थी। उनकी रचनाएं समाज को बदलने का दावा नहीं करतीं, लेकिन उनमें बदलाव की आकांक्षा जरूर हैं। इसलिए उनकी रचनाएं अन्य रचनाकारों की तरह व्यंग्य या प्रहारों में खत्म नहीं होती और न ही दार्शनिक टिप्पणियों में समाप्त होती हैं, बल्कि वे मानवीय वस्तु के निर्माण की ओर उद्यत होती हैं। साथ ही इस मानवीय वस्तु का निर्माण उनके यहां परिस्थिति और ऐतिहासिक चेतना के द्वंद से होता है। उन्होंने लोग-मंगल से जुड़कर युगीन सत्य को भेदकर मानवीयता को खोजने का प्रयत्न किया तथा मानवतावाद को अवरोधक बनी हर शक्ति को परास्त करने का भरसक प्रयत्न भी। कुछ प्रसिद्ध साहित्यिक कृतियों के उत्तर रांगेय राघव ने अपनी कृतियों के माध्यम से दिए। इसे हिंदी साहित्य में उनकी मौलिक देन के रूप में माना गया। उन्होंने भगवतीचरण वर्मा द्वारा रचित 'टेढ़े-मेढ़े रास्ते' के उत्तर में 'सीधा-सादा रास्ता', 'आनंद मठ' के उत्तर में उन्होंने 'विषाद मठ' लिखा। प्रेमचंदोत्तर कथाकारों की कतार में अपने रचनात्मक वैशिष्ट्य, सृजन विविधता और विपुलता के कारण वे हमेशा स्मरणीय रहेंगे।

रांगेय राघव ने उपन्यास लेखन के क्षेत्र में जो काम किया, सदा देशवासियों का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। उनके उनके उपन्यासों में विषाद मठ, उबाल, राह न रुकी, बारी बरणा खोल दो, देवकी का बेटा, रत्ना की बात, भारती का सपूत, यशोधरा जीत गयी, घरौंदा, लोई का ताना, लखिमा की आँखें, मेरी भव बाधा हरो, कब तक पुकारूं,पक्षी और आकाश, चीवर, राई और पर्वत, आखिरी आवाज, बन्दूक और बीन आदि शामिल हैं।

उनका समग्र साहित्य जन सामान्य को समर्पित रहा था। वे खुद एक साधारण परिवार के थे। उन्हें उनके ही जीवन काल में इतनी लोकप्रियता मिलने के बावजूद वे उतने ही सहज, सरल और एक सामान्य जन बन कर ही रहे थे। उन्हें कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित भी किया गया था। आज भी उनकी कृतियां जन सामान्य लोगों के लिए संघर्षरत है। बस जरूरत है, उनकी रचनाओं को जन-जन तक पहुंचाने की।

# यमुना को बचाने के लिए जरूरी हैं छोटे प्रयास

प्रदीप श्रीवास्तव

दिल्ली की जीवनरेखा मानी जाने वाली यमुना नदी को साफ करने के लिए बीते तीन दशकों में हजारों करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। केंद्र और राज्य सरकारों की संयुक्त कोशिशों, विदेशी सहायता और न्यायिक हस्तक्षेप के बावजूद यमुना की स्थिति आज भी चिंताजनक बनी हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकारें अभी तक यमुना को साफ करने की मूलभूत रणनीति को ही नहीं समझ पाई हैं। नतीजा यह है कि यमुना, जो कभी दिल्ली की प्यास बुझाने वाली नदी थी, आज एक 'मरी हुई नदी' बनती जा रही है। जबकि, बहुत छोटे स्तर पर एक एनजीओ द्वारा किया गया प्रयास रंग लाने लगा है। क्योर एनजीओ ने बहुत छोटे स्तर पर मलिन बस्तियों से निकलने वाले सीवेज को साफ करना शुरू कर दिया है, जो यमुना में जाकर मिलता है। विशेषज्ञों की मानें तो अगर इस मॉडल को दिल्ली की सभी मलिन बस्तियों में लागू कर दिया जाए, तो यमुना को साफ करने में काफी हद तक कामयाबी पाई जा सकती है।

दिल्ली की सबसे बड़ी समस्या सीवेजः यमुना नदी की कुल लंबाई लगभग 1,376 किलोमीटर है लेकिन उसमें मिलने वाले कुल प्रदूषण का 70% हिस्सा केवल दिल्ली से आता है। दिल्ली के भीतर बहने वाला लगभग 22 किलोमीटर लंबा हिस्सा यमुना का सबसे ज्यादा प्रदूषित भाग है।

दिल्ली जल बोर्ड और सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की रिपोर्ट (2023) के अनुसार, दिल्ली 720 मिलियन गैलन प्रतिदिन सीवेज उत्पन्न करती है। लेकिन इसके शोधन की क्षमता लगभग 597 मिलियन गैलन प्रतिदिन ही है। वास्तविकता यह है कि चालू स्थिति में सिर्फ. 514 मिलियन गैलन प्रतिदिन सीवेज ट्रीट होता है। यानी लगभग 200 मिलियन गैलन प्रतिदिन से अधिक सीवेज बिना शुद्धिकरण के सीधे यमुना में चला जाता है। दिल्ली में कुल 35 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट हैं, लेकिन इनमें से 50% अपनी क्षमता से कम काम कर रहे हैं।

दिल्ली अर्बन शेल्टर इंप्रूवमेंट बोर्ड के अनुसार, दिल्ली में 1,800 से अधिक अनधिकृत कॉलोनियाँ और लगभग 750 मलिन बस्तियाँ हैं, जिनसे निकलने वाला सीवेज केंद्रीकृत सीवर नेटवर्क से जुड़ा ही नहीं है। इसका मतलब है कि बड़ी योजनाएँ और एसटीपी लगाने के बावजूद, जब तक इन बस्तियों और कॉलोनियों को ध्यान में रखकर विकेंद्रीकृत समाधान नहीं अपनाया जाएगा, तब तक यमुना को साफ करना संभव नहीं है।

छोटे प्रयास, बड़ा असरः दिल्ली के वसंत विहार इलाके के शिवा कैंप में सेंटर फॉर अरबन एंड रेज़िलिएंस एक्सिलेंस एनजीओ बहुत प्रभावी है। क्योरने यहाँ डिसेंट्रलाइज्डवेस्टवाटर ट्रीटमेंट सिस्टम लगाया है। यह सिस्टम इंटरसेप्टिक टैंक और बायो-रेमेडिएशन तकनीक पर काम करता है ।बस्ती से निकलने वाला सीवेज पहले इंटरसेप्टिक टैंक में जमा होता है, जहाँ भारी गाद और ठोस अपशिष्ट बैठ जाते हैं। इसके बाद यह पानी एक बायो-फिल्टर यूनिट से गुजरता है, जिसमें प्राकृतिक बैक्टीरिया, पौधे और बायो मीडिया गंदगी को तोड़कर साफ कर देते हैं। अंत में पानी इतना साफ हो जाता है कि उसका उपयोग सिंचाई, ग्राउंडवॉटर रिचार्ज या सामुदायिक उपयोग में किया जा सकता है।

इस मॉडल के फायदेः सीवेज को यमुना तक पहुँचने से पहले ही रोक दिया जाता है। महंगे एसटीपी और बड़े ड्रेनेज नेटवर्क पर निर्भरता कम होती है ।स्थानीय स्तर पर रोजगार और सामुदायिक भागीदारी बढ़ती है। बस्ती में स्वास्थ्य और स्वच्छता की स्थिति सुधरती है।

दिल्ली के वसंत विहार इलाका स्थित शिवा कैंप, एक छोटी मलिन बस्ती है, जहाँ करीब 105 घर और लगभग 735 लोग रहते हैं। यहां काम कर रहे एक एनजीओ क्योर ने एक इंटरसेप्टिक टैंक लगाया, जो बस्ती से निकलने वाले सीवेज को साफ करता है।

सिर्फ छह महीनों में इस मॉडल ने बस्ती की तस्वीर बदल दी। अब यहाँ मच्छर और गंदगी जनित बीमारियाँ कम हो गईं। लोगों का स्वास्थ्य बेहतर हुआ और आय में सुधार हुआ। अब बस्ती के लोग खुद मानते हैं कि बीमारी पर होने वाला खर्च कम हुआ है।

यहाँ के राजू प्रधान, जो अघोषित तौर पर इस बस्ती के कर्ताधर्ता हैं, कहते हैं कि यहाँ गंदगी इतनी होती थी कि पहले यहाँ कूड़े वाली गाड़ी नहीं आती थी, लेकिन बाद में जब यहाँ एनजीओ वालों ने सफाई की अलख जगाई, तब यहाँ पर इतनी सफाई हो गई कि अब कूड़े वालों को यहाँ आने में भी कोई दिक्कत नहीं होती है। वे कहते हैं कि यहाँ हर चीज में तीन माह में ही फर्क दिखने लगा।

वहीं, यहाँ के एक निवासी बृजमणि कहती हैं कि यहाँ गंदगी के कारण लोगों के सिर में दर्द की शिकायत रहती थी, जबकि कई लोग माइग्रेन और त्वचा से संबंधित बीमारियों से पीड़ित थे, लेकिन यहाँ सफाई व्यवस्था ठीक होने के कारण सब अच्छा हो गया और अब परेशानियाँ भी काफी कम हो गई है।

जबकि, आरती कहती हैं कि पहले मच्छर और मक्खियों की भरमार रहती थी लेकिन अब सफाई होने के यहाँ गंदगी बहुत कम हो गई है। टायलेट की भी व्यवस्था काफी अच्छी है।

मुस्कान कहती हैं कि अब रिश्तेदार भी यहाँ की सफाई की तारीफ करते हैं। पहले रिश्तेदारों को बुलाने में शर्म महसूस होती थी, क्योंकि यहाँ काफी गंदगी रहती थी, लेकिन अब यहाँ पर कोई भी आ जाए, हमें कोई दिक्कत नहीं होती है।

असल में देखा जाए तो यमुना की सफाई काफी हद तक छोटे-छोटे प्रयासों में छिपी है। दिल्ली अर्बन शेल्टरइंप्रूवमेंट बोर्ड और डीडीए के अनुसार, दिल्ली में करीब 750 मलिन बस्तियाँ हैं, जिनमें 3.5 लाख परिवार और 30 लाख से अधिक लोग रहते हैं। यदि शिवा कैंप जैसा मॉडल हर बस्ती में लागू किया जाए तो यमुना में गिरने वाला अनट्रीटेड सीवेज कम हो सकता है। जल प्रदूषण में भारी गिरावट आ सकती है और यमुना को पुनर्जीवित करने का सपना साकार हो सकता है।

क्यों जरूरी है विकेंद्रीकृत मॉडलः दिल्ली की 750 मलिन बस्तियों में से अधिकांश केंद्रीकृत सीवर नेटवर्क से जुड़ ही नहीं सकतीं क्योंकि वे नदी किनारे, रेलवे लाइन और सरकारी भूमि पर बसी हैं। इन बस्तियों का सीवेज सीधे नालोंके जरिए यमुना में चला जाता है। अगर हर बस्ती में क्योर जैसा डिसेंट्रलाइज्ड वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट सिस्टम लगाया जाए, तो प्रतिदिन लगभग 100झ120 टञ्ळसीवेज यमुना में जाने से रोका जा सकता है। यह बड़े प्रयासों की तुलना में सस्ता, तेज और स्थानीय समाधान है।

यमुना को बचाना केवल तकनीकी चुनौती नहीं बल्कि प्रशासनिक इच्छाशक्ति और सामाजिक भागीदारी का मामला है। अरबों रुपये खर्च करने के बावजूद सरकारी योजनाएँ नाकाम रहीं, जबकि एक छोटे से एनजीओ का प्रयोग दिखाता है कि बदलाव संभव है। अब सरकारों को चाहिए कि वह मलिन बस्तियों और अनधिकृत कॉलोनियों में विकेंद्रीकृत सीवेज ट्रीटमेंट मॉडल लागू करे। एनजीओ को शामिल करते हुए जनभागीदारी सुनिश्चित करे। सीवेज डेटा और ग्राउंड-लेवल मॉनिटरिंग को पारदर्शी बनाया जाए। यमुना खुद को पुनर्जीवित कर सकती है, बस जरूरत है ईमानदार प्रयास की और यह कोविड लॉकडाउन ने साबित कर दिया। अब जरूरत है कि हम प्रदूषण के स्त्रोतों को रोकें और छोटे-छोटे प्रयासों को बड़े पैमाने पर लागू करें।

**(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

# वैश्विक दबावों से परे भारत की आर्थिक उड़ान

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अमेरिका के लाख दबाव के बाद भी भारत की आर्थिक ग्रोथ होना बताता है कि हम सही दिशा में हैं। वस्तुतः ये दुनिया के उन तमाम देशों के लिए भी मूक संदेश है कि कभी एक या सीमित देशों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए, लाख असहमति के बाद भी दुनिया में एक साथ अनेक मित्र बनाए जा सकते हैं, संतुलित मित्रता, बहुआयामी साझेदारी और आत्मनिर्भरता ही भविष्य का रास्ता है, जिसका आज भारत सशक?त उदाहरण है। क?योंकि केंद्र की मोदी सरकार के नेतृत्व में भारतीय अर्थव्यवस्था ने यह साफ कर दिया है कि वह किसी एक देश या बाजार पर निर्भर नहीं है। इसलिए ही अमेरिका सहित वैश्विक शक्तियों के दबावों के बावजूद भारत ने निर्यात, उत्पादन और सेवाओं के क्षेत्र में आज मजबूती दिखाई है।

वाणिज्य मंत्रालय के ताजा आंकड़े इस आत्मविश्वास की ठोस तस्वीर पेश करते हैं। अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच भारत का कुल निर्यात, जिसमें माल और सेवाएं दोनों शामिल हैं, 634.26 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचा। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 607.93 बिलियन डॉलर के मुकाबले 4.33 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि है। इसी तरह से अप्रैल से दिसंबर 2025 के दौरान माल निर्यात 330.29 बिलियन डॉलर तक पहुंचा, यह भी 322.41 बिलियन डॉलर पिछले वर्ष की तुलना से 2.44 प्रतिशत अधिक है। विशेष रूप से गैर पेट्रोलियम निर्यात का 288.16 बिलियन डॉलर तक पहुंचना और 5.51 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करना यह दशार्ता है कि भारत ऊर्जा आयात पर निर्भरता घटाते हुए विविध क्षेत्रों में मजबूती बना रहा है।

दिसंबर 2025 में ही माल निर्यात 38.51 बिलियन डॉलर रहा, जोकि इससे एक वर्ष पूर्व 2024 के दिसंबर के आंकड़े से बेहतर है। इस बीच हमें इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में तेज उछाल देखने को मिला, जहां यह 3.57 बिलियन डॉलर से बढ़कर 4.17 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। फार्मा सेक्टर ने अपनी विश्वसनीयता बनाए रखते हुए स्थिर वृद्धि दर्ज की है। इंजीनियरिंग गुड्स और समुद्री उत्पादों ने भी निरंतर मांग के दम पर मजबूती दिखाई देती है। कहना होगा ऐसे सकारात्मक वातावरण में खाद्य प्रसंस्करण और कृषि आधारित निर्यात भी पीछे नहीं रहे। मीट, डेयरी और पोल्ट्री उत्पादों में आई वृद्धि दशार्ती है कि ग्रामीण भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का अहम हिस्सा बन चुका है।

देखने में आ रहा है कि जहां माल निर्यात उत्पादन क्षमता को दशार्ता है, वहीं सेवाओं का निर्यात भारत की बौद्धिक और तकनीकी शक्ति का प्रमाण है। अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच सेवाओं का अनुमानित निर्यात 6.46 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 303.97 बिलियन डॉलर रहा है। आईटी, सॉफ्टवेयर और बिजनेस सर्विसेज ने यह सुनिश्चित किया कि वैश्विक मंदी के संकेतों के बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। हालांकि दिसंबर 2025 में कुल निर्यात में हल्की गिरावट जरूर दर्ज की गई, किंतु सेवाओं का निर्यात 35.50 बिलियन डॉलर पर स्थिर रहा। यही वह क्षेत्र है जिसने ट्रेड बैलेंस को संभालने में निर्णायक भूमिका निभाई। ऐसे में 151.74 बिलियन डॉलर का ट्रेड सरप्लस यह दिखाता है कि भारत इस वक्त आयात आधारित अर्थव्यवस्था नहीं रही है, यह निर्यात प्रेरित विकास मॉडल की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

यहां समझने के लिए यह भी है कि भारत की निर्यात सफलता का एक बड़ा कारण उसका बदला हुआ वैश्विक दृष्टिकोण है। वह आज किसी एक देश पर निर्भर नहीं रह कर सभी के साथ अपने मित्रवत संबंध बनाने में सफल दिखता है। तमाम असहमतियों के बीच भी अमेरिका के साथ मजबूत व्यापारिक रिश्ते उसके बने ही हुए हैं। साथ ही एशिया, यूरोप, मध्य पूर्व और अफ्रीका में भी अपने बाजारों का विस्तार किया है। चीन को निर्यात में दर्ज की गई तेज वृद्धि यह दशार्ती है कि यहां भी राजनीतिक असहमति के बावजूद आर्थिक संवाद और व्यापारिक संभावनाएं खुली रखी जा सकती हैं।

यूएई, मलेशिया, स्पेन और हॉन्गकॉन्ग जैसे बाजारों में भारतीय उत्पादों की बढ़ती मांग इस बात का प्रमाण है कि एक दुनिया, अनेक मित्र की नीति व्यावहारिक और लाभकारी भी है। यह रणनीति वैश्विक अस्थिरता के दौर में भारत को जोखिमों से बचाती है और नए अवसरों के द्वार खोलती है। हालांकि यह सच भी है कि आयात में वृद्धि होने के बाद भी मर्चेंडाइज ट्रेड डेफिसिट एक चुनौती बना हुआ है। किंतु इसे कमजोरी के रूप में देखने के बजाय संक्रमणकालीन चरण के रूप में समझना अधिक उचित होगा। क्योंकि इंफ्रास्ट्रक्चर, मशीनरी और कच्चे माल का आयात भविष्य की उत्पादन क्षमता को मजबूत करने का आधार है। दूसरी ओर सोना और कुछ गैर जरूरी आयातों में आई कमी यह बताती है कि नीतिगत स्तर पर संतुलन साधने की कोशिशें जारी हैं। कहना यही होगा कि मोदी सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाएं, मुक्त व्यापार समझौते और लॉजिस्टिक्स सुधार आने वाले वर्षों में भारत के निर्यात को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाले हैं। लक्ष्य पूरी तरह स्पष्ट है कि भारत को एक सफल वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस हब बनाया जाना है, जिसके लिए जमीन पर अनेक कार्य होते हुए आज दिखाई दे रहे हैं।

वस्तुतः आज किसान, कारीगर, स्टार्टअप संस्थापक और आईटी पेशेवर, हर वर्ग यह महसूस कर रहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था सही दिशा में बढ़ रही है। आज विश्व स्तर के तमाम दबावों के बीच भी सकारात्मक ग्रोथ बनाए रखना इस बात का प्रमाण है कि भारत ने आत्मनिर्भरता और वैश्विक सहयोग के बीच संतुलन साधने का अपने में हुनर पा लिया है।

## दैनिक पंचांग

**17 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

| ग्रह | स्थिति | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | मकर में | मकर | 06.33 बजे से |
| चंद्र | धनु में | कुंभ | 08.23 बजे से |
| मंगल | मकर में | मीन | 09.56 बजे से |
| बुध | धनु में | मेष | 11.27 बजे से |
| गुरु | मिथुन में | वृष | 13.07 बजे से |
| शुक्र | मकर में | मिथुन | 15.05 बजे से |
| शनि | मीन में | कर्क | 17.18 बजे से |
| राहु | कुंभ में | सिंह | 19.35 बजे से |
| केतु | सिंह में | कन्या | 21.46 बजे से |
| | | तुला | 23.57 बजे से |
| | | वृश्चिक | 02.12 ब.से |
| | | धनु | 04.28 बजे से |

**राहुकाल** 9.00 से 10.30 बजे तक

**शनिवार** 2026 वर्ष का 17 वा दिन
**दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शिशिर।
**विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947
**मास** माघ (दक्षिण भारत में पौष)
**पक्ष** कृष्ण
**तिथि** चतुर्दशी 00.04 बजे रात्र को समाप्त।
**नक्षत्र** मूल 08.12 बजे को समाप्त।
**योग** व्याघात 21.18 बजे को समाप्त।
**करण** विष्टि 11.16 बजे तदनन्तर शकुनि 00.04 बजे रात्र को समाप्त।
**चन्द्रायु** 24.9 घण्टे
**रवि क्रान्ति** दक्षिण 20° 47'
**सूर्य** उत्तरायन
**कलि अहर्गण** 1872592
**जूलियन दिन** 2461057.5
**कलियुग संवत्** 5126
**कल्पारंभ संवत्** 1972949123
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123
**वीरनिर्वाण संवत्** 2552
**हिजरी सन्** 1447
**महीना** रज्जब **तारीख** 27

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| काल | 05.55 से | 07.23 बजे तक | लाभ | 05.37 से | 07.10 बजे तक |
| शुभ | 07.23 से | 08.51 बजे तक | उद्वेग | 07.10 से | 08.42 बजे तक |
| रोग | 08.51 से | 10.19 बजे तक | शुभ | 08.42 से | 10.14 बजे तक |
| उद्वेग | 10.19 से | 11.46 बजे तक | अमृत | 10.14 से | 11.47 बजे तक |
| चर | 11.46 से | 01.14 बजे तक | चर | 11.47 से | 01.19 बजे तक |
| लाभ | 01.14 से | 02.42 बजे तक | रोग | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| अमृत | 02.42 से | 04.10 बजे तक | काल | 02.51 से | 04.23 बजे तक |
| काल | 04.10 से | 05.37 बजे तक | लाभ | 04.23 से | 05.56 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

## एक नजर

### तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवार ने एक महिला को मारा टक्कर गंभीर घायल

**साहिबगंज:** मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत महादेवगंज निवासी कन्हाई सिंह के 60 वर्षीय पत्नी जयमाला देवी मोटरसाइकिल से टक्कर लग जाने से गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को परिजनों ने आनन-फानन में सदर अस्पताल लेकर आया। जहां इमरजेंसी ड्यूटी में तैनात डॉक्टर तबरेज आलम के द्वारा प्राथमिक इलाज किया गया। परिजनों के द्वारा बताया गया की घायल जयमाला देवी अपने घर के बाहर शाम में झाड़ू दे रही थी, तभी विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने सीधी टक्कर मार दिया जिससे गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं चिकित्सकों के द्वारा महिला को गंभीर चोट आई है नाक से ब्लड आ रहा है स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो हायर सेंटर रेफर कर दिया जाएगा।

### तेज रफ्तार गिट्टी लदे हाइवा ने नवनिर्मित अबुआ आवास मकान में मारा जोरदार टक्कर, मकान क्षतिग्रस्त

**साहिबगंज:** तालझारी थाना क्षेत्र के कैरासोल-बांझी मुख्य सड़क किनारे गुरुवार की देर रात एक तेज रफ्तार गिट्टी लदे 14 चक्का हाईवा ने सड़क किनारे बने एक नवनिर्मित अबुआ आवास में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि आवास बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मिली जानकारी अनुसार, गुरुवार की देर रात करीब 11:30 बजे गिट्टी लोड एक 14 चक्का हाईवा बांझी की ओर से कैरासोल की तरफ आ रहा था। इसी दौरान हाईवा अनियंत्रित होकर सीधे सड़क किनारे स्थित कैरासोल गांव निवासी निर्मला मरांडी के नवनिर्मित मकान में जा घुसी। देर रात हुए घटना की सूचना ग्रामीणों ने तालझारी थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही तालझारी थाना के एएसआई चिंटू कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया। दुर्घटना को लेकर अबुआ आवास के लाभुक निर्मला मरांडी ने बताया कि यह आवास बड़ी मेहनत और सरकारी सहायता से बनाया गया था।

### रांची-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस अब हजारीबाग रोड पर भी रुकेगी, रेल मंत्रालय से मिली स्वीकृति

**सरिया :** रांची-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस के यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। लंबे समय से चली आ रही स्थानीय मांग को पूरा करते हुए रेल मंत्रालय ने हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन पर इस ट्रेन के ठहराव को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय से कोडरमा लोकसभा क्षेत्र सहित हजारीबाग रोड और आसपास के इलाकों के लोगों को काफी सुविधा मिलेगी, क्योंकि अब वे बिना किसी परेशानी के इस सेमी-हाई स्पीड ट्रेन से रांची और वाराणसी के बीच सफर कर सकेंगे। यह बहुप्रतीक्षित मांग कई वर्षों से उठती रही है, जिस पर अब सकारात्मक फैसला लिया गया है। हजारीबाग रोड स्टेशन पर ठहराव से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी और यात्रियों को समय की बचत के साथ आरामदायक सफर मिलेगा। इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए कोडरमा लोकसभा क्षेत्र की जनता की ओर से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी का हार्दिक आभार।

# सीनियर जिला क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन, डीडीसी ने खिलाड़ियों से प्राप्त किया परिचय, दी शुभकामनाएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**साहिबगंज :** जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में शुक्रवार से सिदो-कान्हू स्टेडियम में सीनियर जिला क्रिकेट लीग कम नॉकआउट टूनामेंट का शुभारंभ हुआ। मुख्यतिथि डीडीसी सतीश चंद्रा व विशिष्ठ अतिथि डीएसई सह डीएसओ कुमार हर्ष ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर व बल्लेबाजी कर टूनार्मेंट का उद्घाटन किया। उद्घाटन मैच यंग स्टार क्रिकेट क्लब बनाम माही ब्लू स्पोर्ट्स के बीच खेला गया। डीडीसी व डीएसओ ने खिलाड़ियों की हौसला अफजाई करते हुए उन्हें शुभकामना दी। मौके पर जेएससीए सदस्य चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा, मछुआ

सोसाइटी अध्यक्ष अशोक चौधरी, प्रो कमल महावर, डॉ सुरेंद्र नाथ तिवारी, राकेश गुप्ता, सतीश सिन्हा, गोपाल सिंह, जिला क्रिकेट संघ सचिव अंकुर सिन्हा व टूनार्मेंट इंचार्ज मो अशफाक आलम, मो हयात, श्याम रंजन, मो तारिक, मो अनाउल्लाह, रवि पोलार्ड सहित अन्य मौजूद थे।

**माही ब्लू ने 134 रन से जीता उद्घाटन मैच**

जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में सीनियर क्रिकेट लीग टूनार्मेंट के उद्घाटन मैच में यंग स्टार क्रिकेट क्लब ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। माही ब्लू ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 30 ओवर में 9 विकेट पर 216 रन बनाया। हसीबुल इस्लाम ने 38, मयंक राज ने 37, ऋषभ राज ने 20, राकेश कुमार ने 58 रन की पारी खेली। यंग स्टार क्रिकेट क्लब ने मो मुशर्रफ ने 2 व रोहित रमानी ने 4 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करते हुए 18.2 ओवर में 82 रन बना कर ऑल आउट हो गई। रोहित रमानी ने 28, शुभोजीत घोष ने 14 रन की पारी खेली। माही ब्लू के गेंदबाज ऋषभ राज ने 5 व राकेश कुमार ने 2 विकेट लिए। माही ब्लू ने 134 रन से जीत हासिल की। माही ब्लू के खिलाड़ी ऋषभ राज को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। मुख्यातिथि जिला क्रिकेट संघ के सचिव अंकुर सिन्हा ने ऋषभ राज को मैन ऑफ दी मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग अशफाक आलम व श्याम रंजन तिवारी एवं स्कोरिंग मो अनाउल्लाह ने किया।

## दो ऑटो के आमने-सामने टक्कर से दोनों चालक घायल, रेफर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**साहिबगंज :** बरहेट थाना क्षेत्र के बरहेट-बोरियो मुख्य पथ स्तिथ हाई स्कूल रोड गैस गोदाम के समीप दो ऑटो के आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस घटना से दोनों चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के सम्बंध में मिली जानकारी के अनुसार ऑटो चालक सालखो मरांडी (35) बरहेट हाट से अपने घर गिलहा जा रहा था वही विपरित दिशा से ऑटो चालक गोड्डा जिला के महागामा निवासी परवीन बरहर (28) ऑटो लेकर परिवार के साथ अपना ससुराल पतना जा रहा था। वही आमने सामने की टक्कर से दोनों चालक घायल हो गए। हालांकि गिलहा जाने वाली ऑटो में कोई पैसेंजर नहीं था। जबकि दूसरी ऑटो में चालक परिवार के कुछ सदस्य थे जिसको कोई हताहत नहीं है। वही घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट पहुंचाया गया।

घटना की सूचना मिलते ही झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी, सचिव मुजीबुर रहमान, सांसद प्रतिनिधि संजीव सामु हेम्ब्रम, जिला संगठन सचिव छवि हेम्ब्रम, सक्रिय कार्यकर्ता समदा सोरेन, अमजद अंसारी घायल का हालचाल जानने अस्पताल पहुंचे और हर सम्भव इलाज में मदद किये। उक्त दोनों घायलों को डॉक्टर संतोष टुडू ने प्राथमिक उपचार किया। इस घटना में महागामा निवासी परवीन बरहर का दाया पैर टूट गया। जिसका बेहतर इलाज हेतु हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। इधर बरहेट थाना पुलिस एएसआई अशोक सिंह घटना स्थल पहुंचकर मामले की छानबीन मे जुट गई है।

## रेल विकास की मांग को लेकर बंद हुआ रैक लोडिंग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**साहिबगंज :** साहिबगंज व पाकुड़ में रेल विकास की मांग को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा ने रेलवे को अल्टीमेटम देते हुए 16 जनवरी तक का टाइम दिया था। पर दी गई मियाद खत्म हो गई और रेलवे ने साहिबगंज और पाकुड़ में रेल विकास का कोई काम नहीं किया। समय सीमा समाप्त होते ही शुक्रवार से साहिबगंज और पाकुड़ से रैक लोडिंग के माध्यम से होने वाले पत्थर ढुलाई को पूरी तरह से ठप कर दिया गया है। पंकज मिश्रा ने कहा कि यह जनता की मांग है, वे जनता के साथ है और पत्थर व्यवसायी उनके साथ हैं। जब तक रेल विकास को लेकर जनता की मांगे पूरी नहीं होती तब तक शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन जारी रहेगा। बता दें कि अपनी मांगों के समर्थन में पंकज मिश्रा ने साहिबगंज और पाकुड़ जिले के

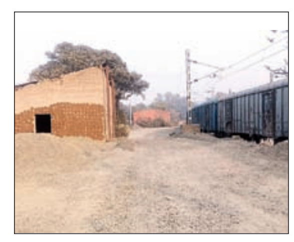

पत्थर व्यवसायियों के साथ बैठक की थी। बैठक में पत्थर व्यवसायियों ने भी रेल विकास से जुड़े मुद्दे को लेकर आंदोलन का पूरा-पूरा समर्थन करने का आश्वासन दिया था। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई हमने साहिबगंज व पाकुड़ के रेल विकास के लिए शुरू की है, पत्थर व्यवसायियों और जनता के प्यार और सहयोग से रेल विकास से जुड़े विभिन्न योजनाओं की मांग रेलवे को हर हाल में पूरा करना होगा। कहा साहिबगंज व पाकुड़ से रैक लोडिंग से रेलवे को तकरीबन 10 करोड रुपए प्रतिदिन राजस्व मिलने के बाद भी रेलवे ने साहिबगंज व पाकुड़ को उपेक्षित कर रखा है, रेलवे यहां से मलाई खा रही है और लाभ किसी और जिले को दे रही है।

**क्या है मांगे**

साहिबगंज में पूर्वी और पश्चिम रेलवे गेट पर आरओबी का निर्माण, भागलपुर से चलने वाली कई ट्रेनों का विस्तार साहिबगंज तक करने, कोरोना के नाम पर बंद किए गए अपर इंडिया को चालू करने, दिल्ली के लिए ट्रेनों की संख्या बढ़ाने, साहिबगंज -हावड़ा इंटरसिटी ट्रेन में एसी कोच की सुविधा देने , वनांचल ट्रेन में एसी फर्स्ट क्लास की सुविधा देने, बेंगलुरु, सूरत और मुंबई के लिए साहिबगंज से ट्रेन की सुविधा देने सहित पाकुड़ से पटना और दिल्ली तक के लिए सीधी ट्रेन सेवा देने, शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन, वंदे भारत ट्रेन, बेंगलुरु के लिए चलने वाली ट्रेनों सहित अन्य महत्वपूर्ण ट्रेनों का ठहराव पाकुड़ रेलवे स्टेशन पर देने की मांग की गई है।

## श्री अग्रसेन स्कूल भुरकुंडा में स्टार्टअप से रोजगार सृजन की प्रेरणा मिली विद्यार्थियों को

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रामगढ़ :** श्री अग्रसेन स्कूल भुरकुंडा में शुक्रवार को राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीनियर क्लास के विद्यार्थियों के लिए एक सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें उन्हें स्टार्टअप से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों की जानकारी दी गई। सेमिनार में शिक्षक अंकित विश्वकर्मा ने विद्यार्थियों को बताया कि स्टार्टअप आज के तेजी से बदलते बाजार में कैसे सफल हो सकता है। उन्होंने व्यावसायिक सफलता में नवाचार की भूमिका, चुनौतियों से निपटने की रणनीति और स्टार्टअप को समर्थन देने के लिए उपलब्ध विभिन्न सरकारी योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से सरकारी निकायों और कॉर्पोरेट क्षेत्र, दोनों से वित्तीय सहायता प्राप्त की जा सकती है। अंकित विश्वकर्मा ने कहा कि उद्यमी बनने के लिए दूरदृष्टि, धैर्य, जोखिम उठाने की क्षमता और निरंतर सीखने की भावना बेहद आवश्यक

होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने नवाचारों को व्यावसायिक रूप देने के लिए प्रेरित किया और कहा कि एक यूनिक आइडिया बना सकता है सफल स्टार्टअप। प्राचार्य विवेक प्रधान ने कहा कि वर्तमान समय में स्टार्टअप समाज और देश के विकास में अहम भूमिका निभा रहे हैं। स्टार्टअप के माध्यम से न केवल आत्मनिर्भरता बढ़ी है, बल्कि कई लोगों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप शुरू करने के लिए साहस और एक यूनिक आइडिया की आवश्यकता होती है। यदि हम अपने आसपास उपलब्ध स्थानीय संसाधनों और सुविधाओं को पहचान लें, तो छोटे स्तर से भी एक सफल स्टार्टअप की शुरूआत की जा सकती है। प्राचार्य ने केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं, स्टार्टअप इंडिया पहल, वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने का साहस रखने की प्रेरणा दी। सेमिनार के अंत में, विद्यार्थियों को अपने नवाचारों को आगे बढ़ाने और स्टार्टअप की दिशा में कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी को राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस की शुभकामनाएं दी गईं और उम्मीद जताई गई कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक साबित होगा।

## अयोध्या धाम में मिलन समारोह सह दही चूड़ा भोज कार्यक्रम का समापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**साहिबगंज :** मकर संक्रांति के पावन अवसर पर पहर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शुक्रवार को प्रातः 11:00 बजे से 4:00 बजे तक साहिबगंज शहर स्थित अयोध्या धाम में बजरंगी प्रसाद यादव राष्ट्रीय मंत्री भाजपा किसान मोर्चा की ओर से मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान समाज के सभी वर्गों जैसे पत्रकार, बुद्धिजीवी, गण्यमान्य लोग, ब्रह्मा कुमारी प्रजापति संस्थान की दीदी एवं राजनीति से जुड़े अन्य पार्टियों के साथ मिलकर उन्हें अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। वही आए लोगों ने दही चूड़ा स्वरूची भोज का आनंद भी सभी ने उठाया।इस अवसर पर बजरंगी यादव ने कहा हर वर्ष मकर संक्रांति के अवसर पर मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजित हुई। उन्होंने कहा 15 जनवरी 2026 को अपने पूज्य पिता जी स्वतंत्रता सेनानी बाबू अर्जुन यादव जी के पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि सभा का कार्यक्रम की गई। जहां 16 जनवरी 2026 को साहिबगंज, देवघर, पाकुड़ एवं आसपास क्षेत्र से सगे संबंधी, मित्र को मिलन समारोह में

आमंत्रित किया गया हैं। इसमें सभी कोई शामिल हुए हैं। यह दलगत राजनीति से अलग हटकर कार्यक्रम होती हैं। सभी कोई मिलकर उत्सव के रूप में मनाते हैं। आपस में मिलते हैं। एक दूसरे को शुभकामना दी जाती हैं। वही कार्यक्रम में शामिल झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता पंकज मिश्रा ने कहा नव वर्ष 2026 मकर संक्रांति, आने वाले सरस्वती पूजा एवं होली पर्व का एक साथ तहे दिल से जिलावासियों, राज्यवासी एवं देशवासी को अभिनंदन व शुभकामना देता हूं। इस नए साल में साहिबगंज जिला की खूब प्रगति हो जिला नई ऊंचाई तक जाए। आपस में एक दूसरे के साथ भाईचारा बना रहे। मौके पर सभी वर्गों के सामाजिक कार्यकर्ता, शहर के बुद्धिजीवी, गण्यमान्य लोग, साधु संत, पत्रकार बंधु समेत महिलाएं मौजूद थी।

# प्री-बोर्ड परीक्षा केंद्र का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

▸ 16 से 20 जनवरी तक आयोजित हो रहे प्री-टेस्ट कदाचारमुक्त एवं अनुशासित परीक्षा पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**पाकुड़ :** आगामी मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा 2026 की तैयारी को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन, पाकुड़ द्वारा परख टेस्ट योजना के अंतर्गत प्री- बोर्ड परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। यह परीक्षा 16 जनवरी से 20 जनवरी 2026 तक जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संचालित की जा रही है।

इसी क्रम में शुक्रवार को उपायुक्त मनीष कुमार ने मध्य विद्यालय

धनुषपूजा परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर परीक्षा से जुड़ी तैयारियों का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों एवं वीक्षकों को कदाचारमुक्त, पारदर्शी एवं अनुशासित परीक्षा संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उपायुक्त ने परीक्षा दे रहे छात्र- छात्राओं से संवाद करते हुए उन्हें आत्मविश्वास, धैर्य एवं सकारात्मक सोच के साथ परीक्षा देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह प्री-बोर्ड परीक्षा छात्रों के लिए मुख्य परीक्षा से पूर्व स्वयं को परखने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जा रही है, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने परीक्षा कक्षों, बैठने की व्यवस्था, प्रश्नपत्र वितरण, पर्यवेक्षण प्रणाली एवं समय-प्रबंधन की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उपायुक्त ने कहा कि प्री-बोर्ड परीक्षा को फाइनल बोर्ड परीक्षा के समान वातावरण में आयोजित करने का उद्देश्य छात्रों में समय प्रबंधन, अनुशासन एवं वास्तविक परीक्षा अनुभव विकसित करना है। प्रश्नपत्र बोर्ड पैटर्न के अनुरूप विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की विशेष टीम द्वारा तैयार किए गए हैं। जिलेभर में प्री-टेस्ट का शांतिपूर्ण एवं सफल आयोजन जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में आज प्री-बोर्ड परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कक्षा 10 वीं के विद्यार्थियों ने प्रथम पाली में सामाजिक विज्ञान एवं द्वितीय पाली में अंग्रेजी की परीक्षा दी। वहीं कक्षा 12 वीं के विद्यार्थियों ने प्रथम पाली में भौतिकी, इतिहास, अकाउंटेंसी तथा द्वितीय पाली में हिंदी, अंग्रेजी, भाषा एवं कोर विषयों की परीक्षा दी। उपायुक्त ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए प्री-टेस्ट अत्यंत आवश्यक हैं। इससे छात्रों को मुख्य परीक्षा की पूर्ण समझ मिलती है और उनकी तैयारी और अधिक मजबूत होती है। उन्होंने सफल आयोजन के लिए सभी विद्यालयों, शिक्षकों, परीक्षा कर्मियों एवं संबंधित पदाधिकारियों को धन्यवाद दिया।

## संक्षिप्त खबरें

### बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल

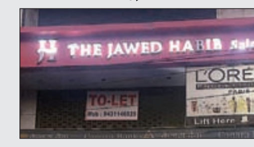


**रामगढ़ :** महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल। बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड , रामगढ़ ने अपनी कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस पहल के तहत देश के प्रतिष्ठित संस्थान जावेद हबीब सैलून में महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए "अग्रिम सौंदर्य विशेषज्ञ पाठ्यक्रम" का आयोजन किया जा रहा है, जिसका शुभारंभ 17 जनवरी 2026 को अपराह्न 3 :00 बजे होगा। महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बीएफसीएल द्वारा सीएसआर के अंतर्गत 10 बालिकाओं को यह व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को आत्मनिर्भर बनने, कौशल विकास करने तथा भविष्य में रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। बीएफसीएल सदैव समाज के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है और कंपनी का मानना है कि महिलाओं को कौशल एवं अवसर प्रदान कर ही एक सशक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है। भविष्य में भी बीएफसीएल इसी प्रकार के जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं एवं युवतियों के सशक्तिकरण हेतु निरंतर कार्य करता रहेगा। जावेद हबीब सैलून, द्वितीय तला, कैनरा बैंक भवन, सुभाष चौक, रामगढ़, झारखंड में आयोजित इस कार्यक्रम के विशेषताएं हैं : अग्रिम सौंदर्य विशेषज्ञ पाठ्यक्रम, 10 बालिकाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण, आत्मनिर्भर बनने और कौशल विकास करने में सहायता, भविष्य में रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त करने में सहायता।

### 69 वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में पाकुड़ के दो होनहार क्रिकेट खिलाड़ियों का झारखण्ड टीम में चयन

**पाकुड़ :** जिले के लिए यह अत्यंत हर्ष एवं गौरव का विषय है कि 69 वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता 2025-26 के अंतर्गत बालक अंडर-14 आयु वर्ग में जिले के दो नवोदित खिलाड़ियों का चयन झारखंड राज्य टीम में किया गया है। चयनित खिलाड़ियों में मनी राज एवं मोहन कुमार सिंह शामिल हैं। गत सप्ताह रांची में आयोजित राज्य स्तरीय चयन ट्रायल में दोनों खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से चयनकताओं को प्रभावित किया, जिसके परिणामस्वरूप उनका चयन राज्य टीम में हुआ। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता 19 जनवरी से 24 जनवरी 2026 तक सीकर में आयोजित की जाएगी। मनी राज एक प्रतिभाशाली बल्लेबाजी ऑलराउंडर हैं, जबकि मोहन कुमार सिंह एक मध्यम गति के तेज गेंदबाज के रूप में अपनी पहचान बना रहे हैं। दोनों खिलाड़ी रानी ज्योतिर्मय स्टेडियम स्थित जिला प्रशासन एवं बीजीआर माइनिंग इंफ्रा लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में संचालित पाकुड़ खेल अकादमी में कोच रणवीर रानू के कुशल मार्गदर्शन में नियमित प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस उपलब्धि पर उपायुक्त मनीष कुमार ने दोनों खिलाड़ियों एवं उनके कोच को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। वहीं जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार ने इसे खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन एवं निरंतर अभ्यास का परिणाम बताते हुए आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएँ दी हैं। पाकुड़ जिला अपने इन उभरते खिलाड़ियों पर गर्व महसूस करता है और आशा करता है कि वे राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले एवं झारखंड राज्य का नाम रोशन करेंगे।

### स्कूल जागरूकता अभियान के तहत क्विज चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

**साहिबगंज:** राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 के अवसर पर साहिबगंज जिले के सभी प्रमुख विद्यालयों में सड़क सुरक्षा स्कूल जागरूकता अभियान के तहत क्विज, चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं सुरक्षित व्यवहार को प्रोत्साहित करना रहा। इसी क्रम में सेंट सेवियर्स स्कूल, साहिबगंज में विशेष सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग, नशे की हालत में वाहन न चलाने, तथा स्कूल बस/ऑटो में सुरक्षित यात्रा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं। साथ ही सभी विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान क्विज, चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। बच्चों को एक आदर्श, जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनकर देश के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर एम.वी.आई. कुमार उत्कर्ष, अभिषेक मुंडा, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, सेंट सेवियर्स स्कूल हिंदी के प्राचार्य इग्नेशियस लकरा, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस सहित विद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित रहे।

### महाराजपुर स्टेशन के समीप ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग महिला की मौत, 48 मिनट तक बाधित रहा परिचालन

**साहिबगंज:** साहिबगंज-बरहरवा रेलखंड पर महाराजपुर स्टेशन के समीप शुक्रवार की दोपहर एक दर्दनाक हादसा हुआ। यहाँ ट्रेन की चपेट में आने से एक महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस दुर्घटना के चलते साहिबगंज-बर्धमान मेमू पैसेंजर ट्रेन को लगभग 48 मिनट तक मौके पर ही खड़ा रहना पड़ा, जिससे रेल परिचालन कुछ समय के लिए बाधित रहा। कैसे हुआ हादसा मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार की दोपहर ट्रेन संख्या 63064 महाराजपुर स्टेशन से खुली थी। ट्रेन स्टेशन से आगे बढ़कर पोल संख्या 217/13 के पास पहुंची ही थी कि अचानक एक महिला गाड़ी के सामने आ गई। ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से शव की शिनाख्त की गई। मृतका की पहचान महाराजपुर बाजार के निवासी भरत राम की सास के रूप में हुई है। 48 मिनट तक रुकी रही ट्रेन हादसे के बाद ट्रेन को घटनास्थल पर ही रोकना पड़ा। शव को ट्रैक से हटाने और जरूरी प्रक्रिया पूरी करने में समय लगा, जिसके कारण ट्रेन करीब 48 मिनट तक वहां खड़ी रही। इसके बाद ही परिचालन सामान्य हो सका।

## कई शहरों में पेट्रोल-डीजल सस्ता, कुछ जगह बढ़े दाम

# ब्रेंट क्रूड 63 डॉलर के नीचे, नोएडा और पटना में राहत, गाजियाबाद में बढ़ोतरी

नईदिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में पिछले दो दिनों के दौरान 4 डॉलर से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है। इसका सीधा असर शुक्रवार सुबह जारी पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों पर देखने को मिला। देश के कई शहरों में तेल के दाम घटे हैं, जबकि कुछ जगहों पर मामूली बढ़ोतरी भी दर्ज की गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बीते 24 घंटों के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में जोरदार गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड 2.76 डॉलर लुढ़ककर 63.76 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है।

वहीं, अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड करीब 1 डॉलर की गिरावट के साथ 59.29 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है। कच्चे तेल की इस कमजोरी का असर घरेलू बाजार पर भी दिखने लगा है।

सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले यानी नोएडा में पेट्रोल 16 पैसे सस्ता होकर 94.74 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। डीजल की कीमत में भी 20 पैसे की गिरावट आई है और यह 87.81 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

वहीं गाजियाबाद में पेट्रोल 12 पैसे महंगा होकर 94.70 रुपये प्रति लीटर और डीजल 14 पैसे बढ़कर 87.81 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में भी आज उपभोक्ताओं को राहत मिली है।

यहां पेट्रोल 18 पैसे गिरकर 105.23 रुपये प्रति लीटर हो गया है, जबकि डीजल 17 पैसे सस्ता होकर 91.49 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

देश के चार प्रमुख महानगरों में आज पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये तथा कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर के भाव पर मिल रहा है।

## रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 42 पैसे टूटकर 99.76 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपये में लगातार तीसरे सत्र में गिरावट रही और यह 10 पैसे टूटकर 90.44 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और डॉलर के मजबूत रुख से घरेलू मुद्रा पर दबाव बना रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कम कीमतों और शेयर बाजार के सकारात्मक माहौल ने घरेलू मुद्रा को हालांकि निचले स्तर पर समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.37 प्रति डॉलर पर खुला। फिर डॉलर के मुकाबले 90.44 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.34 पर बंद हुआ था। मुंबई में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव के अवकाश के मद्देनजर गुरुवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी की गिरावट के साथ 99.10 पर रहा।

## एलटीआई माइंडट्री को 3,000 करोड़ का मिला ठेका

नई दिल्ली । एलटीआई माइंडट्री को केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) से इंसाइट 2.0 परियोजना का ठेका मिला है। इस परियोजना के तहत भारत के राष्ट्रीय कर विश्लेषण मंच का आधुनिकीकरण किया जाएगा और इसे एआई-संचालित प्रणाली में परिवर्तित किया जाएगा। परियोजना का कुल मूल्य लगभग 3,000 करोड़ रुपये है और इसे सात वर्षों में पूरा किया जाएगा। यह मंच नीति-निर्माताओं को वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करेगा, जिससे कर प्रशासन और नीति निर्माण में तेजी और पारदर्शिता आएगी। एलटीआई माइंडट्री के डिजिटल बदलाव और एआई समाधान में नेतृत्व को भी यह परियोजना मजबूत बनाएगी। इंसाइट 2.0 से भारत का कर प्रशासन स्मार्ट, डेटा-सक्षम और भविष्य की चुनौतियों के अनुकूल बनेगा।

# शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

### सेंसेक्स 188, निफ्टी 29 अंक उछला

मुम्बई । भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में खरीदारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 187.64 अंक बढ़कर 83,570.35 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 28.75 अंक ऊपर आकर 25,694.35 अंक पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक और पावर ग्रिड के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही। वहीं इन्फोसिस के शेयर में तो 5 फीसदी से अधिक उछाल आया। इससे आईटी क्षेत्र में भी तेजी रही। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2026 के लिए कमाई का अनुमान बढ़ाकर निवेशकों को हैरान किया है। इन्फोसिस एआई के क्षेत्र में अपनी मजबूत साझेदारी से बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने पर जोर दे रहा है। इससे पहले आज घरेलू बाजारों की शुरुआत मजबूती के साथ हुई। खास तौर पर आईटी सेक्टर के दिग्गज शेयरों में जोरदार खरीदारी देखने को मिली, जिससे बाजार को शुरुआती कारोबार में अच्छा सपोर्ट मिला। इन्फोसिस के नेतृत्व में टीसीएस, विप्रो और एचसीएल टेक जैसे अन्य आईटी शेयरों में भी खरीदारी देखने को मिली। अमेरिकी बाजारों में टेक शेयरों की मजबूती और सकारात्मक ग्लोबल संकेतों से आईटी सेक्टर को फायदा मिला। सेंसेक्स मजबूत बढ़त के साथ 83,670 अंक पर खुला और कुछ

ही देर में 83,700 अंक के स्तर के ऊपर निकल गया। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 238.09 अंक की तेजी के साथ 83,620.80 अंक पर कारोबार कर रहा था। बैंकिंग और आईटी शेयरों में खरीदारी ने सेंसेक्स को मजबूती प्रदान की। निफ्टी-50 भी तेजी के साथ खुला। निफ्टी ने कारोबार की शुरुआत 25,696 अंक पर की और खुलते ही 25,700 अंक के स्तर को पार कर गया।

गुरुवार को महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव के तहत शेयर बाजार बंद रह अमेरिकी शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुए। टेक्नोलॉजी और बैंकिंग शेयरों में तेजी से प्रमुख इंडेक्स ऊपर गए। डॉव जोन्स 0.6 फीसदी चढ़ा, जबकि एसएंडपी 500 में 0.26 फीसदी और नैस्डैक में 0.25 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

## एप्पल पर भारत में एंटी-ट्रस्ट मामले में लग सकता है भारी जुर्माना

मुंबई ।

आईफोन बनाने वाली अमेरिकी कंपनी एप्पल को भारत में प्रतिस्पर्धा-विरोधी आचरण के आरोपों के चलते गंभीर मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। भारतीय प्रे तिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने एप्पल को अंतिम चेतावनी दी है। आयोग का आरोप है कि कंपनी पिछले एक साल से अधिक समय से आवश्यक जानकारी और जवाब देने में सहयोग नहीं कर रही है। यदि सीसीआई एप्पल के ग्लोबल टर्नओवर के आधार पर जुर्माना तय करता है, तो कंपनी पर करीब 38 अरब डॉलर (लगभग 34.33 लाख करोड़ रुपए) का भारी जुर्माना लग सकता है। यह जुर्माना भारतीय प्रतिस्पर्धा कानून के तहत सबसे बड़े मामलों में से एक माना जा सकता है। एप्पल ने इन आरोपों का खंडन किया है और कहा है कि वह किसी भी तरह का दुरुपयोग नहीं कर रही। मामला फिलहाल दिल्ली हाई कोर्ट में विचाराधीन है। कोर्ट में एप्पल ने पूरी जांच पर रोक लगाने की कोशिश की थी, लेकिन सीसीआई ने इसकी मांग खारिज कर दी। 2024 में जांच एजेंसियों ने रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें एप्पल पर आईओएस ऐप बाजार में अपनी मजबूत स्थिति का दुरुपयोग करने और प्रतिस्पर्धा-विरोधी आचरण करने का आरोप लगाया गया था। सीसीआई ने अक्टूबर 2024 में एप्पल से जांच के निष्कर्षों पर आपत्तियां दर्ज करने और वित्तीय जानकारी देने को कहा था, लेकिन कंपनी ने आवश्यक विवरण प्रदान नहीं किया।

# बिटकॉइन में भारी गिरावट, 90,261 डॉलर पर

### - बिटकॉइन की कीमतों पर वैश्विक आर्थिक और नीतिगत कारक डाल रहे हैं असर

नई दिल्ली । पिछले साल 6 अक्टूबर को बिटकॉइन ने 1,26,210.50 डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छुआ, लेकिन इसके बाद कीमत में तेज गिरावट आई। वर्तमान में यह लगभग 90,261 डॉलर पर कारोबार कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस गिरावट के दौरान घबराना सही नहीं है, बल्कि दीर्घकालिक निवेशक इसे अवसर के रूप में देख सकते हैं। बाजार के जानकारों ने कहा कि बाजार की अस्थिरता के बावजूद निवेशकों को अनुशासित तरीके से बिटकॉइन की अतिरिक्त यूनिट जमा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गिरावट का लाभ उठाकर दीर्घकालिक दृष्टिकोण बनाए रखना फायदेमंद साबित हो सकता है। बिटकॉइन की कीमतों पर वैश्विक आर्थिक और नीतिगत कारक असर डाल रहे हैं। बैंक ऑफ जापान द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी और अमेरिकी फेड द्वारा भविष्य की दरों में कटौती को लेकर सतर्क संकेतों ने बाजार में अनिश्चितता बढ़ाई। अमेरिका में लंबे समय तक कामकाज बंद रहने से निवेशकों में सतर्कता और बढ़ गई। अक्टूबर में रैली के बाद चौथी तिमाही में संस्थागत निवेशकों ने मुनाफावसूली की। बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि अत्यधिक लीवरेज वाली पोज़ीशन को समाप्त किया गया। विशेषज्ञों का सुझाव है कि निवेशक फटाफट निर्णय न लें। बाजार की अस्थिरता के बावजूद दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना और अनुशासित निवेश करना लाभकारी हो सकता है।

# स्मार्टफोन और इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की कीमतें बढ़ेंगी

### - महंगाई का मुख्य कारण है मेमोरी चिप्स की बढ़ती कीमतें और सप्लाई की कमी

नई दिल्ली । 2026 के बजट से पहले उपभोक्ताओं को इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स की कीमतें घटने की उम्मीद थी, लेकिन इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स इसके उलट संकेत दे रहे हैं। एआई और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग की बढ़ती मांग के कारण मेमोरी चिप्स महंगी हो रही हैं। एक अध्ययन के अनुसार पिछले कुछ महीनों में चिप्स की कीमतें 40-50 फीसदी तक बढ़ चुकी हैं और आने वाली तिमाहियों में और 20 फीसदी तक बढ़ने की संभावना है। कुछ ब्रांड जैसे विवो और ने थिंग ने जनवरी में अपने स्मार्टफोन के दाम 3,000-5,000 रुपए बढ़ा दिए हैं। वहीं सेससंग जैसी कंपनियां सीधे दाम बढ़ाने के बजाय कैशबैक और डिस्काउंट घटाकर कीमतों को अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ा रही हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि नई लॉन्चिंग में कंपनियां श्रिंकफ्लेशन अपना सकती हैं, यानी डिस्प्ले या अन्य कंपोनेंट्स की क्वालिटी में हल्का कटौती कर सकती हैं। कुछ रिटेलर्स ने नवंबर-दिसंबर में 5-10 फीसदी तक कीमतें बढ़ाई हैं और फरवरी में अतिरिक्त बढ़ोतरी की योजना है। उनके अनुसार

स्मार्टफोन की कीमतें अगले कुछ महीनों में कुल मिलाकर 30 फीसदी तक बढ़ सकती हैं। इससे 20,000 रुपए से कम कीमत वाले स्मार्टफोन्स पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा और बाजार में 10-12 फीसदी तक गिरावट आ सकती है। उपभोक्ता फिलहाल खरीदारी को रोककर सही समय का इंतजार कर रहे हैं।

## डाक मार्ग से निर्यात पर भी लागू होंगी निर्यात प्रोत्साहन योजना

### - नई पहल से छोटे शहरों और दूरदराज के क्षेत्रों के निर्यातकों को मिलेगा बड़ा लाभ

नई दिल्ली । केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने शुक्रवार को घोषणा की कि अब आरओडीटीईपी और आरओएससीटीएल एजैसी निर्यात प्रोत्साहन योजनाएं डाक के माध्यम से भेजे जाने वाले माल पर भी लागू होंगी। यह निर्णय 15 जनवरी 2026 से प्रभावी हो गई है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि इससे विशेष रूप से छोटे शहरों और दूरदराज के क्षेत्रों के निर्यातकों (एमएसएमई) की प्रतिस्पर्धा में सुधार होगा और डाक निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। ड्यूटी ड्रॉबैक योजना के तहत निर्यातक को उस माल के निर्माण में इस्तेमाल किए गए कच्चे माल पर चुकाए गए सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क का पूरा या आंशिक रिफंड मिलेगा। इसके अलावा आरओडीटीईपी और आरओएससीटीएल योजनाओं के माध्यम से राज्य एवं केंद्रीय करों में छूट दी जाएगी। कर विशेषज्ञों बताया कि डाक मार्ग के लिए इन लाभों का विस्तार करने से दूरस्थ क्षेत्रों के एमएसएमई के लिए लंबी अवधि से चली आ रही अनुपालन बाधाओं को दूर किया गया है। सीबीआईसी ने इसके लिए डाक निर्यात (इलेक्ट्रॉनिक घोषणा और प्रसंस्करण) विनियम, 2022 में संशोधन किया। इसके तहत निर्यातक अब डाक मार्ग से किए गए निर्यात पर सभी लाभों का दावा कर सकेंगे। भारत में वर्तमान में 28 विदेशी डाकघर अधिसूचित हैं। इसके अलावा, डाक आयात विनियम, 2025 और आईजीएसटी रिफंड के स्वचालन जैसे कदमों से डाक माध्यमों के जरिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार को और सुगम बनाया गया है।

## मिडकैप सूचकांक का कमजोर प्रदर्शन, लार्जकैप ने बढ़त बनाई

नई दिल्ली । कैलेंडर वर्ष 2025 में तेजी से बढ़ते मिडकैप शेयरों ने पिछले दो साल के रुझान को पलटते हुए कमजोर प्रदर्शन किया। बीएसई मिडकैप सूचकांक वर्ष 2025 में केवल 1.1 प्रतिशत बढ़ा, जबकि 2024 में यह 26.1 प्रतिशत की तेजी दर्ज कर चुका था। यह 2019 के बाद का सबसे खराब सालाना प्रदर्शन है। कुल मिलाकर सूचकांक के 140 में से 84 शेयर (लगभग 61 फीसदी) पिछले साल गिरावट के साथ बंद हुए, जिसमें 17 शेयरों की कीमतें 30 प्रतिशत से अधिक गिरीं। इस बीच बड़े शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया। बीएसई सेंसेक्स 2025 में 9.1 प्रतिशत बढ़ा, जो 2024 की 8.2 प्रतिशत की बढ़त से थोड़ी बेहतर रही। इससे साफ होता है कि निवेशकों ने जोखिम कम करने के लिए मिडकैप की तुलना में लार्जकैप शेयरों को प्राथमिकता दी। मिडकैप में अलग-अलग शेयरों के प्रदर्शन में बड़ा अंतर रहा। एलएंडटी फाइनेंस ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया, जो 133 प्रतिशत चढ़ा। दूसरी ओर, ओला इलेक्ट्रिक का बाजार पूंजीकरण लगभग 58 प्रतिशत घटा। कुल मिलाकर, मिडकैप सूचकांक में 18 शेयरों ने 30 प्रतिशत या उससे अधिक की तेजी दिखाई, जिनमें से 12 शेयरों में 50 प्रतिशत या उससे ज्यादा बढ़त रही।

# अनधिकृत वॉकी-टॉकी बेचने वाले ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म्स पर 44 लाख का जुर्माना

### - लाइसेंस छूट वाले आवृत्ति बैंड के बाहर वाले पीएमआर उपकरणों की बिक्री करने का मामला

नई दिल्ली । केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 और दूरसंचार कानूनों का उल्लंघन करने वाले ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म्स के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई शुरू की। यह कार्रवाई उन प्लेटफ़ॉर्म्स के खिलाफ की गई, जिन्होंने अनधिकृत वॉकी-टॉकी (पीएमआर) को सूचीबद्ध और बेचा। सीसीपीए ने विभिन्न प्लेटफ़ॉर्म्स पर 16,970 से अधिक गैर-अनुपालन उत्पादों की पहचान की। जिनमें मीशो, मेटा प्लेटफ़ॉर्म्स (फेसबुक मार्केटप्लेस), फ्लिपकार्ट, अमेजन, चिमिया, जियोमार्ट, टॉक प्रो, मास्कमैन टॉयज, ट्रेडइंडिया, अंतरिक्ष टेक्नोलॉजीज, वरदानमार्ट, इंडियामार्ट और कृष्णा मार्ट शो मिल हैं। प्राधिकरण ने पाया कि ये मंच लाइसेंस छूट वाले आवृत्ति बैंड (446.0-446.2 एमएचजेड) के बाहर वाले पीएमआर उपकरणों की बिक्री कर रहे थे। इन उपकरणों के लिए उपकरण प्रकार अनुमोदन (ईटीए) प्रमाणन और लाइसेंसिंग आवश्यकताओं का पालन नहीं किया गया। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बताया कि प्राधिकरण ने उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन, भ्रामक विज्ञापनों एवं अनुचित व्यापार प्रथाओं के लिए मीशो, मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक (फेसबुक मार्केटप्लेस), फ्लिपकार्ट तथा अमेजन पर 10 लाख रुपये औ+र चिमिया, जियोमार्ट, टॉक प्रो और मास्कमैन टॉयज पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। उन्होंने बताया कि मीशो, मेटा, चिमिया, जियोमार्ट और टॉक प्रो ने अपना जुर्माना अदा कर दिया है। शेष मंचों ने अभी भुगतान नहीं किया है।मौजूदा नियमों के तहत, लाइसेंस छूट केवल 446.0-446.2 मेगाहर्ट्ज बैंड में ही संचालित होने वाले पीएमआर पर लागू होती है। लघु-श्रेणी रेडियो आवृत्ति उपकरणों के उपयोग संबंधी नियम 2018 का नियम पांच यह अनिवार्य करता है कि विनिर्माताओं तथा विक्रेताओं को ऐसे उपकरणों के आयात, बिक्री या संचालन से पहले ईटीए (अनुमति और प्रमाणीकरण) प्राप्त करना होगा।

## भारत-ईयू एफटीए पर 27 जनवरी को बड़ा ऐलान संभव

### - दिल्ली शिखर सम्मेलन में तय होगी समझौते की रूपरेखा

नई दिल्ली । भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत के निष्कर्ष की घोषणा 27 जनवरी को हो सकती है। यह घोषणा ईयू के शीर्ष नेतृत्व की भारत यात्रा (25-27 जनवरी) के दौरान, 16वें भारत-ईयू शिखर सम्मेलन में होने की संभावना है। हालांकि अंतिम समझौते पर तत्काल हस्ताक्षर की संभावना कम है, लेकिन समझौते की रूपरेखा तय होने की उम्मीद है। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सह-अध्यक्षता करेंगे। दोनों नेता इस वर्ष के गणतंत्र दिवस परेड के मुख्य अतिथि भी होंगे। पिछले तीन महीनों में वार्ता के ÷अंतिम और सबसे कठिन÷ चरण में रही। कुल 24 मुद्दों में से 20 पर सहमति बन चुकी है, जबकि कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर अभी भी चर्चा चल रही है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के अनुसार, नेता बैठक से पहले प्रयास जारी हैं। अंतिम पैकेज में कृषि शामिल नहीं होगी। यूरोपीय आयोग ने स्पष्ट किया कि कृषि को समझौते से बाहर रखा गया है। ब्रसेल्स ने यूरोपीय वाइन और शराब पर 150त्न शुल्क कम करने पर भारत के साथ सहमति बनाई है। कठिन बिंदुओं में इस्पात आयात पर ईयू नीतियां और भारत के लिए कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म शामिल हैं। ईयू के लिए वाहन वाइन और कृषि उत्पादों पर कम शुल्क प्रमुख हित हैं। इसके लिए वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और वाणिज्य सचिव अग्रवाल ने जनवरी में ब्रसेल्स में उच्चस्तरीय वार्ता की।

## भारत में बेरोजगारी दर 4.8 फीसदी पर, श्रम बाजार सक्रिय

**नई दिल्ली ।** दिसंबर में बेरोजगारी राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के अनुसार दिसंबर 2025 में भारत की बेरोजगारी दर बढ़कर 4.8 फीसदी हो गई, जो नवंबर के 4.7 फीसदी से थोड़ी अधिक है। यह आठ महीने में दूसरा निचला स्तर है। शहरी क्षेत्र में बेरोजगारी दर 6.7 फीसदी तक बढ़ी, जबकि ग्रामीण क्षेत्र में यह स्थिर 3.9 फीसदी बनी रही। महिलाओं की बेरोजगारी 4.7 फीसदी और पुरुषों की 4.9 फीसदी रही, जो पिछली रिपोर्ट से मामूली बढ़ोतरी दर्शाती है। श्रमबल हिस्सेदारी दर बढ़कर 56.1 फीसदी हो गई। ग्रामीण श्रमबल हिस्सेदारी 59 फीसदी और शहरी 50.2 फीसदी रही। 15 साल या उससे अधिक उम्र की महिलाओं की श्रमबल हिस्सेदारी 35.5 फीसदी तक पहुंच गई।

# चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट, सोना भी हुआ सस्ता

### - चांदी का भाव 2,89,050 प्रति किलो, सोना 1,42,799 रुपए प्रति 10 ग्राम

नई दिल्ली । घरेलू वायदा बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर बाजार खुलते ही चांदी की कीमतों में तेज दबाव देखने को मिला और यह करीब 6,000 रुपये प्रति किलो तक टूट गई। वहीं सोने की कीमतों में भी मामूली कमजोरी नजर आई, जिससे निवेशकों में थोड़ी सतर्कता देखी गई। 5 मार्च डिलीवरी वाली चांदी पिछले कारोबारी सत्र में 2,91,577 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। शुक्रवार को यह गिरावट के साथ 2,87,127 रुपये प्रति किलो पर खुली। शुरुआती कारोबार में चांदी 2,85,513 रुपये के निचले स्तर तक फिसल गई, जबकि इसका ऊपरी स्तर 2,88,901 रुपये रहा। इस समय चांदी 2,527 रुपये की गिरावट के साथ 2,89,050 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रही थी। बाजार में आई इस गिरावट को मुनाफावसूली और वैश्विक संकेतों से जोड़कर देखा जा रहा है। वहीं सोने की कीमतों में भी हल्की गिरावट देखने को मिली। 5 फरवरी डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,43,121 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था, जबकि शुक्रवार को यह 1,42,589 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में सोना 1,42,400 रुपये के निचले स्तर तक गया और 1,42,837 रुपये के उच्च स्तर तक पहुंचा। इस समय सोना 322 रुपये की गिरावट के साथ 1,42,799 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता नजर आया। हालांकि कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन लंबी अवधि के लिहाज से कीमती धातुओं का रुझान मजबूत बना हुआ है। साल 2026 में अब तक सोने की कीमत करीब 5 फीसदी और चांदी की कीमत लगभग 15 फीसदी बढ़ चुकी है। वहीं बीते एक साल में सोने ने करीब 80 फीसदी का रिटर्न दिया है, जबकि चांदी ने लगभग 192 फीसदी की जबरदस्त तेजी दिखाई है।

# सीएम नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा

## पहले दिन पश्चिम चंपारण के लोगों को देंगे बड़ी सौगात

**पटनां।** स्वास्थ्य को लेकर सवाल उठाने वाले विपक्ष को जवाब देने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज से जमीन पर उतर रहे हैं। अपनी समृद्धि यात्रा के जरिए वह जन-जन के बीच पहुंचने की तैयारी में हैं। राज्य की विकास योजनाओं की जमीनी हकीकत जानने और जनता से सीधा संवाद करने के लिए वह इस यात्रा की शुरूआत कर रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज से समृद्धि यात्रा की शुरूआत कर रहे हैं। यात्रा के पहले दिन वह पश्चिम चम्पारण के लोगों को करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं की सौगात देंगे। पश्चिम चंपारण में वह 153 करोड़ रुपये की लागत से 125 योजनाओं का शिलान्यास करेंगे, जबकि 29 करोड़ रुपये की लागत से 36 योजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा। इन योजनाओं से जिले में आधारभूत

संरचना, जनसुविधाओं और विकास कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद है। समृद्धि यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कुमारबाग औद्योगिक क्षेत्र का भी स्थलीय निरीक्षण करेंगे। यहां वे औद्योगिक विकास, निवेश की संभावनाओं और स्थानीय रोजगार सृजन से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। मुख्यमंत्री की इस यात्रा को लेकर प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ कार्यक्रम स्थल पर सभी विभागों को अलर्ट मोड में रखा गया है। समृद्धि यात्रा के जरिए मुख्यमंत्री सरकार की योजनाओं की जमीनी हकीकत परखने के साथ-साथ जनता से सीधा संवाद भी करेंगे। इधर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के यात्रा पर निकलने के संबंध में मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, मुख्यमंत्री के दौरे के समय संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव या सचिवों को स्थल पर उपस्थित रहना होगा। समीक्षा बैठक में पुलिस महानिदेशक सहित सभी महत्वपूर्ण विभागों के आला अफसर मौजूद रहेंगे। विशेष परिस्थितियों में ही विभाग के दूसरे वरिष्ठतम अधिकारी को बैठक में शामिल होने की अनुमति दी गई है। इस संबंध में मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने स्पष्ट रूप से सभी जिलों के डीएम को निर्देश दिया है कि वे समय रहते यात्रा की तैयारी पूरी कर लें। उन्होंने समीक्षा बैठक से पहले विभागीय सचिवों को अपने विभागों की योजनाओं की पूर्व समीक्षा करने को कहा है ताकि मुख्यमंत्री के सामने सटीक जानकारी पेश की जा सके। जानिए, मुख्यमंत्री कहां-किस जिले में पहुंचेंगे 16 जनवरी को नेपाल सीमा से सटे पश्चिम चंपारण से नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा शुरू हो रही है। उधर से वह 17 जनवरी को पूर्वी चंपारण जाएंगे। रविवार को विश्राम के बाद 19 जनवरी को सीतामढ़ी-शिवहर, 20 को गोपालगंज, 21 को सीवान, 22 को सारण, 23 को मुजफ्फरपुर और 24 को वैशाली की यात्रा कर पटना लौटेंगे। इस दौरान वह दिसंबर 2024 की प्रगति यात्रा में शुरू कराई योजनाओं और सात निश्चय योजना की प्रगति की समीक्षा करेंगे। उद्घाटन-शिलान्यास आदि के साथ जन-संवाद और समीक्षा बैठकें भी करेंगे, जैसा हर यात्रा में करते रहे हैं। में नीतीश कुमार रिटायर होंगे? 16 जनवरी से समृद्धि यात्रा करते हुए क्या संदेश देंगे बिहार के सीएम मुख्यमंत्री को मीडिया से रखा जाता है दूर नीतीश कुमार मीडिया से बहुत मुखातिब नहीं होते। मिलना तो असंभव है। इंटरव्यू तो दूर, सरकार की ओर से जारी होने वाला वीडियो भी आवाज हटाकर (म्यूट कर) जारी किया जाता है। यह सब अपनी जगह है। वह बयान से जवाब नहीं देते। 2023 के बाद से यह प्रायः बंद है। मीडियाकर्मियों को मुख्यमंत्री तक पहुंचने नहीं दिया जाता है। इसके कारण सवाल उठता रहा है, लेकिन जवाब देने कभी कोई सामने नहीं आता। चाणक्य इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिकल राइट्स एंड रिसर्च के अध्यक्ष सुनील कुमार सिन्हा कहते हैं- ₹मुख्यमंत्री का वीडियो भले ही म्यूट आता है, लेकिन वह एक्शन में हैं और विपक्ष के युवा नेताओं से ज्यादा। मीडिया से दूरी की शिकायत कोई सुनने वाला नहीं, यह घातक है।

## तेज रफ्तार बोलेरो की टक्कर से मिडिल स्कूल के शिक्षक की मौत

**तिरहुत-मुजफ्फरपुर।** रामनगर में तेज रफ्तार बोलेरो की टक्कर से मिडिल स्कूल के शिक्षक जयप्रकाश पंडित की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पश्चिमी चंपारण के गोवर्धन थाना क्षेत्र अंतर्गत सैनिक रोड स्थित बसवरिया टोला के पास गुरुवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में 40 वर्षीय शिक्षक की मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार बोलेरो की चपेट में आने से सिंगाही मिडिल स्कूल में कार्यरत शिक्षक जयप्रकाश पंडित की जान चली गई। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। मृतक जयप्रकाश पंडित स्वर्गीय किशोर पंडित के पुत्र थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वे रोज की तरह शाम के समय घर से दूध लेने निकले थे। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वे सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच

गई। स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से घायल शिक्षक को तत्काल रामनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सक डॉ. राजेश कुमार ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही गोवर्धन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने बोलेरो वाहन को जब्त कर लिया है। थाना प्रभारी जयकुमार ने बताया कि वाहन में सवार चार लोगों में से दो को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है,

## संक्षिप्त खबरें

### मासिक अपराध गोष्ठी में एसपी का सख्त संदेश

सहरसा पुलिस अब अपराध अनुसंधान में वैज्ञानिक पद्धति अपनाएगी। मासिक अपराध गोष्ठी में एसपी हिमांशु ने क्राइम सीन को सुरक्षित रखने, पीओ किट के उपयोग और बीएनएस के तहत एफएसएल जांच को अनिवार्य बताते हुए सख्त निर्देश दिए। अपराधियों को सजा दिलाने के लिए अब सहरसा पुलिस पुराने तरीकों के बजाय वैज्ञानिक पद्धति से काम करेगी। जवाहर विकास भवन में आयोजित मासिक अपराध गोष्ठी के दौरान पुलिस अधीक्षक हिमांशु ने इसके स्पष्ट संकेत दिए। उन्होंने जिले के सभी थानाध्यक्षों को पीओ (प्रिजर्वेशन ऑफ ऑब्जेक्ट्स) किट उपलब्ध कराते हुए कहा कि किसी भी मामले में क्राइम सीन सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होती है। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए एसपी हिमांशु ने कहा कि घटनास्थल में अपराध से जुड़े कई अहम रहस्य छिपे होते हैं। यदि साक्ष्य संकलन में जरा भी लापरवाही बरती गई तो अपराधी इसका लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी घटनास्थल से छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी और साक्ष्यों को वैज्ञानिक तरीके से सुरक्षित कर संकलित किया जाए। 'तकनीकी रूप से दक्ष होने की आवश्यकता' एसपी ने अधिकारियों को नई भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि अब सात वर्ष या उससे अधिक सजा वाले मामलों में फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की जांच अनिवार्य कर दी गई है। ऐसे मामलों में पुलिस को साक्ष्य संरक्षण के प्रति और अधिक संवेदनशील एवं तकनीकी रूप से दक्ष होने की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से जिले के सभी थानों को विशेष पीओ किट उपलब्ध कराई गई है, साथ ही उनके उपयोग को लेकर प्रशिक्षण भी दिया गया है। मासिक अपराध गोष्ठी में एसपी ने लंबित और पुराने मामलों की भी समीक्षा की तथा उनके शीघ्र निष्पादन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बेहतर अनुसंधान और समयबद्ध कार्रवाई से ही आम जनता का पुलिस पर विश्वास मजबूत किया जा सकता है। बैठक में मुख्यालय डीएसपी धीरेंद्र कुमार पांडे, डीएसपी कमलेश्वर प्रसाद सिंह, सदर एसडीपीओ आलोक कुमार तथा सिमरी बख्तियारपुर एसडीपीओ मुकेश कुमार ठाकुर समेत जिले के सभी थानाध्यक्ष उपस्थित रहे।

### खुद के नाम जमाबंदी नहीं होने से अटका रजिस्ट्रेशन

संवाद सहयोगी, लखीसराय। सरकार द्वारा किसानों को फसल ऋण, फसल बीमा, मुआवजा एवं आपदा राहत जैसी योजनाओं का लाभ सरलता से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से फार्मर रजिस्ट्री व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत प्रथम चरण में उन्हीं किसानों की फार्मर रजिस्ट्री की जा रही है, जिनके नाम से भूमि की जमाबंदी कायम है और जो प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभुक हैं। जिले में फार्मर रजिस्ट्री अभियान की शुरूआत पांच दिसंबर 2025 को रामगढ़ चौक प्रखंड से की गई थी। यह अभियान 31 दिसंबर 2025 तक प्रस्तावित था, लेकिन भूमि संबंधी लंबित मामलों के निष्पादन में राजस्व कर्मचारियों के व्यस्त रहने के कारण 10 दिसंबर से 31 दिसंबर तक फार्मर रजिस्ट्री का कार्य बाधित रहा। इसके बाद छह जनवरी 2026 से 11 जनवरी 2026 तक फार्मर रजिस्ट्री को लेकर विशेष इस अवधि में जिले के प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के कुल 49,123 सक्रिय लाभुक किसानों में से 40,656 किसानों का ई-केवाईसी पूरा किया जा सका, जबकि मात्र 9,190 किसानों की ही फार्मर रजिस्ट्री हो पाई। फार्मर रजिस्ट्री की धीमी प्रगति को देखते हुए सरकार ने पुनः 18 जनवरी 2026 से 21 जनवरी 2026 तक गहन अभियान चलाने का निर्णय लिया है। प्रखंडवार स्थिति (6 से 11 जनवरी 2026 तक) बड़हिया प्रखंड में 3,950 लाभुकों में 4,122 का ई-केवाईसी तथा 1,021 की फार्मर रजिस्ट्री हुई। चानन प्रखंड में 8,532 लाभुकों में 6,336 का ई-केवाईसी और 1,456 की रजिस्ट्री की गई। हलसी प्रखंड में 7,350 लाभुकों में 5,675 का ई-केवाईसी और 2,060 की रजिस्ट्री हुई। लखीसराय प्रखंड में 5,576 लाभुकों में 4,625 का ई-केवाईसी और 812 की रजिस्ट्री हुई। पिपरिया प्रखंड में 2,678 लाभुकों में 2,236 का ई-केवाईसी और 514 की रजिस्ट्री की गई। रामगढ़ चौक प्रखंड में 4,331 लाभुकों में 3,783 का ई-केवाईसी और 950 की रजिस्ट्री हुई। वहीं सूर्यगढ़ा प्रखंड में सर्वाधिक 16,706 लाभुकों में 13,879 का ई-केवाईसी और 2,377 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री की गई। प्रथम चरण में केवल उन्हीं किसानों की फार्मर रजिस्ट्री हो रही है, जिनके नाम से भूमि की जमाबंदी दर्ज है। जिले के अधिकांश प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभुक किसानों की भूमि उनके पिता या परिवार के अन्य सदस्यों के नाम से दर्ज है।

## खेत में इस बात को लेकर महिला की पीट-पीटकर की हत्या

**पटना।** मुजफ्फरपुर के मनियारी थाना क्षेत्र में हुए विवाद में एक महिला की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद गांव में तनाव है, पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने जो खौफनाक कहानी बताई है वो काफी डरावनी है। चलिए जानते हैं क्या-क्या बताया है? बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में बकरी द्वारा मकई का खेत चरने को लेकर हुए विवाद में एक महिला की पीट-पीटकर हत्या कर दिए जाने का मामला सामने आया है। घटना मनियारी थाना क्षेत्र के रतनौली गांव की है। वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है और हालात को देखते हुए कई थानों की पुलिस मौके पर कैंप कर रही है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को हिरासत में लिया है शुरू में कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। आरोप है कि इस दौरान आरोपियों ने सुनैना देवी की बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। कई थानों की

पुलिस मौके पर तैनात घटना की सूचना मिलते ही मनियारी, कुढ़नी और तुर्की थाना की पुलिस मौके पर पहुंच गई। गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए एसडीपीओ पश्चिमी-2 एसी ज्ञानी भी अतिरिक्त पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर कैंप कर रहे हैं। परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया कि सुनैना देवी की इतनी बेरहमी से पिटाई की गई कि उसकी जान चली गई। परिजनों का कहना है कि सभी आरोपी बाइक से आए थे और उनकी संख्या आठ से दस के बीच थी। आरोप है

## गंगा किनारे पुलिस व अपराधियों के बीच मुठभेड़

**पटना।** पटना के मनेर थाना क्षेत्र में लूटकांड के आरोपियों की गिरफ्तारी के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच गंगा नदी किनारे भीषण मुठभेड़ हुई। जवाबी कार्रवाई में एक अपराधी गोली लगने से घायल हुआ, जबकि दो अन्य फरार हो गए। पटना के मनेर के पास लूट में शामिल अपराधी और पुलिस के बीच हुई मुठभेड़ के दौरान घायल अपराधी। छह दिन पहले बस्ती रोड स्थित गणपति ज्वेलर्स के मालिक संजय सोनी पर लूट के दौरान गोली चलाने वाले अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए गई पुलिस टीम पर बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इसके बाद मनेर थाना क्षेत्र के रतन टोलाझसादिकपुर स्थित गंगा नदी के किनारे पुलिस और अपराधियों के बीच काफी देर तक भीषण मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के दौरान मनेर थाना अध्यक्ष रजनीश कुमार समेत पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की, जिसमें एक अपराधी के

पैर में गोली लग गई और वह घायल हो गया। वहीं, दो अन्य अपराधी मौके से फरार होने में सफल रहे। घायल अपराधी गिरफ्तार मुठभेड़ में घायल अपराधी की पहचान मनेर थाना क्षेत्र के सुअर मरवा पंचायत अंतर्गत चौरासी गांव निवासी सुभाष राय के पुत्र नीतीश कुमार के रूप में हुई है। घायल अवस्था में उसे पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार चल रहा है। फरार अपराधियों की तलाश जारी मुठभेड़ के बाद फरार हुए दोनों अपराधियों की पहचान कर ली गई है। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। मुठभेड़ की सूचना मिलते ही पटना पश्चिमी सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह और दानापुर डीएसपी-2 अमरेंद्र कुमार झा भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। थाना अध्यक्ष ने दी जानकारी मनेर थाना अध्यक्ष रजनीश कुमार ने बताया कि वरीय अधिकारियों के निर्देश पर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए टीम के साथ छापेमारी की जा रही थी। सूचना मिली थी कि आरोपी गंगा नदी के किनारे छिपे हुए हैं। इसी क्रम में रतन टोलाझ सादिकपुर क्षेत्र में दबिश दी गई, जहां अपराधियों ने पुलिस को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस को भी गोली चलानी पड़ी, जिसमें नीतीश कुमार घायल हो गया। गौरतलब है कि 9 जनवरी को मनेर के बस्ती रोड स्थित गणपति ज्वेलर्स के मालिक संजय सोनी से लूट के दौरान बदमाशों ने गोली मारकर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था। वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों अपराधी अपनी बाइक मौके पर छोड़कर फरार हो गए थे। बाद में जांच में पता चला कि बरामद बाइक राजीव नगर थाना क्षेत्र से चोरी की गई थी, जिसका इस्तेमाल अपराधियों ने घटना को अंजाम देने में किया था। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है

## बिहार के 19 जिलों का पारा आठ डिग्री से नीचे, ठंड और बढ़ेगी

### स्कूल बंद करने मांग कर रहे अभिभावक

**पटनौ।** भागलपुर, सीवान, सहरसा, समस्तीपुर, नालंदा में पारा लुढ़क कर साढ़े छह डिग्री तक चला गया। 24 घंटा बाद से ठंड और बढ़ने के आसार हैं। ऐसे में अभिभावक बच्चों को स्कूल भेजने से डर रहे हैं। उनका कहना है कि कड़ाके की ठंड को देखते हुए प्रशासन फौरन स्कूल बंद करने का आदेश जारी करे। बिहार में ठंड से राहत नहीं मिल रही है। दोपहर बाद से से ठिठुरन महसूस होने लगी है। पिछले 24 घंटे में 19 जिलों का तापमान आठ से नीचे दर्ज किया गया है। भागलपुर सबसे ठंडा जिला रहा। यहां का न्यूनतम तापमान 5.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य में न्यूनतम तापमान 5.9 से 12.5 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। मौसम विज्ञान के अनुसार, 24 घंटे बाद ठंड और बढ़ सकती है। पहाड़ों पर बर्फबारी हो रही है। इसका असर बिहार में भी देखने को मिल रह है। शनिवार से सुबह के समय घना कोहरा देखने को मिलेगा। अधिकतम तापमान में भी गिरावट होगी। ठंड हवाओं के कारण दिन में भी कनकनी महसूस होगी। पूवार्नुमान के मुताबिक, अगले दो से तीन दिनों तक अधिकतम और न्यूनतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। इसके बाद अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे वृद्धि हो सकती है। मौसम विभाग ने लोगों को

सुबह और देर रात कोहरे को देखते हुए सतर्क रहने की सलाह दी है, खासकर सड़क और रेल यातायात में सावधानी बरतने की आवश्यकता है। पिछले 24 घंटे में राज्य में सबसे कम दृश्यता 400 मीटर मोतिहारी (पूर्वी चंपारण) में दर्ज की गई। मौसम विभाग ने बताया कि आने वाले सात दिनों के दौरान राज्य के अनेक हिस्सों में हल्के से मध्यम स्तर का कोहरा छाए रहने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, न्यूनतम तापमान में बड़ी गिरावट भले न हो, लेकिन सुबह और देर रात ठंड के साथ कोहरे के कारण लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। खासकर ग्रामीण इलाकों और हाईवे पर दृश्यता कम रहने से आवागमन प्रभावित हो रहा ह

## कैंसर के मरीजों-तीमारदारों मुंबई में रहने में नहीं होगी दिक्कत

### नीतीश सरकार बनाएगी 30 मंजिला बिहार

**पटना।** बिहार के लोगों को मुंबई में इलाज में कोई परेशानी न हो, इसके लिए राज्य सरकार ने बड़ी पहल ही है। अब दिल्ली की तर्ज पर मुंबई में भी भवन का निर्माण करवाया जाएगा। सचिव कुमार रवि ने इस मामले में सारी जानकारी दी। नीतीश सरकार ने राज्य से बाहर बिहारवासियों की सुविधा के लिए बड़ा कदम उठाया है। दिल्ली की तर्ज पर अब मुंबई में भी बिहार भवन का निर्माण किया जाएगा। मुंबई पोर्ट ट्रस्ट क्षेत्र के एलिफिंस्टन एस्टेट में बनने वाला यह भवन आधुनिक सुविधाओं से युक्त करीब 30 मंजिला होगा। इसके निर्माण को लेकर राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में 314 करोड़ 20 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने बताया कि मुंबई में प्रस्तावित बिहार भवन से न सिर्फ सरकारी कार्यों और बैठकों को सुविधा मिलेगी, बल्कि खासतौर पर बिहार से इलाज के लिए मुंबई आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को बड़ी राहत मिलेगी। विशेष

रूप से कैंसर जैसे गंभीर रोगों के इलाज के लिए आने वाले लोगों के ठहरने की समुचित व्यवस्था यहां की जाएगी। करीब 0.68 एकड़ क्षेत्र में बनने वाले इस बहुमंजिला भवन की ऊंचाई जमीन से 69 मीटर होगी।

इसमें कुल 178 कमरे बनाए जाएंगे। मरीजों और उनके परिजनों के लिए 240 बेड की क्षमता वाला डोरमेट्री भी विकसित किया जाएगा। इसके अलावा भवन में सेंसर आधारित स्मार्ट ट्रिपल और डबल डेकर पार्किंग की व्यवस्था होगी, जहां एक साथ 233 गाड़ियों की पार्किंग संभव होगी। भवन में 72 लोगों की क्षमता वाला कॉन्फ्रेंस हॉल, कैफेटेरिया, मेडिकल रूम समेत अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी। भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने कहा कि मुंबई में बिहार भवन का निर्माण बिहार की प्रगति और जनकल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

इससे न सिर्फ बिहारवासियों को मुंबई में ठहरने और सरकारी कार्यों में सुविधा मिलेगी, बल्कि गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों और उनके परिजनों को भी सुरक्षित और सुलभ आवास उपलब्ध हो सकेगा।

## दो समुदायों के युवक-युवती ने उठाया यह बड़ा कदम

### तो गांव में निर्मित हुई तनाव की स्थिति

दरभंगा। दरभंगा के सकतपुर थाना क्षेत्र में दो समुदायों में तनाव फैल गया। दोनों पक्षों में मारपीट की घटना हुई, जिसे पुलिस और क्यूआरटी टीम ने मौके पर पहुंचकर शांत कराया। जानें आखिर क्यों विवाद की स्थिति बनी है, क्या है कहानी दरभंगा जिले के सकतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मछैता गांव में दो अलग-अलग समुदाय के युवक-युवती के प्रेम विवाह के बाद गांव में तनाव की स्थिति बन गई। दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई, जिससे माहौल बिगड़ गया। सूचना मिलते ही सकतपुर और अलीनगर थाना की पुलिस के साथ क्यूआरटी टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को

नियंत्रित किया। पुलिस व स्थानीय जनप्रतिनिधियों की समझाइश के बाद फिलहाल गांव में शांति बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, मछैता गांव निवासी सुरेश कामत के पुत्र सोनू कामत का दूसरे समुदाय की एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। बुधवार रात युवती ने सोनू को फोन कर अलीनगर बुलाया, जहां दोनों ने शादी कर ली। इसके बाद युवक के परिजनों और ग्रामीणों ने युवती के परिजनों को इस विवाह की जानकारी दी, लेकिन युवती के माता-पिता और परिजनों ने इस रिश्ते को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। युवक के परिजनों ने दोनों को अपने घर में रखने की सहमति दे दी। इसी बात से नाराज होकर देर रात युवती के परिजन मो. समशूल, मो. जुमराती, मो. असलम सहित कई लोग युवक के घर में घुस आए और सोनू कामत, उसकी मां ललिता देवी, भाई रमेश कामत और चाची वीणा देवी के साथ मारपीट की। आरोप है कि हमलावर घर में रखे सामान को भी लूटकर फरार हो गए। इसके बाद दोनों पक्षों को समझाइश देकर मामला शांत कराया गया।

## शराब कारोबारियों ने घेरकर किया हमला

**पटना।** छपरा के पानापुर थाना क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ छापेमारी करने गई पुलिस टीम पर शराब कारोबारियों ने जानलेवा हमला कर दिया। इस घटना में एक दारोगा समेत चार पुलिसकर्मी घायल हो गए, जबकि कई आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। बिहार के छपरा जिले में अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ छापेमारी करने गई सारण पुलिस की टीम पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पानापुर थाना में पदस्थापित सब-इंस्पेक्टर (एसआई) गुंजन कुमार समेत चार पुलिसकर्मी इस हमले में घायल हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सारण जिले के पानापुर थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गंडक नदी के दियारा क्षेत्र अंतर्गत मुड़वा गांव में अवैध शराब की बिक्री हो रही है और बड़ी संख्या में

लोग वहां शराब पीने के लिए एकत्रित हैं। सूचना के आधार पर एसआई गुंजन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम देर रात छापेमारी के लिए गांव पहुंची। पुलिस के पहुंचते ही शराब कारोबारियों और शराबियों में अफरा-तफरी मच गई। इसी दौरान आरोपियों ने ह्यचोर-चोरह्ण का शोर मचाकर ग्रामीणों के सहयोग से पुलिस टीम को घेर लिया और ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग भी लाठी-डंडे लेकर मौके पर पहुंच गए

# प्रियंका ने गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स 2026 में खींचा फैंस का ध्यान

सोशल मीडिया पर अंतर्राष्ट्रीय एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा की तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। बीती 11 जनवरी की रात जब प्रियंका अपने पति निक जोनस के साथ गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स 2026 में नजर आईं। इस भव्य अवॉर्ड नाइट में प्रियंका न सिर्फ अपने स्टाइल और कॉन्फिडेंस से सबका ध्यान खींचती दिखीं, बल्कि उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़ा एक मजेदार खुलासा भी कर दिया, जिसने फैंस को मुस्कुराने पर मजबूर कर दिया। बेवरली हिल्स होटल में आयोजित गोल्डन ग्लोब्स के दौरान प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस रेड कार्पेट पर एक-दूसरे के साथ बेहतरीन ट्यूनिंग में नजर आए। कपल की केमिस्ट्री देखते ही बन रही थी और उनकी तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर आते ही धूम मचा दी। इसी दौरान निक जोनस ने फिल्म और टीवी की दुनिया को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि बीता साल एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के लिए काफी शानदार रहा और उनके घर में देखने की पसंद को लेकर कोई खास रोक-टोक नहीं है। निक ने हंसते हुए कहा कि उनके यहां 'गिल्टी प्लेजर' जैसी कोई चीज नहीं है और दोनों खुलकर अपनी पसंद का कंटेंट देखते हैं। हालांकि निक की इस बात पर प्रियंका चोपड़ा ने तुरंत हल्के-फुल्के अंदाज में सच्चाई सामने रख दी। मुस्कुराते हुए प्रियंका ने मजाकिया लहजे में कहा कि असल में घर पर वही देखा जाता है, जो निक को पसंद होता है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर उन्हें अपनी पसंद का कुछ देखना हो तो वह आईपैड पर देख लेती हैं। प्रियंका का यह जवाब सुनकर वहां मौजूद लोग हंस पड़े और यह पल सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स की इस शाम में प्रियंका चोपड़ा एक प्रेजेंटर के रूप में शामिल हुई थीं। इस मौके पर उनका लुक भी काफी चर्चा में रहा। उन्होंने नेवी ब्लू रंग का खूबसूरत गाउन पहना था, जिसमें वह बेहद एलिगेंट लग रही थीं। वहीं निक जोनस ब्लैक सूट में हैंडसम नजर आए। दोनों के आउटफिट्स की कलर ट्यूनिंग ने उनकी जोड़ी को और भी खास बना दिया।

# 'मर्दानी 3' की रिलीज डेट का ऐलान

यश राज फिल्म्स की सुपरहिट फ्रेंचाइज़ 'मर्दानी' अब अपने तीसरे भाग के साथ दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार है। रानी मुखर्जी स्टारर 'मर्दानी 3' की रिलीज डेट का आधिकारिक ऐलान कर दिया गया है। यह फिल्म 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पिछले एक दशक से यह फ्रेंचाइज़ महिला-केंद्रित दमदार कहानियों के लिए जानी जाती है और दर्शकों के बीच कल्ट स्टेटस हासिल कर चुकी है। 'मर्दानी 3' में रानी मुखर्जी एक बार फिर निडर पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में नजर आएंगी। इस बार कहानी को और भी ज्यादा डार्क, हिंसक और रोमांचक बताया जा रहा है। मेकर्स के मुताबिक, फिल्म अच्छाई और खौफनाक बुराई के बीच एक खतरनाक टकराव को दिखाएगी, जहां शिवानी देश की कई लापता लड़कियों को बचाने के लिए समय के खिलाफ जंग लड़ती नजर आएंगी। रानी मुखर्जी पहले ही कह चुकी हैं कि 'मर्दानी 3' एक एज-ऑफ-द-सीट थ्रिलर होगी, जो दर्शकों को अंत तक बांधे रखेगी। फिल्म का निर्देशन अभिराज मिनावाला ने किया है, जबकि इसे आदित्य चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया है। 'मर्दानी' के पहले भाग में मानव तस्करी जैसे गंभीर मुद्दे को दिखाया गया था, वहीं दूसरे भाग में एक साइकोपैथ अपराधी की कहानी ने दर्शकों को झकझोर दिया था।

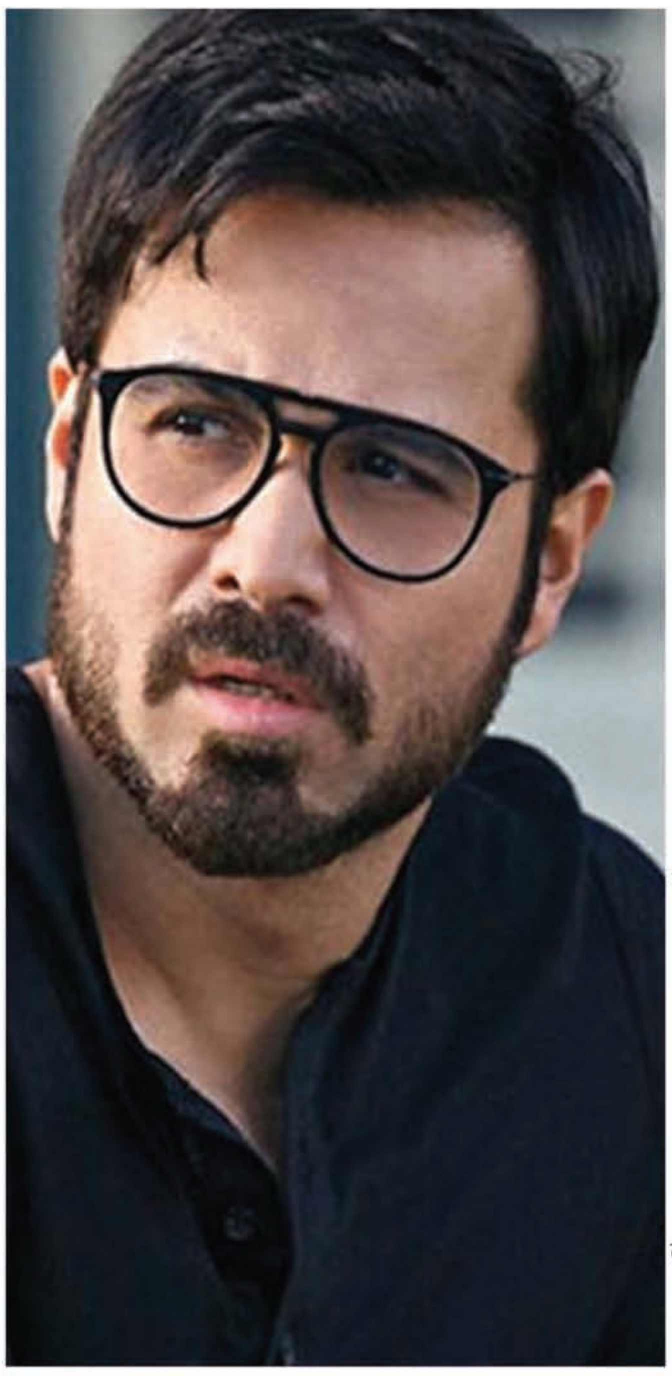

# हर कहानी में पुरुष की जीत दिखाना जरूरी नहीं होता: इमरान हाशमी

हाल ही में अभिनेता इमरान हाशमी ने न सिर्फ अपनी फिल्म 'हक' को लेकर बात की, बल्कि बॉलीवुड इंडस्ट्री में मेल एक्टर्स की सोच, उनकी असुरक्षा और मौजूदा फिल्मों के ट्रेंड पर भी खुलकर राय रखी। एक इंटरव्यू के दौरान इमरान हाशमी ने कहा कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में ज्यादातर मेल एक्टर्स खुद को हर कहानी में हीरो के तौर पर देखना चाहते हैं।

उनके मुताबिक, कई अभिनेता ऐसी फिल्मों से दूरी बना लेते हैं, जिनमें पुरुष किरदार को कमजोर, ग्रे या हारने वाला दिखाया गया हो। इमरान ने इसे मेल एक्टर्स की इनसिक्योरिटी बताया और कहा कि हर कहानी में पुरुष की जीत दिखाना जरूरी नहीं होता। उन्होंने माना कि इंडस्ट्री में इस सोच से बाहर निकलने की जरूरत है, ताकि कंटेंट ज्यादा ईमानदार और विविध हो सके। इसी बातचीत में इमरान ने रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' की सफलता पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि आज के दौर में हाइपर-मर्दाना और टॉक्सिक माने जाने वाले मेल करैक्टर्स को भी दर्शकों का एक बड़ा वर्ग पसंद कर रहा है। भले ही सोशल मीडिया और कुछ तबकों में ऐसी फिल्मों की आलोचना होती हो, लेकिन सच्चाई यह है कि लोग टिकट खरीद रहे हैं। इमरान के मुताबिक, 'एनिमल' के खिलाफ काफी नकारात्मक माहौल था, इसके बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर चली क्योंकि बहुत से दर्शक उस किरदार से खुद को जोड़ पाए। मेल एक्टर्स की असुरक्षा पर बात करते हुए इमरान ने कहा कि बहुत कम अभिनेता 'हक' जैसी फिल्में करने का साहस दिखाते हैं। उन्होंने अपनी पुरानी फिल्म 'द डर्टी पिक्चर' का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने वह फिल्म इसलिए की क्योंकि उन्हें उसका विषय पसंद आया था, न कि इसलिए कि उसमें उनका किरदार कितना हीरोइक है।

इमरान का मानना है कि कलाकारों को अपनी असुरक्षाओं से बाहर निकलकर ऐसे विषयों पर काम करना चाहिए, जो समाज को सोचने पर मजबूर करें। फिल्म 'हक' की बात करें तो यह शाह बानो केस से प्रेरित है, जो मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों से जुड़ा एक ऐतिहासिक मामला रहा है। बता दें कि बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी इन दिनों अपनी फिल्म 'हक' को लेकर चर्चा में हैं और उनकी एक्टिंग की खूब सराहना हो रही है। इस फिल्म में यामी गौतम मुख्य भूमिका में हैं, जबकि इमरान ने उनके पति अब्बास खान का किरदार निभाया है।

# आने वाला समय पुलकित सम्राट के लिए बेहद अनुकूल: ज्योतिषी

अपनी आगामी फिल्म 'राहु केतु' की रिलीज़ को लेकर उत्साहित अभिनेता पुलकित सम्राट एक इंटरव्यू दे रहे थे। इस दौरान उनके साथ एक ज्योतिषी भी थी। इस ज्योतिषी ने अभिनेता पुलकित सम्राट की कुंडली का विश्लेषण करते हुए उनके करियर को लेकर चौंकाने वाली भविष्यवाणी कर डाली।

ज्योतिषी ने बातचीत के दौरान राहु-केतु की ग्रह स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि आने वाला समय पुलकित सम्राट के लिए बेहद अनुकूल साबित हो सकता है। उनके मुताबिक, ग्रहों की चाल इस ओर इशारा कर रही है कि अभिनेता के करियर में जल्द ही एक बड़ा और अलग मोड़ आने वाला है।

उन्होंने दावा किया कि भविष्य में पुलकित को किसी भव्य ऐतिहासिक भूमिका में देखा जा सकता है, जो उनके अब तक के किरदारों से बिल्कुल अलग होगी। अपनी भविष्यवाणी को और विस्तार देते हुए ज्योतिषी ने उस संभावित किरदार की तस्वीर भी खींची। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक भूमिका में पुलकित शाही परिधान पहने, घोड़े पर सवार और हाथ में तलवार लिए नजर आ सकते हैं।

उनका मानना था कि इस तरह का किरदार पुलकित की स्क्रीन प्रेज़ेंस को और प्रभावशाली बनाएगा और उन्हें दर्शकों के एक बड़े वर्ग तक पहुंचने में मदद करेगा। ज्योतिषी ने यह भी जोड़ा कि लंबे बालों में पुलकित इस योद्धा अवतार में और ज्यादा जंचेंगे, जिससे उनकी छवि और दमदार हो सकती है। इस अचानक आई भविष्यवाणी पर पुलकित सम्राट पहले तो कुछ पल के लिए चौंक गए, लेकिन फिर उन्होंने अपने चिर-परिचित मज़ाकिया अंदाज़ में माहौल को हल्का कर दिया। मुस्कुराते हुए उन्होंने कहा, 'वाह मैम, क्या आप मेरे सपनों में भी आ गईं?' उनकी इस प्रतिक्रिया पर वहां मौजूद सभी लोग हंस पड़े। हालांकि ज्योतिषी अपने अनुमान पर पूरी तरह कायम रहीं और पूरे आत्मविश्वास के साथ कहा कि यह सपना आगे चलकर जरूर हकीकत बनेगा।

पुलकित ने भी बातचीत के दौरान यह स्वीकार किया कि वह अपने करियर में नए और चुनौतीपूर्ण किरदारों को आज़माना चाहते हैं और ऐतिहासिक भूमिकाएं उन्हें खासा आकर्षित करती हैं। इंटरव्यू के बाद से ही इंडस्ट्री और फैंस के बीच यह चर्चा तेज़ हो गई है कि क्या वाकई पुलकित सम्राट किसी ऐतिहासिक फिल्म में नजर आने वाले हैं। फिलहाल इसको लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन इस बातचीत ने अभिनेता को लेकर उत्सुकता जरूर बढ़ा दी है। काम के मोर्चे पर बात करें तो पुलकित सम्राट जल्द ही फिल्म 'राहु केतु' में दिखाई देंगे, जो 16 जनवरी को रिलीज़ होने जा रही है।

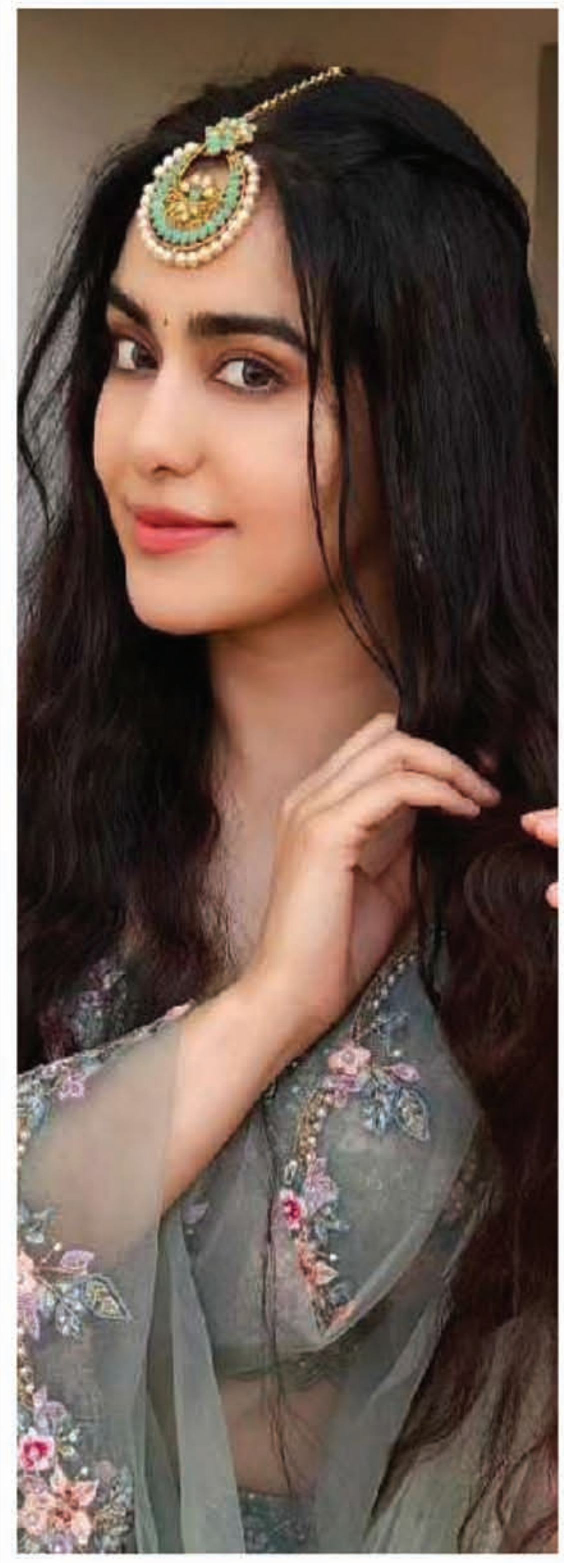

# सपनों को किसी भी सीमा में बांधना गलत: अदा शर्मा

बॉलीवुड अभिनेत्री अदा शर्मा का मानना है कि सपनों को किसी भी तरह की सीमा में बांधना गलत है। इसी सोच के साथ वे एक अलग और खुला एक्टिंग फॉर्मूला अपनाती हैं, जहां वे सिर्फ अच्छे रोल्स पर फोकस करती हैं। अभिनेत्री ने अपने करियर और सपनों को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह अपने ड्रीम को किसी भी तरह की लिमिट में नहीं बांधना चाहतीं। अदा का मानना है कि अगर कोई एक्टर खुद को किसी खास डायरेक्टर या स्टाइल तक सीमित कर ले, तो यह बहुत प्रतिबंधक हो जाता है। अदा ने कहा, मेरा ड्रीम ईमानदारी से यही है कि मैं अच्छी फिल्में करूं और अच्छे रोल्स निभा पाऊं। अगर मैं ये तय कर लूं कि मैं सिर्फ इन-इन डायरेक्टर्स के साथ काम करूंगी, तो यह खुद को सीमा में बांधना होगा। मैं उन सबके साथ काम करना चाहती हूं, जिसके पास भी मेरे लिए अच्छा रोल हो। उन्होंने सुदीप्तो सेन का उदाहरण देते हुए कहा, अगर मेरा ड्रीम होता कि मैं किसी खास डायरेक्टर के साथ ही काम करूंगी, तो द केरल स्टोरी कभी नहीं होती।

सुदीप्तो सेन की वो पहली बड़ी फिल्म थी, मैं उन्हें जानती भी नहीं थी। तो मेरा ड्रीम था ही नहीं कि मैं उनके साथ काम करूं, क्योंकि मुझे उनके बारे में पता ही नहीं था। ड्रीम करके हम खुद को बहुत लिमिट कर लेते हैं। मैं चाहती हूं कि यूनिवर्स फैसला करे कि मैं क्या करूं, किनके साथ करूं। मेरी इच्छा बस इतनी है कि मैं अच्छे रोल्स करूं, जो ऑडियंस को पसंद आएं और मुझे करने में मजा आए। अदा ने बताया कि दर्शक उन्हें हर तरह के किरदार में स्वीकार करते हैं, जो उनके लिए बहुत बड़ी बात है। उन्होंने बताया, कुछ एक्ट्रेसेज को लोग सिर्फ एक लुक या एक टाइप में स्वीकार करते हैं, लेकिन मुझे भूत से लेकर मासूम लड़की तक में स्वीकार करते हैं।

1920 में मैंने डरावना किरदार निभाया, सनफ्लावर में बोल्ड बार डांसर रोजी का, द केरल स्टोरी में भोली-भाली मासूम लड़की का और कमांडो में एक्शन रोल था। किसी ने नहीं कहा कि केरल स्टोरी वाली लड़की एक्शन क्यों कर रही है और एक एक्टर के लिए यह बहुत अच्छी चीज है। जब दर्शक आपको हर किरदार में स्वीकार करते हैं तो आगे बढ़ने और अक्सर कुछ खास करने का उत्साह मिलता है। साल 2026 के बारे में बात करते हुए अदा ने उत्साह जताया। उन्होंने कहा, साल 2026 में फैंस को बहुत कुछ नया और शानदार मिलने वाला है। बहुत सारा कुछ है। मैं अलग-अलग किरदारों से लोगों को एंटरटेन करना चाहती हूं।

# हमारे और सनी-बॉबी के रिश्ते हमेशा अच्छे रहे हैं: हेमा मालिनी

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन और उनके परिवार में विवाद को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही तमाम अटकलों पर धर्मेंद्र की पत्नी और अभिनेत्री-राजनेता हेमा मालिनी ने खुलकर अपनी बात रखी है और साफ किया है कि ये सभी बातें महज अफवाहें हैं। दरअसल, अफवाहों की शुरुआत तब हुई जब अलग-अलग मौकों पर परिवार के सदस्य एक साथ नजर नहीं आए। पहली पत्नी प्रकाश कौर और उनके बेटे सनी देओल व बॉबी देओल की ओर से मुंबई में एक प्रार्थना सभा आयोजित की गई, जिसमें हेमा मालिनी और उनकी बेटियां मौजूद नहीं थीं। वहीं उसी दिन हेमा मालिनी ने अपने घर पर अलग से शांति पाठ कराया। इसके बाद दिल्ली में हुए एक अन्य धार्मिक आयोजन में सनी और बॉबी की गैरमौजूदगी ने चर्चाओं को और हवा दे दी। सोशल मीडिया पर लोगों ने इसे दोनों परिवारों के बीच तनाव से जोड़ना शुरू कर दिया।

इन तमाम अटकलों पर हेमा मालिनी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनके और सनी-बॉबी के रिश्ते हमेशा अच्छे रहे हैं और आज भी वैसे ही हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि लोग बार-बार उनके निजी रिश्तों को लेकर सवाल क्यों खड़े करते हैं। हेमा के मुताबिक, कुछ लोगों को सिर्फ गॉसिप चाहिए होती है, जबकि असलियत इससे कोसों दूर है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें अपनी निजी जिंदगी को लेकर किसी को सफाई देने की जरूरत महसूस नहीं होती। हेमा मालिनी ने यह भी जताया कि दूसरों के दुख या भावनाओं के सहारे कहानियां गढ़ना बेहद दुखद है। यही वजह है कि वह ऐसे सवालों का जवाब देने से अक्सर बचती हैं। उनका कहना है कि परिवार पूरी तरह एकजुट है और इन अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है।

हेमा मालिनी ने यह भी बताया कि उन्होंने अभी तक धर्मेंद्र की हालिया फिल्म 'इक्कीस' नहीं देखी है। इसकी वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि फिल्म देखना उनके लिए भावनात्मक रूप से मुश्किल होगा। वह फिलहाल अपने काम और जिम्मेदारियों में व्यस्त हैं और जब समय और मन दोनों तैयार होंगे, तब ही फिल्म देख पाएंगी। गौरतलब है कि धर्मेंद्र और हेमा मालिनी ने 1980 में शादी की थी और उनकी दो बेटियां ईशा देओल और अहाना देओल हैं। हेमा मालिनी आज भी सिनेमा और राजनीति दोनों में सक्रिय हैं।

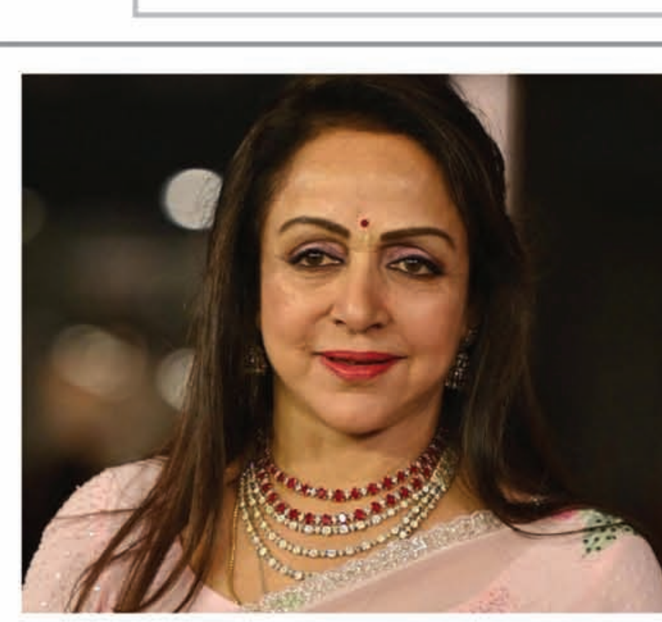

# रोहित शर्मा का अपमान! गौतम गंभीर-अजीत अगरकर ने की नाइंसाफी? पूर्व क्रिकेटर ने खोला मोर्चा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पूर्व भारतीय बल्लेबाज मनोज तिवारी ने रोहित शर्मा को भारत की वनडे कप्तानी से हटाए जाने की कड़ी आलोचना की है और संकेत दिया है कि इस फैसले में मुख्य कोच गौतम गंभीर की भूमिका रही है। 37 वर्षीय तिवारी और गंभीर के बीच पहले भी मतभेद रहे हैं और माना जा रहा है कि यह दोनों के बीच बदले की भावना का नतीजा है। उनका मानना है कि रोहित की फॉर्म और अनुभव को देखते हुए अचानक कप्तानी बदलना उनके प्रति अनादर का प्रतीक है।

जून 2024 में टी20 अंतरराष्ट्रीय और पिछले साल मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भी रोहित भारत की वनडे टीम के अहम सदस्य बने रहे और उन्हें उम्मीद थी कि 2027 विश्व कप से पहले वे अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर पहुंच जाएंगे। लेकिन जब भारत ने अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए अपनी टीम की घोषणा की, तो शुभमन गिल को कप्तान बनाया गया। यह एक चौंकाने वाला और कुछ हद तक विवादास्पद कदम था, जिसने पूरे देश के क्रिकेट प्रशंसकों और विशेषज्ञों के बीच चर्चा का विषय बना दिया। यह और भी उल्लेखनीय था क्योंकि रोहित ने अपने कार्यकाल का शानदार अंत किया था - पिछले महीने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में जीत कप्तान के रूप में उनका आखिरी मैच था।

तिवारी ने स्पोर्ट्स टुडे को बताया कि मुझे नहीं पता कि इसका मुख्य कारण क्या है। लेकिन अजीत अगरकर को जानते हुए, वह एक प्रभावशाली व्यक्तित्व हैं। वह निर्णय लेने वाले व्यक्ति हैं। ऐसे कदम उठाने में वह पीछे नहीं हटेंगे। लेकिन क्या उन्हें किसी ने प्रभावित किया था जिसके कारण उन्होंने यह फैसला लिया, यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर हमें गौर करने की जरूरत है। पर्दे के पीछे बहुत कुछ होता है, जिससे मामला पेचीदा हो जाता है। हो सकता है कि यह फैसला मुख्य चयनकर्ता ने लिया हो और उन्होंने इस बारे में खुलकर अपनी राय रखी हो। स्वाभाविक रूप से, कोच की भी इसमें भूमिका रही होगी। कोई भी व्यक्ति अकेले यह फैसला नहीं ले सकता। जो भी फैसला लिया गया है, उसके लिए दोनों बराबर जिम्मेदार हैं।

उन्होंने आगे कहा कि देखिए, मेरी राय में प्लेइंग इलेवन के चयन में बहुत असंगति रही है। अगर मुझे बिल्कुल स्पष्ट कहना हो, तो वनडे मैच देखने में मेरी रुचि कम हो गई है। हाल ही में जो कुछ हुआ है, जैसे टी20 विश्व कप विजेता कप्तान और चैंपियंस ट्रॉफी विजेता कप्तान को कप्तानी से हटाकर नए कप्तान को सौंप देना, जो मुझे लगता है कि जरूरी नहीं था। मैं रोहित के साथ खेल चुका हूं। हमारा एक खास रिश्ता है, इसलिए मुझे यह सब ठीक नहीं लगा। मुझे लगा कि यह उस क्रिकेटर का अपमान है जिसने

दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों को इतना कुछ दिया है। उसी दिन से मेरी रुचि थोड़ी कम हो गई। बहुत सारे विवाद हैं, और मुझे लगता है कि यह सब स्पष्टता की कमी के कारण हो रहा है।

# हैमर थ्रो खिलाड़ी तान्या ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया लेकिन नहीं होगा रिकॉर्ड बुक में दर्ज

**मंगलुरू (एजेंसी)।** अंतरराष्ट्रीय एथलीट तान्या चौधरी ने 85वीं अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप में शुक्रवार को महिला हैमर थ्रो में नया रिकॉर्ड बनाकर स्वर्ण पदक जीता लेकिन उनका यह प्रयास रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हो सका क्योंकि इस टूर्नामेंट को राष्ट्रीय महासंघ से मान्यता नहीं मिली है।

तान्या ने खुद स्वीकार किया है कि टूर्नामेंट के लिये उनका डोप टेस्ट भी नहीं हुआ था। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ द्वारा राष्ट्रीय रिकॉर्ड की मान्यता के लिए प्रतिस्पर्धा के दौरान डोप टेस्ट जरूरी है। तान्या ने 65.60 मीटर का थ्रो फेंककर सरिता सिंह का 9 साल पुराना 65.25 मीटर का रिकॉर्ड तोड़ा। एएफआई अंतर विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप को मान्यता नहीं देता है। तान्या ने 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में भाग लिया था और वह सातवें स्थान पर रही थी।

उन्होंने कहा, 'मुझे 67 मीटर की उम्मीद थी। इस सत्र का लक्ष्य 70 मीटर है और मैं उसकी तैयारी में जुटी हूं। आज डोप टेस्ट नहीं हुआ था लेकिन राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी मेरा नमूना कभी भी, कहीं भी ले सकती है। चूंकि यह विश्व एथलेटिक्स से मान्यता प्राप्त स्पर्धा नहीं है तो यह राष्ट्रीय रिकॉर्ड नहीं माना जाएगा लेकिन टूर्नामेंट का रिकॉर्ड है।% लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी की एशियाई चैम्पियन पूजा सिंह ने ऊंची कूद में 1.85 मीटर का टूर्नामेंट रिकॉर्ड बनाकर स्वर्ण पदक जीता।

# विराट सबसे अधिक समय तक नंबर एक पर रहने वाले विश्व के तीसरे बल्लेबाज बने

### -रिचर्ड्स और लारा है पहले और दूसरे नंबर पर

**दुबई (एजेंसी)।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपने पहले वाले आंकड़े में बदलाव करते हुए कहा है कि भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली अपने करियर में 825 नहीं बल्कि कुल 1,547 दिन नंबर एक बल्लेबाज रहे हैं। इसके साथ ही विराट एकदिवसीय रैंकिंग में सबसे अधिक समय तक शीर्ष पर रहने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गये हैं। अब केवल वेस्टइंडीज़ के महान खिलाड़ी विव रिचर्ड्स ही 2,306 दिन और ब्रायन लारा ही 2,079 दिन के साथ ही उनसे आगे हैं। आईसीसी ने अपने ताजा अपडेट में लिखा, 'विराट अक्टूबर 2013 में पहली बार एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे थे और अब तक कुल 1547 दिन नंबर 1 स्थान रहे हैं, ये किसी भी अन्य भारतीय बल्लेबाज से ज्यादा समय है। वहीं विश्व स्तर पर सूची में वह तीसरे नंबर पर हैं, इस सूची में नंबर एक पर वेस्टइंडीज के दिग्गज विवियन रिचर्ड्स हैं, जो 2,306 दिनों तक शीर्ष पर रहे थे जबकि ब्रायन लारा 2,079 दिन के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं।' इस बदलाव से अब विराट कई दिग्गज खिलाड़ियों से आगे निकल गए हैं और लंबे समय तक शीर्ष पर रहने के मामले में रिचर्ड्स और लारा के बाद तीसरे नंबर पर आ गए हैं।

# बीबीएल में स्टीव स्मिथ का तूफान, 107 मीटर के सिक्स सहित जड़ा रिकॉर्डतोड़ शतक

**सिडनी (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह सिर्फ क्लासिक बल्लेबाज़ ही नहीं, बल्कि आधुनिक टी20 क्रिकेट के सबसे खतरनाक हिटर भी हैं। बिग बैश लीग 2025-26 के सिडनी डर्बी में स्मिथ ने ऐसी पारी खेली जिसने दर्शकों को हैरान और गेंदबाजों को बेबस कर दिया। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर थंडर के खिलाफ खेलते हुए, सिक्सर्स के कप्तान ने टूर्नामेंट इतिहास का संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज़ शतक जड़कर मुकाबले की पूरी कहानी बदल दी।

### 41 गेंदों में शतक, BBL इतिहास में खास मुकाम

स्टीव स्मिथ ने सिर्फ 41 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो BBL के इतिहास में संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज़ शतक है। इससे पहले 2024 में जोश ब्राउन ने भी इतनी ही गेंदों में सेंचुरी बनाई थी। केवल क्रेग सिमंस और मिशेल ओवेन ही ऐसे बल्लेबाज़ हैं जिन्होंने 39 गेंदों में शतक जड़कर स्मिथ से तेज यह उपलब्धि हासिल की है। यह शतक न सिर्फ तेज था, बल्कि स्मिथ के करियर की सबसे आक्रामक पारियों में से एक माना जा रहा है।

### 107 मीटर का छक्का बना मैच का सबसे बड़ा आकर्षण

मैच का सबसे यादगार पल चौथे ओवर में आया, जब स्मिथ ने नाथन मैकएंड्र्यू की गेंद पर फ्रंट फुट हटाकर मिड-विकेट के ऊपर 107 मीटर लंबा छक्का जड़ दिया। यह छक्का पूरे स्टेडियम में चर्चा का विषय बन गया और सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हुआ। स्मिथ की फुटवर्क, टाइमिंग और ताकत का यह शानदार मिश्रण गेंदबाजों के लिए चेतावनी बन गया।

### सिक्सर्स के लिए सबसे तेज BBL शतक

स्मिथ ने इस पारी के साथ सिडनी सिक्सर्स के लिए सबसे तेज़ BBL शतक का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। उन्होंने 2023 में थंडर के खिलाफ बनाए गए 56 गेंदों के अपने ही पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। वह 42 गेंदों में 100 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें पांच चौके और नौ गगनचुंबी छक्के शामिल थे। उनकी पारी का अंत लेग स्पिनर तनवीर संघा ने किया।

### एक ओवर में 32 रन, BBL का सबसे महंगा ओवर

12वें ओवर में स्मिथ ने रयान हैडली की गेंदों पर 32 रन ठोक दिए, जो BBL इतिहास का सबसे महंगा ओवर बन गया। इस ओवर में उन्होंने तीन छक्के, एक चौका और शानदार टाइमिंग के साथ रन बटोरे। इस ओवर ने मैच को पूरी तरह सिक्सर्स के पक्ष में झुका दिया।

### 190 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल

स्मिथ की विस्फोटक बल्लेबाज़ी की बदौलत सिडनी सिक्सर्स ने 190 रन का लक्ष्य सिर्फ पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। स्मिथ ने मात्र 23 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर रन चेज की नींव रखी। बाबर आजम ने 47 रनों की संयमित पारी खेली, जबकि लैचलान शॉ और जैक एडवर्ड्स के छोटे लेकिन अहम योगदान ने जीत को आसान बना दिया। सिक्सर्स ने 16 गेंदें शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया।

### डेविड वॉर्नर की सेंचुरी गई बेकार

सिडनी थंडर की ओर से डेविड वॉर्नर ने शानदार शतक लगाया और 65 गेंदों में 110 रन बनाए, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से कोई ठोस समर्थन नहीं मिला। निक मैडिनसन और सैम बिलिंग्स ने कोशिश की, लेकिन टीम बड़ी साझेदारी नहीं बना सकी। अंत में स्मिथ की विस्फोटक पारी के सामने वॉर्नर की मेहनत फीकी पड़ गई और सिक्सर्स ने सिडनी डर्बी में दबदबे के साथ जीत दर्ज की।

# रोजर फेडरर रॉड लेवर एरिना में लौटे, रूड के साथ किया अभ्यास

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपनी आखिरी उपस्थिति के छह साल बाद रोजर फेडरर मेलबर्न के कोर्ट पर वापस आ गए हैं। स्विस दिग्गज शुक्रवार को 2020 के बाद पहली बार कैस्पर रूड के साथ प्रैक्टिस सेशन के लिए रॉड लेवर एरिना लौटे। फेडरर ने 2022 में प्रोफेशनल टेनिस से संन्यास ले लिया था, अपने करियर में रूड का सामना सिर्फ एक बार किया था। उनकी एकमात्र लेक्सस हेड2हेड भिड़ंत 2019 में रौलां गैरो के चौथे राउंड में हुई थी, जब फेडरर ने नॉर्वेजियन खिलाड़ी को सीधे सेटों में हराया था। 44 साल के खिलाड़ी ने अपने 20 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से

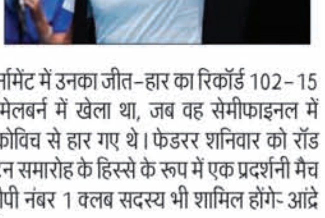

छह ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीते हैं। टूर्नामेंट में उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 102-15 है। उन्होंने आखिरी बार 2020 में मेलबर्न में खेला था, जब वह सेमीफाइनल में आखिरकार चैंपियन बने नोवाक जोकोविच से हार गए थे। फेडरर शनिवार को रॉड लेवर एरिना में टूर्नामेंट के पहले उद्घाटन समारोह के हिस्से के रूप में एक प्रदर्शनी मैच खेलने वाले हैं, जिसमें तीन अन्य एटीपी नंबर 1 क्लब सदस्य भी शामिल होंगे- आंद्रे अगासी, पैट्रिक राफ्टर और लेटन हेविट।

# सीएसके ने इस कारण सैमसन को खरीदा : हनुमा

मुम्बई। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज हनुमा बिहारी ने खुलासा किया है कि संजू सैमसन को चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने इसलिए टीम में लिया क्योंकि दक्षिण में उनके प्रशंसकों की काफी तादाद है। हनुमा ने कहा कि आईपीएल मालिकों की नजर में ये टूर्नामेंट खेल से कहीं बढ़कर हैं। वे इसमें अपने कारोबारी के फायदे पर भी नजर रखते है। ऐसे में सैमसन को शामिल करना उसके लिए जरुरी थी। सैमसन को ओपनर होने के कारण खरीदने की बातें सही नहीं हैं। इसका कारण है कि सीएसके के पास पहले से ही कई ऐसे बल्लेबाज हैं जो पारी की शुरुआत कर सकते हैं। एक वीडियो में हनुमा ने कहा कि सैमसन के फैनबेस के कारण ही उन्हें लेने का दबाव सीएसके पर पड़ा था। टीमों के इस बात पर काफी ध्यान देते हैं कि एक खिलाड़ी टीम के लिए कितना कारोबार ला सकता है। उन्होंने आगे कहा, सैमसन जहां भी मैच खेले जाते हैं, केरल के फैंस वहां पहुंच जाते हैं और उनका हौसला बढ़ाते हैं। जहां तक ओपनर की बात है सीएसके के पास रुतुराज गायकवाड़ और आयुष म्हात्रे हैं। ऐसे में सैमसन को नंबर 3 पर ही उतारा जाना तय है।

# टी20 विश्व कप 2026 : आईसीसी का प्रतिनिधिमंडल कर सकता है बंगलादेश का दौरा

**ढाका (एजेंसी)।** सात फरवरी से भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्वकप में राष्ट्रीय टीम की भागीदारी को लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) का प्रतिनिधिमंडल बातचीत के लिए बंगलादेश का दौरा कर सकता है। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने गुरुवार को फॉरेन सर्विस एकेडमी में मीडिया से बातचीत में यह बात कही।

आसिफ नजरुल ने कहा, 'नए अपडेट के अनुसार BCB अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने मुझे बताया कि चर्चा के लिए ICC की एक टीम बंगलादेश आ सकती है। हमारे रुख में बदलाव की कोई संभावना नहीं है। हम विश्व कप में खेलने के लिए उत्सुक हैं, खासकर श्रीलंका में और मुझे पूरा भरोसा है कि इसका आयोजन करना असंभव नहीं

है।' बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि ICC के साथ बातचीत चल रही है, हालांकि दौरे का समय अभी तय नहीं है।

अधिकारी ने द डेली स्टार को बताया, 'हम बातचीत कर रहे हैं, और एक प्रतिनिधिमंडल आने वाला है, लेकिन सही तारीख तय नहीं हुई है। हम संपर्क में हैं, लेकिन समय तय नहीं है।' यह डेवलपमेंट पिछले मंगलवार को BCB लीडरशिप और ICC के बीच हुई वीडियो कॉन्फ्रेंस के बाद हुआ है।

बैठक के बाद बोर्ड ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए टूर्नामेंट के लिए भारत न जाने के अपने फैसले को दोहराया और बंगलादेश के मैचों को भारत से बाहर स्थानांतरित करने फिर से अनुरोध किया। हालांकि ICC ने BCB से अपने रुख पर फिर से विचार करने का आग्रह किया, लेकिन बोर्ड अपने रुख पर कायम रहा। हालांकि दोनों पक्ष टूर्नामेंट में बंगलादेश की भागीदारी के बारे में 'संभावित समाधान खोजने' के लिए बातचीत जारी रखने पर सहमत हुए।

# एडिलेड इंटरनेशनल : फाइनल में विक्टोरिया म्बोको के साथ खेलेंगी उभरती हुई स्टार मिरर एंड्रीवा

कैनबरा। रूस की मिरर एंड्रीवा एडिलेड इंटरनेशनल के फाइनल में कनाडा की विक्टोरिया म्बोको के साथ खेलेंगी। यह मैच महिला टेनिस टूर में सबसे ज्यादा रैंक वाली टीनएजर खिलाड़ियों के बीच होगा। दुनिया की नंबर 8 एंड्रीवा, जो एडिलेड में तीसरी सीड हैं, ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन वार्म-अप इवेंट के सेमीफाइनल में अपनी हमवतन और डबल्स पार्टनर डायना श्नाइडर को 6-3, 6-2 से हराकर शनिवार के फाइनल में जगह बनाई, जहाँ उनका मुकाबला 17वीं रैंक वाली म्बोको से होगा। यह WTA टूर पर एंड्रीवा (18) और म्बोको (19) के बीच पहला मैच होगा। ये दोनों ही टीनएजर खिलाड़ी फिलहाल दुनिया की टॉप 25 महिला खिलाड़ियों में शामिल हैं। एंड्रीवा ने एडिलेड में अपने तीनों मैचों में एक भी सेट नहीं हारा है और हर मैच में उनकी सर्विस सिर्फ एक बार टूटी है। शुक्रवार को रूसी खिलाड़ी ने श्नाइडर की तुलना में नौ ज्यादा विनर्स लगाए और 10 कम अनफोर्स्ड एरर किए, जो फिलहाल दुनिया में 23वें स्थान पर हैं। कनाडा की विक्टोरिया म्बोको ने स्ट्रेलिया की किम्बर्ली बिरेल को सीधे सेटों में हराकर एडिलेड इंटरनेशनल के फाइनल में जगह बनाई। वर्ल्ड नंबर 17 म्बोको ने ऑस्ट्रेलियन ओपन वार्म-अप इवेंट के सेमीफाइनल में अपना दबदबा बनाया और सिर्फ 59 मिनट में 6-2, 6-1 से जीत हासिल की। एंड्रीवा शनिवार के फाइनल में अपने चौथे डब्ल्यूटीए टूर सिंगल्स खिताब के लिए खेलेंगी, जबकि म्बोको अपने तीसरे खिताब के लिए खेलेंगी।

# महिला क्रिकेट में बदलाव की मांग : न्यूजीलैंड की क्रिकेटर ने फील्डिंग नियमों और बाउंड्री साइज पर उठाए सवाल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** महिला क्रिकेट तेजी से बदल रहा है। खेल की रफ्तार, खिलाड़ियों की ताकत और दर्शकों की दिलचस्पी तीनों में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। इसी बदलते परिदृश्य के बीच न्यूजीलैंड की कप्तान और अनुभवी ऑलराउंडर सोफी डिवाइन ने मौजूदा फील्डिंग नियमों और बाउंड्री के आकार को लेकर अहम सवाल खड़े किए हैं। उनका मानना है कि वर्तमान परिस्थितियां बल्लेबाजों के पक्ष में अत्यधिक झुकी हुई हैं, जिससे गेंदबाजों के लिए संतुलन बनाना मुश्किल हो गया है। डिवाइन की यह टिप्पणी महिला क्रिकेट में संभावित सुधारों पर एक नई बहस को जन्म दे सकती है।

### फील्डिंग नियमों पर दोबारा विचार की जरूरत

फिलहाल महिला क्रिकेट में नॉन-पावरप्ले ओवरों के दौरान इनर सर्कल के बाहर सिर्फ चार फील्डर रखने की अनुमति है। यह नियम ज्यादा रन और बाउंड्री को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लागू किया गया था। हालांकि, सोफी डिवाइन का मानना है कि खेल अब उस स्तर तक पहुंच चुका है जहां इस नियम की समीक्षा जरूरी हो गई है। डिवाइन के अनुसार, बल्लेबाजों की पावर और शॉट-मेकिंग क्षमता में जिस तरह का इजाफा हुआ है, उसे देखते हुए बाहर पांच फील्डर रखने की इजाजत देने से खेल की प्रतिस्पर्धा पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा।

### छोटी बाउंड्री से गेंदबाजों पर बढ़ता दबाव

महिला प्रीमियर लीग (WPL) में बाउंड्री की अधिकतम लंबाई 60 मीटर तय की गई है, जबकि पुरुष क्रिकेट में यह दूरी 70 से 77 मीटर तक होती है। डिवाइन का मानना है कि छोटी

बाउंड्री और सीमित फील्डिंग विकल्पों का मेल गेंदबाजों के लिए मुश्किलें बढ़ा देता है। उन्होंने कहा कि खासकर सपाट पिचों पर गेंदबाजों के पास गलती की गुंजाइश बेहद कम रह जाती है, क्योंकि हल्की सी चूक भी आसानी से बाउंड्री में तब्दील हो जाती है।

# अमन मोखाड़े ने रचा इतिहास, लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले भारतीय बने

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** विदर्भ के 24 साल के ओपनर अमन मोखाड़े के लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले भारतीय बनने का इतिहास रचने के बाद क्रिकेट की दुनिया में हलचल मच गई है। सिर्फ 16 इनिंग्स में यह उपलब्धि हासिल करते हुए मोखाड़े ने देवदत्त पडिक्कल और अभिनव मुकुंद के 17 इनिंग्स के पिछले भारतीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। उनकी इस उपलब्धि ने साउथ अफ्रीकी लीजेंड ग्रीम पोलक के लंबे समय से चले आ रहे विश्व रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली।

मोखाड़े की रिकॉर्ड तोड़ने वाली पारी 2025-26 विजय हजारे ट्रॉफी के कर्नाटक के खिलाफ एक हाई-प्रेशर सेमीफाइनल में आई। 281 रनों का पीछा करते हुए विदर्भ को शुरुआती झटका लगा जब ओपनर अथर्व तायडे सस्ते में आउट हो गए। मोखाड़े ने शुरुआती दबाव झेला, पहले ध्रुव शौरी के साथ 99 रन की पार्टनरशिप करके चेज को संभाला, जिन्होंने 47 रन बनाए। फिर उन्होंने आर समर्थ के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए मैच जीतने वाली 147 रन की पार्टनरशिप की।

समर्थ ने 76 रन बनाए, जबकि मोखाड़े ने पारी को संभाला, भले ही ऐंठन की वजह से वह धीमे पड़ रहे थे। कर्नाटक ने पहले बैटिंग करने का फैसला करके 280 रन बनाए थे। उनकी इनिंग में विदर्भ को शुरुआती ब्रेकथ्रू मिले, क्योंकि दोनों ओपनर, मयंक अग्रवाल और पडिक्कल, पहले 10 ओवर के अंदर आउट हो गए। करुण नायर और ध्रुव प्रभाकर के बीच 54 रन की पार्टनरशिप ने कुछ ऑर्डर वापस लाया, इसके बाद करुण नायर और केएल श्रीजीत के बीच 113 रन की पार्टनरशिप हुई।

दोनों ने फिफ्टी पूरी की, लेकिन कर्नाटक ने आखिरी ओवरों में मोमेंटम खो दिया। विदर्भ के बॉलर दर्शन नलकांडे ने बॉल से कमाल किया, उन्होंने 48 रन देकर 5 विकेट लिए। इस सीज़न में घरेलू टूर्नामेंट में मोखाड़े का लगातार अच्छा प्रदर्शन शानदार रहा है। रणजी ट्रॉफी के पहले लेग में उन्होंने 7 इनिंग में 96.16 की एवरेज से 577 रन बनाए। वह 2025-26 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 157.25 की स्ट्राइक रेट से 206 रन बनाकर विदर्भ के चार्ट में टॉप पर रहे और विजय हजारे ट्रॉफी में नौ इनिंग में 97.62 की एवरेज से 781 रन बनाकर अपना दबदबा बनाए रखा। इन टूर्नामेंट में, मोखाड़े ने आठ सेंचुरी और पांच हाफ-सेंचुरी लगाई हैं।

# भारत ने अंडर-19 विश्वकप क्रिकेट में जीत से शुरुआत की, पहले ही मैच में यूएसए को 6 विकेट से हराया

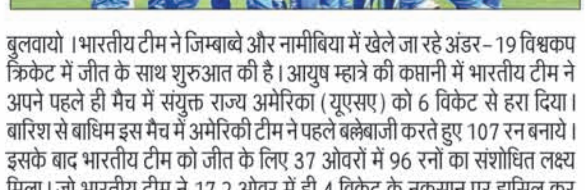

बुलवायो। भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेले जा रहे अंडर-19 विश्वकप क्रिकेट में जीत के साथ शुरुआत की है। आयुष म्हात्रे की कप्तानी में भारतीय टीम ने अपने पहले ही मैच में संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) को 6 विकेट से हरा दिया। बारिश से बाधिम इस मैच में अमेरिकी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 107 रन बनाये। इसके बाद भारतीय टीम को जीत के लिए 37 ओवरों में 96 रनों का संशोधित लक्ष्य मिला। जो भारतीय टीम ने 17.2 ओवर में ही 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। अब भारतीय टीम शनिवार को बांग्लादेश से खेलेगी। वहीं भारत के अलावा वेस्टइंडीज, स्कॉटलैंड और जिम्बाब्वे की टीमें भी जीत के साथ ही 2-2 अंक हासिल करने में सफल रही हैं। वेस्टइंडीज अंडर-19 टीम ने तंजानिया को हराया। वहीं जिम्बाब्वे और स्कॉटलैंड का मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया।

## चंडीगढ़ में गौशाला में करीब 50 गायों के क्षत-विक्षत शव मिलने से हड़कंप

चंडीगढ़ (एजेंसी)। चंडीगढ़ में माखन माजरा इलाके के पशु अवशेष निस्तारण केंद्र में करीब 50 गायों के क्षत-विक्षत शव मिलने के बाद प्रशासन ने कड़ा कदम उठाया है। मुख्य सचिव एच. राजेश प्रसाद ने सभी गौशालाओं में 24 घंटे सातों दिन सीसीटीवी निगरानी लागू करने और नियमित समीक्षा सुनिश्चित करने के आदेश दे दिए। पोस्टमॉर्टम और विस्तृत जांच के आदेश दिए गए हैं, जिनकी रिपोर्ट एक सप्ताह में आने की संभावना है। पुलिस ने थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 के तहत मामला दर्ज किया। माखन माजरा गौशाला प्रबंधन समिति की शिकायत में बताया गया कि गौवंश को पर्याप्त चारा, पानी, आश्रय और चिकित्सा सुविधा नहीं मिलने के कारण कई जानवर मृत मिले है। 13 जनवरी को निरीक्षण के दौरान 50-60 मृत गायें मिलीं और निरीक्षण के समय किसी पशु चिकित्सक की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। मुख्य सचिव ने रायपुर कलां, औद्योगिक क्षेत्र और माखन माजरा की गौशालाओं का निरीक्षण कर और गौवंश एवं पशुओं की देखभाल, स्वच्छता और कल्याण संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि हर गौशाला में उचित आवास, नियमित भोजन और पेयजल सुनिश्चित करे। इंसिनरेटर की तकनीकी खराबी को तत्काल सुधारने का आदेश दिया। कर्मचारियों और पशु चिकित्सकों की पूरी जानकारी और ड्यूटी रोस्टर प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करने को कहा गया। घटना पर भाजपा नेता संजय टंडन ने 'चौंकाने वाला और अस्वीकार्य' बताया और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। गौ-रक्षा समूहों ने भी विरोध प्रदर्शन करते हुए मृत बछड़े का शव सड़क पर रखकर गोवध और पशु तस्करी के खिलाफ चेतावनी दी।

## विष्णुपुर में पेट्रोल पंप पर बम विस्फोट में शामिल आरोपी गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। सुरक्षा बलों ने पिछले सप्ताह मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में एक पेट्रोल पंप पर हुए बम विस्फोट में शामिल होने के आरोप में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि 41 साल के आरोपी को गुरुवार को इम्फाल पश्चिम जिले के लैंफेल सना कीथेल इलाके से गिरफ्तार किया और उसके पास से भारी मात्रा में हथियार व गोला-बारूद बरामद किया है। इससे पहले प्रतिबंधित कांगलेई यावोल कन्ना लुप (केवाईकेएल) के 35 साल के एक सदस्य को काकचिंग जिले के कोमनाओ माखा लीकाई इलाके से गिरफ्तार किया था। अधिकारी ने बताया कि 15 जनवरी को गिरफ्तार किया गया व्यक्ति बम विस्फोट के मुख्य आरोपी का सहयोगी है। 8 जनवरी की शाम को मोइरांग थाना लेइकाई इलाके में स्थित एलीडास पेट्रोल पंप पर बम फेंका गया। इस विस्फोट के बाद मणिपुर में घाटी के सभी इलाकों में स्थित पेट्रोप पंप स्टेशनों को तीन दिन के लिए बंद कर दिया गया था।

## रापर क्षेत्र में फिर डोली धरती, खेगांरपर के पास 2.5 तीव्रता का भूकंप, लोगों में दहशत

कच्छ (एजेंसी)। गुजरात के सरहदी जिले कच्छ में एक बार फिर धरती के भीतर हलचल दर्ज की गई है। कच्छ के रापर तहसील के खेगांरपर गांव के पास आज तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप विज्ञान केंद्र (आईएसआर) के अनुसार, सुबह 5:47 बजे रिक्टर स्केल पर 2.5 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र रापर से लगभग 19 किलोमीटर दूर खेगांरपर के निकट बताया गया है। झटके महसूस होते ही आसपास के इलाकों में रहने वाले लोग घबराकर नींद से जाग गए और एहतियातन घरों से बाहर निकल आए। कुछ समय के लिए क्षेत्र में भय का माहौल बन गया। हालांकि भूकंप की तीव्रता कम होने के कारण किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है, लेकिन बार-बार आ रहे भूकंप के झटकों से स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ती जा रही है। उल्लेखनीय है कि बीते महीने 26 दिसंबर 2025 को रापर के गेडी गांव के पास 4.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था। उस दौरान रापर के साथ-साथ भचाऊ और अंजार तक झटके महसूस किए गए थे। इसके बाद से क्षेत्र में छोटे-बड़े आफ्टरशॉक्स का सिलसिला लगातार जारी है, जिससे लोग सतर्क और चिंतित हैं।

## चार मंजिला इमारत में लगी भीषण आग तो लोगों ने कूदकर बचाई जान, आसपास के घर खाली कराए गए

लखनऊ (एजेंसी)। राजधानी लखनऊ के ठाकुरगंज इलाके में शुक्रवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब बसंत कुंज क्षेत्र में स्थित एक चार मंजिला अपार्टमेंट में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते इमारत की तीन मंजिलें उसकी चपेट में आ गईं। आग की लपटों और घने धुएं से पूरी बिल्डिंग भर गई, जिससे अंदर मौजूद लोगों की जान पर बन आई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग लगते ही अपार्टमेंट में चीख-पुकार मच गई। धुआं इतना घना हो गया कि लोगों को बाहर निकलने का रास्ता तक दिखाई नहीं दे रहा था। जान बचाने के लिए कई लोग बालकनी और खिड़कियों से कूद पड़े। कुछ लोगों को आसपास के लोगों और दमकलकर्मियों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस दौरान इलाके में दहशत का माहौल बन गया। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया गया। दमकलकर्मी लगातार आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटे रहे। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) अंशु मित्तल ने मीडिया को बताया कि आग लगने के दौरान एक युवक बिल्डिंग के अंदर फंस गया था, जिसे दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया। उन्होंने बताया कि फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन कुछ लोगों को धुएं के कारण परेशानी हुई है। आग की भयावहता को देखते हुए एहतियातन आसपास के घरों को खाली करा लिया गया। पुलिस और प्रशासन की टीमें भी मौके पर मौजूद रहीं और स्थिति पर नजर बनाए रखा। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। शुरुआती आशंका शॉर्ट सर्किट की जताई जा रही है, हालांकि जांच के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो पाएगा।

# कोर्ट ने ममता बनर्जी को सिखाया सबक, बीजेपी बोली- अब विधानसभा चुनाव में भी हार तय

### -आई-पेक रेड मामले में बंगाल सरकार को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। आई-पेक रेड मामले में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद पश्चिम बंगाल का राजनीतिक गलियारा पूरी तरह से गरमा गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर रोक लगाए जाने और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी व पुलिस अधिकारियों को नोटिस जारी किए जाने के बाद भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है। भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अच्छा सबक सिखाया है और उनकी झूठ की राजनीति अब उजागर हो चुकी है।

बीजेपी विधायक पॉल ने आरोप लगाया, कि पिछले 15 वर्षों से टीएमसी सरकार और उससे पहले वाम दलों की सरकार ने रोहिंग्या, बांग्लादेशी घुसपैठियों और फर्जी मतदाताओं के सहारे चुनाव जीते। उन्होंने दावा किया कि इस बार पश्चिम बंगाल में ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। पॉल के मुताबिक अब तक करीब 58 लाख नाम मतदाता सूची से हटाए जा चुके हैं और आगे भी यह प्रक्रिया जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पद की गरिमा को ठेस पहुंची है और अब सच्चाई जनता के सामने आ रही है।

दरअसल, गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने आई-पेक रेड मामले में बड़ा आदेश देते हुए ईडी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर रोक लगा दी। इसके साथ ही कोर्ट ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और संबंधित पुलिस अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट का कहना है कि कानून के शासन को बनाए रखने और केंद्रीय एजेंसियों को स्वतंत्र रूप से काम करने देने के लिए इस मामले की जांच जरूरी है।

#### ममता खुद भी चुनाव हारने वाली हैं: शहनवाज

भाजपा नेता सैयद शहनवाज हुसैन ने भी सीएम ममता बनर्जी पर हमला बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को खुद पता है कि वह 2026 के विधानसभा चुनाव में बुरी तरह हारने वाली हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस तरह राहुल गांधी और तेजस्वी यादव वोट चोरी का मुद्दा उठाकर माहौल बनाते रहे हैं, उसी तरह ममता बनर्जी भी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध कर रही हैं। शहनवाज हुसैन ने दावा किया कि 2026 के विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की हार तय है और पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत होगी।

## यो यो हनी सिंह अश्लील कमेंट्स के बाद आए विवादों में तो मांगी माफी, जस्सी ने जाहिर की नाराजगी

लुधियाना (एजेंसी)। मशहूर सिंगर और रैपर यो यो हनी सिंह फिर विवादों में घिर गए हैं। दो दिन पहले दिल्ली में हुए एक कॉन्सर्ट के दौरान उन्होंने स्टेज से ठंड के बहाने अश्लील बातें कीं, जिससे युवाओं को अनुचित व्यवहार के लिए प्रोत्साहित करने का आरोप लगा। इस दौरान फैंस का वीडियो भी वायरल हुआ। इस घटना के बाद पंजाबी सिंगर

जसबीर जस्सी ने ट्वीट कर अपनी नाराजगी व्यक्त की। जस्सी ने कहा कि हनी सिंह ने सभी हदें पार कर दी हैं और उनकी माता-पिता व बहन से अपील की कि उन्हें रोकना चाहिए, नहीं तो यह आगे बढ़ सकता है और गलत संदेश जाएगा। विवाद बढ़ने पर हनी सिंह ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। हनी सिंह पहले भी गानों और स्टेज प्रदर्शन में अश्लील डांस और बोल को लेकर विवादों में रह चुके हैं। 2014 से 2018 तक वह म्यूजिक इंडस्ट्री से दूर रहे, जिसे उन्होंने डिप्रेशन, एंग्जाइटी और मानसिक परेशानियों से जोड़कर बताया था। कुछ दिन पहले ही हनी सिंह के एक पुराने गीत को लेकर जालंधर के भाजपा नेता ने डीजीपी को शिकायत दी थी, जिसमें उन्होंने गाने में अश्लीलता और बिकिनी गर्ल्स को लेकर कड़ी आपत्ति जताई थी। यह मामला हनी सिंह के विवादित प्रदर्शन और उनके सामाजिक प्रभाव पर एक बार फिर सवाल खड़ा करता है।

## बीजेपी सरकार ने मतदाता सूचियों में हेराफेरी का जो षड्यंत्र रचा है, वह शर्मनाक: गहलोत

जयपुर (एजेंसी)। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने राजस्थान की बीजेपी सरकार पर प्रशासन का दुरुपयोग कर मतदाता सूचियों में हेराफेरी का षड्यंत्र रचने का आरोप लगाया है। गहलोत ने कहा कि आज का दिन राजस्थान में लोकतंत्र के लिए काले अध्याय जैसा है, जिसने बीजेपी को बेनकाब कर दिया है। सत्ता के मद में चूर बीजेपी सरकार ने प्रशासन का दुरुपयोग कर मतदाता सूचियों में हेराफेरी का जो षड्यंत्र रचा है, वह शर्मनाक है।

पूर्व सीएम गहलोत ने दावा किया कि मतदाता सूची के एसआईआर प्रक्रिया के अंतिम दिन एक सुनियोजित साजिश के तहत निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों के जरिए बीएलओ पर दबाव डाला गया कि वे कांग्रेस विचारधारा वाले मतदाताओं के नाम काट दें। उन्होंने आरोप लगाया कि यहां तक कि फॉर्म-सात में पहले से डेटा भरकर बीएलओ को सौंपा गया, जो निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि कई जगहों पर प्रशासनिक अधिकारियों और बीएलओ ने इस लोकतंत्र की हत्या में शामिल होने से इनकार किया है, तो सत्ताधारी पार्टी के लोगों ने उन्हें तबादलों की धमकी दी है।

गहलोत ने कहा कि बीजेपी ने ऐसा दुस्साहस कर जनता और लोकतंत्र का अपमान किया है। मेरे निर्वाचन क्षेत्र सरदारपुरा तक में ऐसा कुप्रयास किया गया है। मैंने इस संबंध में राज्य निर्वाचन आयुक्त नवीन महाजन से फोन पर बात कर जानकारी दी है और त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

उन्होंने निर्वाचन कार्य में लगे अधिकारियों से संवैधानिक मर्यादा का पालन करने की अपील की। गहलोत ने कहा कि मैं उन अधिकारियों को भी स्पष्ट शब्दों में आगाह करना चाहता हूं जो बीजेपी के दबाव में संविधान की धज्जियां उड़ा रहे हैं। समय बदलते देर नहीं लगती। सरकारें आती-जाती रहेंगी, लेकिन यदि आपने नियम विरुद्ध कार्य किया तो कानून के दायरे में आपकी जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी और सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि संवैधानिक मर्यादा का पालन करें, अन्यथा परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें।

# ऑपरेशन स्वदेश: ईरान से भारतीयों को एयरलिफ्ट कर स्वदेश ला रही सरकार

### -पहली विशेष फ्लाइट तेहरान से दिल्ली आज आएगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान में जारी सरकार विरोधी हिंसक प्रदर्शनों और अस्थिर हालात को देखते हुए केंद्र सरकार ने वहां फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी को लेकर 'ऑपरेशन स्वदेश' शुरू कर दिया है। इस अभियान के तहत पहली विशेष फ्लाइट आज शुक्रवार को तेहरान से नई दिल्ली पहुंच रही है। विदेश मंत्रालय ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा है, कि रेस्क्यू ऑपरेशन को चरणबद्ध तरीके से अंजाम दिया जाएगा।

ईरान में इस समय लगभग 10 हजार भारतीय नागरिक मौजूद हैं। इनमें छात्र, कारोबारी, तकनीकी विशेषज्ञ और अन्य पेशेवर शामिल हैं। इनमें से करीब 2500 से 3000 भारतीय छात्र हैं, जो मुख्य रूप से मेडिकल की पढ़ाई के लिए ईरान में रह रहे हैं। मौजूदा हालात को देखते हुए भारत सरकार ने अपने नागरिकों को ईरान की यात्रा से फिलहाल बचने की सलाह भी जारी की हुई है।

#### भारतीय छात्रों का रजिस्ट्रेशन हुआ पुरा

जम्मू और कश्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने एक बयान जारी करते हुए बताया है, कि ईरान में मौजूद सभी भारतीय छात्रों का रजिस्ट्रेशन पूरा हो चुका है। भारतीय दूतावास ने छात्रों की व्यक्तिगत जानकारी और पासपोर्ट एकत्र कर लिए हैं। छात्रों के पहले बैच को रवानगी के लिए शुक्रवार सुबह 8 बजे तक तैयार रहने के निर्देश दिए गए। पहले बैच में गोलेस्तान यूनिवर्सिटी, शाहिद बहेश्ती यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज और तेहरान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज के छात्र शामिल होंगे।

#### नागरिकों से मंत्रालय की अपील

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एडवाइजरी में ईरान में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने पासपोर्ट, वीजा और अन्य जरूरी दस्तावेज हमेशा अपने पास रखें और किसी भी आपात स्थिति में भारतीय दूतावास से तुरंत संपर्क करें। मंत्रालय ने साफ किया है कि सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त उड़ानों की व्यवस्था की जाएगी। भारतीय दूतावास, तेहरान ने सहायता के लिए आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं। नागरिक इन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं- 989128109115, 989128109109, 989128109102 और 989932179359। इसके अलावा बताए गए ईमेल के जरिए भी मदद ली जा सकती है।

दूतावास ने यह भी अपील की है कि जो भारतीय नागरिक अभी तक पंजीकरण नहीं करा पाए हैं, वे तुरंत एमईए की वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक के जरिए रजिस्ट्रेशन कराएं। यदि इंटरनेट सेवाएं बाधित होने के कारण ईरान में मौजूद नागरिक पंजीकरण नहीं कर पा रहे हैं, तो भारत में उनके परिवार के सदस्य उनकी ओर से रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। इसी के साथ ही केंद्र सरकार ने भरोसा दिलाया है कि 'ऑपरेशन स्वदेश' के तहत हर भारतीय की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जाएगी।

# बीजेपी और चुनाव आयोग के कर्मचारियों के बीच बैठक क्यों? अभी आचार संहिता लागू है

### -शिवसेना (यूबीटी) सांसद राउत के बयान से मुंबई के राजनीतिक हलकों में हलचल

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के बयान ने मुंबई के राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। राउत ने बीएमसी चुनावों की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के चुनाव परिणामों के बीच जब शुरुआती रुझानों में बीजेपी समर्थित महायुति को बड़ी बढ़त मिलती दिखी, तब राउत ने मीडिया से बात करते हुए वोटिंग पैटर्न और वोटर लिस्ट को लेकर सत्तापक्ष पर तीखा हमला बोला।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राउत ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी ने लोगों को भरोसा दिलाया है कि वे डरें नहीं, क्योंकि बीजेपी के नेतृत्व वाले महायुति ने बीएमसी चुनावों में बड़ी बढ़त हासिल कर ली है। उन्होंने कहा कि मुंबई जैसे शहर में जो वोटिंग पैटर्न चल रहा है, वह एक गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि हजारों लोगों के नाम, जिन्होंने विधानसभा चुनावों में भी वोट दिया था, उन इलाकों से गायब हैं जहां शिवसेना (यूबीटी), मनसे या कांग्रेस हैं। ईवीएम मशीन ठीक से काम नहीं करती...चुनाव आयोग हमारी बात सुनने को तैयार नहीं है। कल, बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं और चुनाव आयोग के कर्मचारियों के बीच एक बैठक हुई, क्यों? आचार संहिता अभी भी लागू है।

उन्होंने कहा कि वोटिंग प्रतिशत आने से पहले ही एग्जिट पोल आ गए...बीजेपी ने अपनी जीत का जश्न मनाना शुरू कर दिया...हमने लोगों को भरोसा दिलाया है कि वे डरें नहीं...। मतगणना से मिल रहे शुरुआती रुझानों के मुताबिबक बीजेपी-शिवसेना महायुति गठबंधन लगभग 52 वार्डों में आगे चल रहा है, यह शुरुआती डेटा पोस्टल बैलेट की गिनती से मिल रहा है। एसईसी और बीएमसी के आधिकारिक आंकड़ों का इंतजार है। अब तक गिने गए पोस्टल बैलेट के मुताबिक बीजेपी 35 सीटों पर, शिवसेना 17 सीटों पर आगे है।

वहीं ठाकरे भाइयों के लिए अच्छी खबर नहीं है, क्योंकि शिवसेना (यूबीटी) 22 सीटों पर आगे बताई जा रही है। राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अब तक 8 सीटों पर आगे है। शुरुआती गिनती में कांग्रेस 4 सीटों पर आगे थी। राज्य चुनाव आयुक्त दिनेश वाघमारे ने वोटिंग खत्म होने के बाद कहा था कि 29 नगर निगमों में लगभग 50 प्रतिशत वोटिंग हुई। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि मुंबई नगर निगम चुनावों में 52.94 प्रतिशत वोटिंग हुई, जो 2017 के पिछले चुनावों में 55.53 प्रतिशत से कम है।

बता दें बीएमसी जिसका सालाना बजट 74,400 करोड़ रुपए से ज्यादा है, उसमें चार साल की देरी के बाद हो रहे चुनावों में 227 सीटों के लिए 1,700 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। मुंबई को छोड़कर, बाकी शहरी निकायों में मल्टी-मेंबर वार्ड हैं। ये 2022 में शिवसेना में फूट के बाद पहले बीएमसी चुनाव थे, जब अब उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पार्टी के ज्यादातर विधायकों के साथ अलग हो गए और बीजेपी के साथ गठबंधन करके मुख्यमंत्री बने थे।

## उत्तर भारत में ठंड-कोहरे का डबल अटैक! शीतलहर से भी अभी नहीं मिलेगी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत सहित देश के कई राज्यों में कड़ाके की ठंड ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिम उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा में अगले दो दिनों तक शीतलहर की स्थिति बनी रहेगी। इसके बाद ठंड का असर धीरे-धीरे कम होने की संभावना है।

मौसम विज्ञान विभाग ने यह भी चेतावनी दी है कि उत्तर-पश्चिम भारत और बिहार में अगले पांच दिनों तक सुबह और रात के समय घना से बहुत घना कोहरा छाया रहेगा। कोहरे के कारण दृश्यता बेहद कम हो सकती है, जिसका सीधा असर सड़क, रेल और हवाई यातायात पर पड़ेगा। सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थम सकती है, वहीं कई ट्रेनों के देरी से चलने की आशंका भी जताई गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के कुछ इलाकों में अगले दो दिनों तक कोल्ड डे की स्थिति बनी रह सकती है। 16 और 17 जनवरी को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और ओडिशा के अलग-अलग हिस्सों में शीतलहर का दौर जारी रहेगा। वहीं, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और झारखंड में भी 16 जनवरी को ठंड का प्रकोप देखने को मिल सकता है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और उत्तराखंड में 17 जनवरी तक घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। इसके बाद 22 जनवरी तक पंजाब-हरियाणा-चंडीगढ़ और 20 जनवरी तक उत्तराखंड के अलग-अलग इलाकों में घना कोहरा बना रह सकता है। पश्चिम उत्तर प्रदेश में 18 जनवरी तक और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 19 जनवरी तक कोहरे का असर रहेगा।

# मनरेगा के बाद अब शिक्षा और खाद्य सुरक्षा कानून में बदलाव की तैयारी में जुटा केंद्र

### -यूपीए सरकार के दो बड़े अधिकार कानूनों पर मोदी सरकार की नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार यूपीए सरकार के दौर में बने दो बड़े सामाजिक अधिकार कानूनों-शिक्षा का अधिकार (आरटीई) और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून में बदलाव की तैयारी में जुटी है। मनरेगा की जगह नया कानून लाने के बाद अब केंद्र का फोकस इन योजनाओं की प्रभावशीलता बढ़ाने और लाभ सही लोगों तक पहुंचाने पर है। सरकार का मानना है कि केवल किसी योजना को कानूनी अधिकार बना देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसका ज़मीन पर सही तरीके से लागू होना भी उतना ही जरूरी है।

केंद्र सरकार से जुड़े सूत्रों का हवाला देते हुए मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है, कि शुरुआती तौर पर नियमों और प्रशासनिक आदेशों के जरिए सुधार करने की कोशिश की जाएगी। यदि इससे अपेक्षित नतीजे नहीं मिले, तो संसद में संशोधन या नया विधेयक लाने से भी इनकार नहीं किया गया है। इसके साथ ही सरकार इस बात पर भी विचार कर रही है कि आवास के अधिकार को भी कानूनी दर्जा दिया जाए। परामर्श प्रक्रिया से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मनमोहन सिंह सरकार के समय बनाए गए विकास से जुड़े अधिकार कानूनों में तीन बड़ी कमियां सामने आई हैं। पहली, इन कानूनों के बावजूद हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं पहुंच पाई। दूसरी, खाद्य सुरक्षा का लाभ सभी पात्र परिवारों तक नहीं पहुंच सका। और तीसरी, लाभार्थियों की पहचान और पंजीकरण की प्रक्रिया अधूरी रही।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी योजनाओं में 100 प्रतिशत लाभार्थियों का पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए। सरकार चाहती है कि योजनाओं का लाभ सही व्यक्ति तक, सही समय पर और पारदर्शी तरीके से पहुंचे। इसी सोच के तहत संसद के शीतकालीन सत्र में मनरेगा की जगह 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)' यानी वीबी- जी राम जी बिल पास किया गया था, जिसे दिसंबर 2025 में राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद कानून का दर्जा मिला।

सरकार अब शिक्षा, खाद्य सुरक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और आवास, इन पांच अहम क्षेत्रों को लेकर तीन प्रमुख लक्ष्यों पर आगे बढ़ रही है। पहला, योजनाओं की पूरी कवरेज के लिए समय-सीमा तय की जाए। दूसरा, डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए रियल टाइम मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो। तीसरा, हर लाभार्थी की पहचान और पंजीकरण के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जाए।

हालांकि, मनरेगा की जगह लाए गए नए कानून को लेकर विपक्ष ने कड़ा विरोध किया था। विपक्षी दलों का कहना है कि महात्मा गांधी का नाम हटाना केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि सामाजिक सोच पर असर डालने वाला कदम है। इसके बावजूद सरकार अपने एजेंडे पर आगे बढ़ती दिख रही है और अब शिक्षा व खाद्य सुरक्षा कानूनों में सुधार की दिशा में कदम तेज हो गए हैं।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902